जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, सोमवार 4 मई, 2026

इस पेज पर सब कुछ म्यूट किया गया है

म्युचुअल फ़ंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

The Fabric That No One Knows How To Make Anymore

The finest muslin were honoured with evocative names conjured up by imperial poets, such as 'baft-hawa,' literally 'woven air,' as light and soft as the wind

Margaret Thatcher Becomes Britain's First Woman Prime Minister

ईरान के चाबहार पोर्ट का लाभ किसी भी सूरत में नहीं खोना चाहता भारत

पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान व सैन्ट्रल एशिया के मार्केट को पकड़ने के लिए चाबहार की बड़ी अहमियत है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। भारत के लिए रणनीतिक चाबहार बंदरगाह परियोजना एक सपना थी, क्योंकि इससे वह पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधे पहुँच सकता था। अब, अमेरिकी प्रतिबंधों की छूट समाप्त होने के बाद, ये उम्मीदें संकट में हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भारत के पास अभी भी एक ट्रिक बची है।

उत्तर-पश्चिम में शत्रुदेश पाकिस्तान के होने का अर्थ है कि भारत को अफगानिस्तान और लाभप्रद मध्य एशियाई बाजार तक सीधा मार्ग न मिले। इस बाधा को पार करना जरूरी था। वर्ष 2003 में भारत ने ईरान के साथ चाबहार पोर्ट विकसित करने के लिए बातचीत शुरू की। एक दशक बाद, बंदरगाह के दो टर्मिनलों में से एक का संचालन करने के लिए साझेदारी औपचारिक रूप से स्थापित की गई।

- **अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह प्रोजैक्ट पर प्रतिबंध लगाकर छूट दी हुई थी। यह छूट गत सप्ताह समाप्त हो गई। इससे चाबहार प्रोजैक्ट के भविष्य पर संकट के बादल छा गए हैं।**
- **भारत ने ''टैक्नीकल प्रेगमैटिज़्म'' की नीति अपनाते हुए इस गतिरोध को दूर करने का रास्ता निकाला है। भारत अस्थाई रूप से चाबहार प्रोजैक्ट की अपनी हिस्सेदारी एक ईरानी की ईकाई को ट्रांसफर करेगा, प्रतिबंध काल के लिए। जब प्रतिबंध हट जाएंगे तो पोर्ट का नियंत्रण वापस भारत के पास आ जाएगा।**
- **अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से टकराव से बचते हुए जियो पोलिटिकल वास्तविकता के साथ संतुलन प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की विशेषता मानी जाती है।**

लेकिन इस सप्ताह की शुरुआत में परियोजना पर लगाए गए प्रतिबंधों पर अमेरिकी छूट की अवधि समाप्त होने के साथ ही, भारत फिर से शुरुआती स्थिति में पहुंच गया, लेकिन पूरी तरह नहीं। यहीं पर दिल्ली ने मास्टरस्ट्रोक खेला।

सीमित विकल्पों के बीच, भारत अब अपनी हिस्सेदारी अस्थायी रूप से एक स्थानीय ईरानी इकाई को हस्तांतरित करने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस व्यवस्था में ईरानी इकाई प्रतिबंधों की अवधि के दौरान, संचालन का प्रबंधन करेगी। जब प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे, नियंत्रण वापस भारत के पास जाएगा। विशेषज्ञ इसे ''रणनीतिक व्यावहारिकता'' (टैक्टिकल प्रैगमैटिज़्म) कह रहे हैं।

यह संकेत देता है कि दिल्ली लंबी अवधि के लिए तैयार है, जैसे क्रिकेट में टेस्ट मैच खेलते समय धैर्य बनाए रखा जाता है।

यही भारत की खेल योजना है। इस योजना के अनुसार, भारत चाबहार से पीछे भी नहीं हटेगा, तथा ट्रम्प के साथ टकराव से भी बच जायेगा। यह वही कला है, जिसे भारत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक सनकी अमेरिकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ पर ईरान नये कानून की तैयारी में

तेहरान, 03 मई। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान अब होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर नया कानून लाने की तैयारी में है। ईरानी संसद के उपाध्यक्ष हमीदरेजा हाजी-बाबाई ने संकेत दिया है कि प्रस्तावित कानून के तहत इज़रायल से जुड़े जहाजों के इस अहम समुद्री मार्ग से गुजरने पर रोक लगाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव में दुश्मन देशों के जहाजों के लिए कड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं। ऐसे जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए युद्ध से जुड़े नुकसान की भरपाई करनी पड़ सकती है। इसके साथ ही अन्य देशों के जहाजों को भी ईरान से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया जा सकता है।

- **इज़रायल से जुड़े जहाजों के गुजरने पर रोक तथा दुश्मन देशों के जहाजों से युद्ध से नुकसान की भरपाई के संकेत।**

हाजी-बाबाई के मुताबिक, युद्ध के बाद क्षेत्रीय हालात बदल चुके हैं और अब होर्मुज़ में जहाजों की आवाजाही पहले जैसी नहीं रहेगी। उनका कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है।

अगर यह कानून लागू होता है तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने अमेरिका को 14 सूत्री शांति प्रस्ताव भेजा

ट्रंप ने कहा कि लगता नहीं ईरान से बात बन पाएगी, शांति प्रस्ताव की गहराई से समीक्षा करेंगे

वाशिंगटन/दोहा/तेहरान, 03 मई। ईरान ने अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव 14 सूत्रीय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि यह प्रस्ताव मिल चुका है। उन्होंने शनिवार को पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर पत्रकारों को यह जानकारी दी। ट्रंप ने साफ किया कि उन्हें अभी भी नहीं लग रहा कि ईरान से बात बन पाएगी। उन्होंने कहा कि वे शांति प्रस्ताव की गहराई से समीक्षा करेंगे। इस बीच अमेरिका-इज़रायल के फरवरी के आखिर में किए गए सैन्य हमले के बाद होर्मुज़ जलडमरूमध्य में संकट लगातार गहरा रहा है। कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान के विदेशमंत्री से सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज, अल जजीरा और तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि ईरान ने अभी-अभी प्रस्ताव भेजा है। बावजूद इसके उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौता कर पाएगा। इसमें आक्रमण न करने की गारंटी, नाकाबंदी हटाने और लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा, ''मैंने इसे अभी देखा नहीं है। मैं प्रस्ताव की समीक्षा करूंगा। इसके बाद ही हमारे रुख की मीडिया को आधिकारिक जानकारी दी जाएगी।

- **ईरान के प्रस्ताव में आक्रमण नहीं करने की गारंटी, नाकाबंदी हटाने तथा लेबनान सहित, मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की माँग की गई है।**
- **निक स्टीवर्ट ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए काम कर रही टीम में शामिल हो गए हैं। वे तेजतर्रार और अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में वे विदेश विभाग के सदस्य थे।**

ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के कुछ समय बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, ''मुझे नहीं लगता कि ईरान का शांति प्रस्ताव स्वीकार्य होगा। ईरान ने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो कुछ भी किया है, उसके लिए उसने अभी पूरी कीमत नहीं चुकाई है। उन्होंने कहा कि ईरान में सब कुछ तबाह हो चुका है। वह समझौता करने के लिए लालायित है।'' उन्होंने दुहराया कि अगर अमेरिका ईरान से हट भी जाए तो भी तबाह हुए मुल्क को खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे।

ट्रंप ने कहा, मुश्किल यह है कि यही समझ में नहीं आ रहा कि इस समय ईरान का सर्वमान्य नेता कौन है। कभी कोई आगे आ जाता है तो कभी कोई। ऐसी स्थिति में इस बात की पक्की संभावना है कि अमेरिका फिर से कुछ ठिकानों पर सैन्य हमले शुरू कर सकता है। अगर ईरान ने कोई बेजा हरकत की तो उसके लिए बहुत बुरा होगा। ट्रंप की हमले की टिप्पणी के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि वह अमेरिका के साथ फिर से युद्ध के लिए तैयार है।

इस बीच वाइट हाउस ने शनिवार को पुष्टि की कि निक स्टीवर्ट ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए काम कर रही राजनयिक टीम में शामिल हो गए हैं। वे राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान विदेश विभाग के सदस्य रहे हैं। वे तेजतर्रार और अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। वे विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की प्रतिभाशाली टीम के अहम सदस्य हैं।

इस सैन्य घमासान से चिंतित कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत व चीन के कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन पर नेपाल ने आपत्ति जताई

बालेन सरकार ने दोनों देशों को पत्र लिख कर नेपाल की भूमि पर सड़क निर्माण, व्यापार व तीर्थयात्रा नहीं करने को कहा

काठमांडू, 03 मई। नेपाल की बालेन सरकार ने लिपुलेक पास से भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन किए जाने पर आपत्ति जताते हुए दोनों देशों को कूटनीतिक पत्र भेजा है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर पौडेल क्षेत्री ने जानकारी दी कि नेपाल सरकार ने लिपुलेक क्षेत्र से कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन करने की योजना पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराते हुए भारत और चीन, दोनों को पत्र भेजा है।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने फोन पर बताया कि इस विषय पर सभी राजनीतिक दलों से परामर्श करने के बाद नेपाल की आधिकारिक स्थिति दोनों देशों को अवगत करा दी गई है।

- **नेपाल सरकार ने कहा कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, महाकाली नदी के पूर्व स्थित लिम्पियाधुरा, लिपुलेक और कालापानी नेपाल के अभिन्न भूभाग हैं और इस विषय पर नेपाल सरकार पूरी तरह स्पष्ट और अडिग है।**

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नेपाली भूमि लिपुलेक के माध्यम से प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा के संबंध में नेपाल सरकार ने अपना स्पष्ट रुख और चिंता भारत तथा चीन, दोनों पक्षों को कूटनीतिक माध्यम से पुनः जानकारी करा दी है।

सरकार ने यह भी दोहराया है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, महाकाली नदी के पूर्व स्थित लिम्पियाधुरा, लिपुलेक और कालापानी नेपाल के अभिन्न भूभाग हैं और इस विषय पर नेपाल सरकार पूरी तरह स्पष्ट और अडिग है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने विश्व का पहला ऑप्टोसार सैटेलाइट लॉन्च किया

नई दिल्ली, 03 मई। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को दुनिया के पहले ऑप्टोसार सैटेलाइट ''मिशन दृष्टि'' के सफल प्रक्षेपण की सराहना की है। बंगलूरू स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सआई ने इस उपग्रह को बनाया है।

- **आधुनिक तकनीक का यह उपग्रह किसी भी मौसम/बादलों के बीच व रात के अंधेरे में धरती की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम है।**

गैलेक्सआई के मिशन दृष्टि उपग्रह को रविवार को कैलिफोर्निया से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजा गया। यह भारत में किसी निजी संस्थान की ओर से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है।

प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को भारत के लिए गौरवशाली बताया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के झंडे वाले दो वाहनों को मतगणना परिसर में प्रवेश दिया गया- टीएमसी

निर्वाचन आयोग ने कहा, वाहन पास की सड़क से गुजर रहा था, जिसे जाँच के बाद जाने दिया गया

कोलकाता, 03 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना केन्द्र के बाहर रविवार को हंगामा हुआ। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे वाले दो वाहनों को उस परिसर में प्रवेश दिया गया, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई हैं।

यह घटना उस समय हुई, जब इससे एक दिन पहले ममता बनर्जी ने सखावत बालिका विद्यालय में स्थित इस मतगणना केन्द्र के बाहर चार घंटे तक धरना दिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम में अनधिकृतिक लोगों के प्रवेश का आरोप लगाया था।

मतदान खत्म होने के बाद अब पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सत्ता को लेकर तनाव बढ़ गया है। दोनों दलों के नेता और कार्यकर्ता राज्य भर में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा पर नजर रखे हुए हैं, जहां उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद है। भारी जीत का भरोसा जताने के बावजूद, ममता बनर्जी ने कई बार मतगणना में गड़बड़ी और ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका जताई है।

- **एक दिन पहले ममता बनर्जी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के सखावत बालिका विद्यालय स्थित मतगणना केन्द्र पर चार घंटे धरना दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि स्ट्रॉन्ग रुम में अनधिकृत लोगों को प्रवेश दिया गया।**

रविवार सुबह टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी दो गाड़ियां परिसर में घुसीं और स्ट्रांग रूम के पास तक पहुंच गईं। एक कार्यकर्ता ने कहा कि बिना पहचान पत्र के किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। फिर भी इन वाहनों को कैसे प्रवेश मिला। टीएमसी ने दावा किया कि पुलिस ने वाहनों को हटाने का भरोसा दिलाया। लेकिन वे कुछ समय तक वहां खड़े रहे।

हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर : बम हमले में मरे दो मासूमों का 25 दिन बाद अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, 03 मई। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में ट्रोंग्लाओबी घटना में जान गंवाने वाले दो मासूम बच्चों का अंतिम संस्कार 25 दिन बाद किया गया। इस घटना ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डाल दिया है। जानकारी के अनुसार, 7 अप्रैल को मोइरांग के ट्रोंग्लाओबी अवांग लीकेई इलाके में स्थित एक घर पर संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा बम फेंका गया था। इस हमले में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

- **गत 7 अप्रेल को एक घर पर उग्रवादियों द्वारा फेंके बम से दो बच्चों की मौत हुई थी।**

लंबे समय तक चले हालात और प्रक्रियाओं के बाद, अब जाकर दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान इलाके में माहौल बेहद गमगीन रहा और लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ से एक और भारतीय जहाज निकला

नई दिल्ली, 03 मई। मिडिल ईस्ट में परेशानी चल रही है, लेकिन भारत के लिए राहत की खबर है। भारत के लिए गैस लेकर आ रहा जहाज सर्व शक्ति समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को पार कर गया है। ये जहाज मार्शल द्वीप के नाम से रजिस्टर्ड है। सरकार के अनुसार,

- **46 हजार टन एलपीजी से भरा जहाज 13 मई को विशाखापट्टनम पहुँचेगा।**

जहाज 13 मई को विशाखापट्टनम पहुंच जाएगा। मतलब, भारत को जरूरी गैस बिना किसी रुकावट के मिल जाएगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस जहाज में करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी भरी हुई है। जहाज पर कुल 20 लोग काम कर रहे हैं, जिनमें से 18 भारतीय हैं। मिडिल ईस्ट के टेंशन और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में रुकावट को लेकर सरकार ने यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गिरती लोकप्रियता को बचाने के लिए ट्रंप ने क्यूबा पर कब्जा करने की घोषणा की

गत एक माह से अमेरिकी राष्ट्रपति क्यूबा पर बड़े रिफॉर्म करने या सैन्य कार्यवाही का सामना करने की धमकी दे रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। अपने देश में तेजी से गिरती लोकप्रियता को रोकने के प्रयास में, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भ्रमित करने वाले संकेत दिए हैं। एक ओर उन्होंने धमकी दी कि अमेरिका की नौसेना ईरान से वापसी के रास्ते में क्यूबा को निशाना बनाएगी, तो दूसरी ओर उन्होंने आपातकाल का हवाला देकर कांग्रेस की समीक्षा को दरगुज़र करते हुए मिडिल ईस्ट देशों को हथियार देने की मंजूरी दे दी।

ईरान को लेकर ट्रम्प यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि वे सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करेंगे या तेहरान के प्रस्तावों को स्वीकार करेंगे। हाल ही में, शाम पाम बीचेज़ के नॉन-प्रॉफिट फोरम क्लब में अपने भाषण में उन्होंने कहा, ''क्यूबा में कई समस्याएं हैं।''

उन्होंने कहा, ''ईरान से लौटते समय हमारा बड़ा विमानवाहक पोत, शायद यूएसएस अब्राहम लिंकन, जो दुनिया में सबसे बड़ा है, हमारे पास आएगा, यह तट से लगभग 100 गज दूर रुकेगा और वे कहेंगे, ''बहुत धन्यवाद। हम हार मानते हैं।''

ट्रम्प प्रशासन वर्तमान में क्यूबा सरकार पर जोर डालने के लिए महीनों से अभियान चला रहा है कि वह बड़े पैमाने पर नाटकीय रिफॉर्म्स करे।

इसके साथ ही, ट्रम्प ने बार-बार धमकी दी है कि अपनी इच्छा पूरी करने के लिए, अमेरिका इस द्वीप पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

ट्रम्प नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने मिडिल ईस्ट देशों को हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी, कांग्रेस की समीक्षा को दरगुज़र करते हुए उन्होंने इसके लिए आपातकाल का हवाला दिया।

- **दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप ने इज़रायल, कतर और कुवैत को 8.6 मिलियन डॉलर से अधिक हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी।**
- **''आपातकालीन स्थिति'' तथा ''अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों'' के नाम पर ट्रंप प्रशासन ने आवश्यक कांग्रेस स्वीकृति से बचकर तुरंत हथियार सप्लाई करने का निर्णय लिया।**
- **जहाँ एक ओर वॉशिंगटन ने अपने मिडिल ईस्ट सहयोगियों को हथियार देकर समर्थन जारी रख रहा है, दूसरी ओर नाटो देशों के साथ उसके मतभेद बढ़ रहे हैं।**

यह सैन्य बिक्री, जो कुल 8.6 बिलियन डॉलर से अधिक की है, हवाई रक्षा मिसाइलों से लेकर लेज़र गाइडेंस सिस्टम तक फैली हुई है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में को इसकी घोषणा की, जबकि अमेरिका और इज़रायल का ईरान पर युद्ध नवें सप्ताह में प्रवेश कर गया है, और संघर्ष समाप्ति पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, भले ही एक अस्थिर संघर्ष विराम लागू हो।

विदेश विभाग ने इज़रायल को 10,000 एडवांस्ड प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम-छ्छ ऑल अप राउंड्स और संबंधित उपकरणों की बिक्री की अनुमति दी, जिसकी कीमत 992.4 मिलियन डॉलर है, और इसे बीएई सिस्टम द्वारा निर्मित किया गया है।

अमेरिका ने कतर को 10,000 एडवांस्ड प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम-छ्छ ऑल-अप-राउंड्स (सिंगल वेरिएंट) सिस्टम की बिक्री को मंजूरी दी, जिसकी कीमत 992.4 मिलियन डॉलर है। इस संभावित बिक्री का मुख्य ठेकेदार बीएई सिस्टम्स होगा।

कतर ने 200 पैट्रियट एडवांस्ड कैपेबिलिटी-2 (पीएसी-2) गाइडेंस एन्हांस्ड मिसाइल-टैक्टिकल इंटरसेप्टर और 300 पीएसी-3 मिसाइल सेगमेंट एन्हांसमेंट इंटरसेप्टर और संबंधित उपकरण खरीदे, जिसकी कुल कीमत 4.01 बिलियन डॉलर है। लॉकहीड और आरटीएक्स इसके मुख्य ठेकेदार हैं।

यूएई को 1,500 गाइडेंस सैक्शन, सिंगल वेरिएंट (एयर-टू-एयर), एडवांस्ड प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम-छ्छ की बिक्री की अनुमति दी गई, जिसकी कुल लागत 147.6 मिलियन डॉलर है।

रॉयटर्स ने बताया, कुवैत की 2.5 बिलियन डॉलर की खरीद के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अग्रिम जमानत मिलने के बाद खेड़ा दिल्ली पहुँचे

नई दिल्ली, 03 मई। उच्चतम न्यायालय से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इससे पहले दिल्ली पहुंचने पर हवाई अड्डे पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने खेड़ा का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे इंदिरा भवन पहुंचे।

- **हवाई अड्डे व पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं व नेताओं ने उनका स्वागत किया।**

पत्रकारों से बातचीत में पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व लगातार चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है लेकिन आयोग की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान हमेशा संकट के समय में सहारा देता है। जब भी कोई व्यक्ति मुश्किल में होता है या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आतंक का जन्म असंतोष से होता है असमानता से इसे हवा मिलती है और यह अपनी आग में हज़ारों को लेकर जल मरता है। –मुक्ता

बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे!

समाचारों की भी अपनी एक संवेदना होती है। वे केवल सूचनाएँ नहीं लाते, समय का त्रास और ताप भी साथ लाते हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा तैयार की गई विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूची 2026 को पढ़ते हुए ऐसा लगता है, जैसे किसी ने हमारे समय की नब्ज़ पर उँगली रख दी हो, और पाया हो कि वह ठीक नहीं चल रही है। इस रिपोर्ट में दर्ज यह तथ्य कि प्रेस की स्वतंत्रता पिछले पच्चीस वर्षों के सबसे निम्न स्तर पर है, केवल एक आँकड़ा नहीं है। यह हमारे समय के ललाट पर उभरती वह महीन रेखा है, जो भीतर चल रही थकान और तनाव का संकेत देती है। लोकतंत्र को यदि एक जीवित देह मानें, तो प्रेस उसकी श्वास है। श्वास का काम दिखना नहीं होता, चलते रहना होता है। लेकिन जब श्वास ही सिकुड़ने और अनियमित होने लगे, तो देह की सारी सक्रियता एक अनकहे भय से भर जाती है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह स्थिति किसी एक देश की नहीं है।दुनिया के अनेक हिस्सों में पत्रकारिता अब ऐसे चौराहों पर खड़ी है, जहाँ सत्ता, बाजार और भीड़– इन तीन दिशाओं से दबाव आता है। सत्ता चाहती है कि कलम नियंत्रित रहे, बाजार चाहता है कि वह बिकने को तैयार हो, और भीड़ चाहती है कि कलम वही लिखे जो वह पढ़ना चाहती है। और इन तीनों के बीच 'सत्य' कहीं किसी अंधेरे कोने में गर्दन झुकाए खड़ा रह जाता है। अकेला, थोड़ा असहज, और प्राय: अव्यक्त।

हम ऐसे विचित्र समय में जी रहे हैं जहाँ स्वतंत्रता का उच्चारण तो बार–बार होता है, पर उसका प्रयोग और अनुभव धीरे–धीरे सीमित होता जा रहा है। अब कोई यह भी नहीं कहता कि सच मत बोलो। आप ख़ुद ही समझ जाते हैं कि सच बोलना कितना हानिप्रद या घातक हो सकता है। भय अब अमूर्त है और पूरे वातावरण में घुला–मिला है। असल में यह ऐसा समय है जब पत्रकार और लेखक अपने भावों को कागज़ पर उतारने से पहले कई–कई बार पढ़ते और सोचते हैं कि कहीं उनकी कोई बात किसी को आहत तो नहीं कर देगी? कहीं कोई बुरा तो नहीं मान जाएगा? कहीं वे ज़्यादा ही मुखर तो नहीं हो गए हैं? कहीं उन्होंने ऐसी कोई बात तो नहीं लिख दी है जिससे कोई प्रभावशाली या वर्चस्वशाली उनके खिलाफ़ सक्रिय हो उठेगा? और यह सोच उनकी कलम की रवानी को थाम लेता है, शब्दों की धार भोंथरी हो जाती है, जिस बात को अभिधा में कहा जाना चाहिए था वह लक्षणा या व्यंजना की तरफ आशा भरी नज़रों से देखती है! और इस पूरी प्रक्रिया में बहुत बार कहने योग्य बात बिना बाहर आए ही दम तोड़ देती है।

इस रिपोर्ट में हमने देखा है कि हमारा अपना भारत भी 180 देशों की सूची में 151वें स्थान से फिसल कर 157वें स्थान पर आ गया है। भले ही आधिकारिक वक्तव्य इस रिपोर्ट को नकारें, और ऐसा करना उनके दायित्व का अभिन्न अंग भी है, जो लोग नियमित रूप से अखबार पढ़ते हैं, मीडिया के उपभोक्ता हैं और जिनकी आंखे, कान और दिमाग़ खुले हैं वे इस बात की पुष्टि करेंगे कि रिपोर्ट ग़लत नहीं है। कुछेक अपवादों को छोड़ दें तो हम पाते हैं कि हमारे सारे के सारे अख़बार एक ही एंगल से चीज़ों को देखने और दिखाने लगे हैं। कहना अनावश्यक है कि वह एंगल कौन–सा है। वे ऐसी कोई बात अपने पन्नों पर नुमायां होने ही नहीं देते हैं जिससे प्रतिष्ठान को तनिक भी असुविधा हो। और यही हाल टीवी चैनलों का भी है। असल में चाहे अखबार हों या निजी टीवी चैनल, उनमें भारी निवेश होता है और जो निवेश करते हैं उनके अपने व्यावसायिक हित होते हैं। सरकारी प्रकाशनों और चैनलों की तो बात ही छोड़ दें। उनका तो धर्म ही अपने नज़रिए का प्रचार–प्रसार करना है। उनसे कोई शिकायत भी नहीं है। वैसे शिकायत तो इनसे भी नहीं है। जिस अखबार की एक प्रति केउत्पादन में बीस रुपये की लागत आती हो उसे मात्र पांच रुपये में खरीदने वाला मैं भला किस मुंह से शिकायत करूं? सरकार और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के पास उन्हें पालतू बनाए रखने के लिए विज्ञापन की बहुत बड़ी ताकत है। अब तो इस बात को खुले आम कहा जाता है कि हम आपको विज्ञापन दे रहे हैं तो आप भी हमारे प्रति अपना फर्ज निबाहें। और वे निबाहते हैं। जो फर्ज़ नहीं निबाहते हैं उनके विज्ञापन बंद कर दिए जाते हैं। आपको भी ऐसे बहुत सारे उदाहरण याद होंगे। जिनके विज्ञापन एक बार बंद हो जाते हैं वे इससे सबक लेते हैं और फिर औरों से भी ज़्यादा वफादार नज़र आने के प्रयासों में जुट जाते हैं। दुष्यंत कुमार को याद कर लीजिए: मौलवी से डाँट खा कर अहल–ए–मकतब/ फिर उसी आयात को दोहराने लगे हैं।

पत्रकारों कलमकारों से शालीन बने रहने की अपेक्षाएं पहले से कई गुना ज़्यादा हो गई हैं। लेकिन शालीनता जब मौन का पर्याय बन जाए तो चिंता होना स्वाभाविक है। जब भाषा की धार भोंथरी हो जाती है तो वह सत्य नहीं बखानती, केवल सूचना देती है। बहुत बार अनावश्यक सूचना। और यही वह समय होता है जब हम पाते हैं कि हम एक दोराहे पर खड़े हैं। यही वह क्षण होता है जब वर्तमान अपने ही दायित्व से पीछे हटता हुआ नज़र आता है।

इस स्थिति को हम पाठकों ने भी जैसे स्वीकार कर लिया है। वैसे, हमारे पास विकल्प भी क्या है? हमने मान लिया है कि कुछ प्रश्न टाले जा सकते हैं, कुछ तथ्यों को प्रतीक्षा में रखा जा सकता है, और कुछ आवाज़ों को अनसुना किया जा सकता है। हमने यह स्वीकार भाव अचानक नहीं, आहिस्ता–आहिस्ता अपनाया है। लेकिन अब यह हमारी आदत में शुमार हो गया है। उन्हीं दुष्यंत कुमार ने लिखा तो था: इस शहर में वो कोई बारात हो या वारदात,/ अब किसी भी बात पर खुलती नहीं हैं खिड़कियाँ।

क्या मुझे यहां राजस्थान की भी बात करनी चाहिए? एक शांत प्रदेश। कोई ख़ास उथल–पुथल, कोई बड़ा शोर–शराबा नहीं। उस फ़िल्मीडायलॉग की मानिंद सब ठीक चल रहा है। ऑल इज़वेल! रोज़ सुबह वेण्डर अख़बार डाल जाता है। अखबार उतने ही पन्नों का होता है जितने पन्नों का पहले हुआ करता था। बल्कि कभी–कभी तो उसमें ज़्यादा पन्ने भी आने लगे हैं। हर पन्ना भरा हुआ होता है। कभी विज्ञापन से तो कभी ख़बरों से। तो मान लें कि सब ठीक है? लेकिन उन ख़बरों का क्या जो छपती ही नहीं हैं? उन सवालों का क्या जो कभी पूछे ही नहीं जाते हैं? उन वाक्यों का क्या जिन्हें पाठक की आंखों के सामने पहुंचने से पहले ही डिलीट कर दिया जाता है? क्या एक पाठक के रूप में आपको भी ऐसा लगता है कि बहुत कुछ है जो आपके सामने नहीं आ पा रहा है? अगर लगता है तो ठीक है, और नहीं लगता है तो यह चिंता की बात है। जिसे कहते हैं दृष्टि दोष, यह वैसा कुछ है। आपके सामने बहुत कुछ है और आपको दिखाई ही नहीं दे रहा है, यह तो बड़ी गंभीर बात है! नहीं है?

मैं मानता हूं कि पत्रकारिता में संयम आवश्यक है। बात को शालीनता से और सलीके से कहा जाना चाहिए। लिखना बहुत ज़िम्मेदारी का काम है। तथ्यों की पूरी पड़ताल के बाद लिखा जाना चाहिए। लेकिन यह भी हम देख रहे हैं कि वर्चस्वशाली सत्ता सूचना के सारे स्त्रोतों को एक–एक करके सुखा रही है। सूचना के अधिकार को एकदम लुंज पुंज कर दिया गया है। हर सूचना गोपनीयता के आवरण में लपेट कर टांड पर रख दी गई है जहां आपकी पहुंच नहीं है। पत्रकारों कलमकारों से शालीन बने रहने की अपेक्षाएं पहले से कई गुना ज़्यादा हो गई हैं। लेकिन शालीनता जब मौन का पर्याय बन जाए तो चिंता होना स्वाभाविक है। जब भाषा की धार भोंथरी हो जाती है तो वह सत्य नहीं बखानती, केवल सूचना देती है। बहुत बार अनावश्यक सूचना। और यही वह समय होता है जब हम पाते हैं कि हम एक दोराहे पर खड़े हैं। यही वह क्षण होता है जब वर्तमान अपने ही दायित्व से पीछे हटता हुआ नज़र आता है। हम उसी क्षण में जी रहे हैं। हमारे समय की विडंबना शायद यही है कि अब हमें स्वतंत्रता दी नहीं जाती, हमें उसकी सीमा समझाई जाती है। यह कुछ ऐसा ही है जैसे कोई हमसे कहे कि आप खुलकर बोलिये, और फिर धीरे से यह और कह दे कि बस, इतना ध्यान रखिए कि आवाज़ बाहर न जाए!

यह वह समय है जब इस बात को याद किया जाना ज़रूरी हो गया है कि प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है और इसे न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बराबर महत्व दिया गया है। यह सही भी है। लोकतंत्र अंतत: शब्दों पर ही टिका होता है। उन शब्दों पर, जो प्रश्न करते हैं, जो असहमति को स्थान देते हैं, जो असुविधा को स्वीकार करते हैं। अगर शब्द ही संकोच करने लगें, उन पर पहरे लग जाएं तो वाक्य अधूरे रह जाते हैं। और अधूरे वाक्यों से कोई भी समाज अपनी पूरी कहानी नहीं लिख सकता।

इसलिए सवाल केवल प्रेस की स्वतंत्रता का नहीं है। सवाल हमारी अस्मिता और हमारे अस्तित्व का है। किसी ने इस समय पर बहुत मानीखेज़ बात कह दी है: हमारे समय की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यही है कि हम चुप रहते हुए भी खुद को अभिव्यक्त मान लेते हैं।और अंत में, यह भी स्मरण कर लिया जाना चाहिए कि हमारे समय के बहुत बड़े शायर ने कहा था, बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे! बोल ज़बां अब तक तेरी है!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

महाराणा प्रताप–स्वधर्म और स्वराज के प्रतीक

सूर्यप्रतापसिंह

हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप और अकबर के बीच युद्ध के निर्णय को लेकर आज तक चर्चा हो रही है। युद्ध में किसकी हार हुई? किसकी जीतइस पर विद्वान इतिहासकारों का एक मत क्यों नहीं बन पा रहा? यह समझ से परे है जबकि युद्ध की घटना? युद्ध में पहले आक्रमण किसने किया? युद्ध में सेना की क्षमता किसकी ज्यादा थी? युद्ध में पीछे कौन हटा? पीछे हटना क्या युद्ध में रणनीति का भाग नहीं होता? युद्ध की नैतिकता सामान्य परिस्थितियां की नैतिकता में भिन्नता होती है। इस पर कोई दो राय नहीं है।

युद्ध में कौन जीता और कौन हारा इसका आंकलन इस बात से लगाया जा सकता है कि किस प्रकार उस युद्ध ने भविष्य को नई दिशा दी। भारत के इतिहास में महाराणा प्रताप को स्वधर्म और स्वराज के लिए जीवन त्यागने वाले योद्धा के रूप में उदाहरण प्रस्तुत किया। जो कि तत्कालिक परिस्थितियों में भारतीय राष्ट्रीयता और विदेशी हुकुमत के विरूद्ध संघर्ष के लिए प्रेरणा का स्त्रोंत उभर कर आया है।

स्वधर्म और स्वराज के सिद्धांत को शिवाजी और गुरू गोविन्द सिंह जी ने अपने जीवन का आधार बना मुगल साम्राज्य के विरूद्ध शंखनाद किया था। वीर सावरकर की पुस्तक में लिखा है कि इसी सिद्धांत से भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम 1857 प्रेरित था। वीर सावरकर ने 1857 के विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता का पहला युद्ध कहा था। उन्होंने 1909 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास नामक पुस्तक लिखी थी। यह मूल रूप से मराठी में लिखी गई थी जिसे ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रतिबन्ध किया गया था।

वीर सावरकर लिखते हैं कि इतिहास लेखन में घटनाओं के पीछे सिद्धांतों पर दृष्टि होनी चाहिए विमर्श को इतिहास का दर्जा नहीं देना चाहिए जैसा कि 1857 में ब्रिटीश के विरुद्ध भारतीय आक्रोश को ग़दर–म्युटिनी कहा गया जो की ब्रिटीश समर्थित विमर्श से ज्यादा कुछ नही है। जबकि इतिहास लेखन की दृष्टि से 1857 के विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता का पहला युद्ध कहना तथ्यपरक और सिद्धान्तिक रूप से युद्ध ही था। इसके समर्थन में वीर सावरकर लिखते हैं कि जो सीता अपहरण को राम रावण युद्ध का कारण और कारतूस में गौ मॉस और सूअर के मॉस को 1857 के विद्रोह का कारण बताते हैं वह विमर्श और इतिहास लेखन में अंतर नहीं जानते है।

वीर सावरकर लिखते हैं कि स्वधर्म और स्वराज के सिद्धांत राम रावण युद्ध और 1857 के विद्रोह के कारण बने थे इसी प्रकार डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के पुत्र राजीव नैन प्रसाद की पुस्तक "राजा मानसिंह ऑफ आमेर" मध्यकालीन भारत में राजा मान सिंह की भूमिका पर गहन शोध है कि किस प्रकार राजनैतिक संधि कर भारत को धर्मांतरण की आंधी से बचाया। नरम दल हो या गरम दल भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वधर्म और स्वराज के लिए ही विदेशी हुकुमत के विरूद्ध आंदोलन हुआ था। अंतिम उद्देश्य सभी का भारत की स्वतंत्रता थी। किसी को विलम्ब से तो किसी को अविलम्ब स्वतंत्रता चाहिए थी।

स्वधर्म और स्वराज के लिए भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव ने सहर्ष फांसी की सजा स्वीकार की। महात्मा गांधी ने इस विषय पर हिन्द स्वराज नाम की पुस्तक में अपने विचार रखें। महर्षि अरविन्द ने बंगाल विभाजन के विरोध के लिए स्वराज एवं स्वदेशी का नारा दिया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस स्वधर्म और स्वराज प्राप्ति के लिए भारत से बाहर रहकर भारत को आजाद कराने के लिए संघर्षरत थे। इसका चित्रण भारत के हस्तलिखित संविधान में भी मिलता है।

युद्ध में लक्ष्य प्राप्ति प्रमुख होती है। परिस्थितियों और समय के अनुसार निर्णय लेना नायक की बुद्धिमत्ता और साहस पर निर्भर होता है। महात्मा गांधी ने प्रथम आंदोलन इस बात पर शुरू किया था कि भारत को स्वतंत्रता मिलेगी। परन्तु उनका आंदोलन सफल नहीं हुआ और उन्हें लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई। इस असफलता से महात्मा गांधी की महानता कम नहीं होती। इसी प्रकार चौरी–चोरा की घटना के कारण अपने निर्णय से पीछे हटना पड़ा था। इसी प्रकार कालापानी में यातना सह रहे क्रांतिकारियों द्वारा दया याचिका से क्रांतिकारियों की महानता, त्याग और बलिदान को कम नहीं किया जा सकता है। देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम में अपनी जान देना और अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए जिंदा रहना, दोनों ही महत्वपूर्ण है यह बात केवल वहीं समझ सकता है जिसके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है।

चित्तौड़ का जौहर, हल्दीघाटी का युद्ध, भगत सिंह की फांसी, वीर सावरकर को काला पानी, श्री अरविन्द का पांडिचेरी जाना, चौरी–चोरा के कारण आंदोलन को रोक देना, डॉ. अम्बेड़कर–गांधीजी के बीच पूना पैक्ट, ब्रिटिश सरकार में अन्दर रह कर स्वतंत्रता संग्राम को आगे बढ़ाना, द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों का सेना–फौज में भर्ती होना, भारत विभाजन का विरोध आदि निर्णयों को समझने के लिए स्वधर्म और स्वराज का आधार जरूरी है।

समय–समय पर पाठ्यक्रमों में बदलाव की चर्चा होती रहती है। जिसमें विचारधारा के अनुसार देशभक्तों के विषय में टीका–टिप्पणी की जाती हैजो कि राजनीति से प्रेरित होती है। इस तरह का चिंतन राष्ट्र निर्माण और भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। अत: यह आवश्यक है कि जिस प्रकार संविधान में बेसिक स्ट्रक्चर ऑफ कांस्टिट्यूशन है इसी तर्ज पर बेसिक स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन हिस्ट्री पर सभी राजनैतिक दल एक मत हो जिस पर सरकार बदलने से विषय सामग्री न बदले।

–अधिवक्ता सूर्यप्रतापसिंह राजावत, उपाध्यक्ष श्री अरविन्द सोसाइटी राजस्थान।

डिजिटल साक्षरता और नैतिक शून्यता

हमें एक ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है, जहाँ तकनीक का उपयोग तो हो, लेकिन गुरु की गरिमा और कक्षा का अनुशासन बना रहे

प्रोफेसर अशोक कुमार

किसी भी राष्ट्र की नियति उसकी कक्षाओं में लिखी जाती है। भारत, जिसने सदियों तक विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान बनाए रखी, आज एक अजीबोगरीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ हम विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का जश्न मना रहे हैं, तो दूसरी तरफ हमारे राष्ट्रीय चरित्र और शैक्षिक मूल्यों में एक गहरी खाई नजर आ रही है। यह विडंबना ही है कि जब हमारे पास संसाधन सीमित थे, तब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान और चरित्र था, लेकिन आज जब संसाधन प्रचुर हैं, तो शिक्षा महज एक उपभोक्ता वस्तु बनकर रह गई है।

अभाव का दौर और शिक्षा की गरिमा

इतिहास गवाह है कि जब भारत आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा था, तब समाज में शिक्षा के प्रति एक पवित्र दृष्टिकोण था। उस समय मनोरंजन के साधन सीमित थे और रोजगार के अवसर कठिन, इसलिए शिक्षा को ही जीवन के एकमात्र उद्धार के मार्ग के रूप में देखा जाता था।

समानता का भाव: उस दौर में अमीर और गरीब के बच्चे प्राय: एक ही टाट–पट्टी पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते थे। शिक्षा सामाजिक मान्यता का आधार थी।

शिक्षक का स्थान: शिक्षक केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज का नैतिक मार्गदर्शक था। उसका सम्मान उसकी संपत्ति से नहीं, बल्कि उसकी विद्वता और चरित्र से तय होता था।

आर्थिक संपन्नता और बदलता सामाजिक ढांचा

आर्थिक उदारीकरण और तकनीक के विस्तार ने समाज के एक बड़े वर्ग के लिए बिना औपचारिक शिक्षा के आजीविका के रास्ते खोल दिए हैं। आज ओला–उबर, जोमेटो–स्विगी, और हजारों शोरूमों में सेल्समैन या डिलीवरी बॉय के रूप में रोजगार पाना आसान हो गया है।

अल्पकालिक संतुष्टि बनाम दीर्घकालिक विकास: युवा वर्ग को लगता है कि यदि वे 10वीं–12वीं के बाद ही 15–20 हजार रुपये कमाने में सक्षम हैं, तो उच्च शिक्षा और चरित्र निर्माण की जटिल प्रक्रिया में समय क्यों गंवाया जाए?

सोशल मीडिया का प्रभाव: फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे मंचों ने सतही ज्ञान को बढ़ावा दिया है। लोग रील और पोस्ट को ही अंतिम सत्य मानने लगे हैं, जिससे उनकी आलोचनात्मक सोच समाप्त हो रही है।

शिक्षा का व्यावसायीकरण और दोहरी व्यवस्था

आर्थिक संपन्नता ने शिक्षा को दो हिस्सों में बांट दिया है:–

अमीर वर्ग: इनके लिए शिक्षा एक लक्जरी वस्तु है। ऊंची फीस देकर डिग्रियां तो खरीदी जा सकती हैं, लेकिन संस्कार, अनुशासन और वास्तविक ज्ञान का अभाव बना रहता है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल नेटवर्किंग और स्टेटस सिंबल रह गया है।

गरीब वर्ग: सरकारी स्कूलों की बदहाली और निजी संस्थानों की महंगी फीस के बीच गरीब बच्चा केवल कामचलाऊ साक्षरता तक सीमित रह गया है।

तकनीकी विकास और गुरु–शिष्य परंपरा का अंत

ऑनलाइन शिक्षा और गूगल ने जानकारी को सुलभ तो बनाया, लेकिन ज्ञान और बोध को छीन लिया है।

खोखली डिग्रियां: ऑनलाइन परीक्षा देकर प्राप्त की गई डिग्रियां कागज के टुकड़े से अधिक कुछ नहीं हैं। इनमें वह तपस्या और अनुशासन गायब है जो एक गुरु के सानिध्य में प्राप्त होता था।

शिक्षक की उपेक्षा: आज शिक्षक को एक सर्विस प्रोवाइडर मान लिया गया है। प्रो. अशोक कुमार के लेख के अनुसार, शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों, जनगणना और चुनावी ड्यूटी में झोंककर सरकार ने उनकी गरिमा को डेटा एंट्री ऑपरेटर के स्तर पर ला दिया है।

राष्ट्रीय चरित्र का संकट: एक कड़वी हकीकत

जब शिक्षा का उद्देश्य केवल पेट भरना रह जाता है, तो राष्ट्रीय चरित्र का पतन निश्चित है। आज हम सड़कों पर थूकते, गंदगी फैलाते, ट्रेनों में धक्का–मुक्की करते और अनुशासनहीनता दिखाते समाज को देख रहे हैं।

तुलनात्मक अध्ययन: चीन, जापान और जर्मनी जैसे देश इसलिए आगे नहीं हैं कि वे केवल अमीर हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि वहाँ अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव उनकी शिक्षा का मूल आधार है। हमारे यहाँ व्यक्तिगत लाभ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा जाने लगा है।

समाधान का मार्ग: भविष्य की राह

हम तकनीक और आर्थिक प्रगति के युग में पीछे नहीं लौट सकते, लेकिन व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार अनिवार्य हैं:–

अनिवार्य और मूल्य–आधारित प्राथमिक शिक्षा:–

जिस तरह कई देशों में सैन्य सेवा अनिवार्य है, भारत में कम से कम 10वीं तक की शिक्षा मुफ्त और अनिवार्य होनी चाहिए। इस शिक्षा का 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, नैतिकता और नागरिक कर्तव्यों पर केंद्रित होना चाहिए।

शिक्षक की प्रतिष्ठा की बहाली:

शिक्षक को पुन: समाज के शीर्ष पर स्थापित करना होगा।

शिक्षकों को सरकारी आवास और बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए ताकि वे आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर शिक्षण कर सकें।

हर जिले की प्रशासनिक बैठकों में वरिष्ठ शिक्षकों की भागीदारी अनिवार्य हो। उनके सुझावों को केवल सुना न जाए, बल्कि उन्हें कानूनी मान्यता दी जाए।

राजनीति का शिक्षाकरण:

शिक्षा को चुनावी एजेंडे में अंतिम स्थान से हटाकर प्रथम स्थान पर लाना होगा। जब तक जनता अच्छे स्कूल और पुस्तकालय के नाम पर वोट नहीं देगी, तब तक राजनेता इसमें निवेश नहीं करेंगे।

निष्कर्ष–आर्थिक संपन्नता यदि संस्कारों और चरित्र के साथ न आए, तो वह समाज को विनाश की ओर ले जाती है। हमें एक ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहाँ तकनीक का उपयोग तो हो, लेकिन गुरु की गरिमा और कक्षा का अनुशासन बना रहे। यदि हम आज अपने राष्ट्रीय चरित्र के खोखलेपन को भरने के लिए ठोस कदम नहीं उठाते, तो भविष्य की पीढ़ियां केवल साक्षर होंगी, शिक्षित नहीं। राष्ट्र की वास्तविक मजबूती उसकी जीडीपी में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के आचरण और नैतिकता में निहित है।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

पीएम श्री स्कूलों में पदस्थापन प्रक्रिया को लेकर शिक्षकों में असंतोष

'शिक्षक संघ रेसटा की मांग है कि निष्पक्ष चयन के लिए विभागीय लिखित परीक्षा जरूरी है, केवल साक्षात्कार से पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो सकती'

श्रीगंगानगर, (निसं)। राज्य के सरकारी शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पीएम श्री स्कूलों में पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्यभर के 402 पीएम श्री विद्यालयों में 14 संवर्गों के 4 हजार 332 से अधिक संभावित रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पदस्थापन तीन वर्ष की अवधि के लिए होगा। इसे प्रदर्शन के आधार पर दो वर्ष तक बढ़ाया भी जा सकेगा। इस निर्णय को शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए अहम माना जा रहा है।

चयन प्रक्रिया को लेकर शिक्षकों के बीच असंतोष भी उभरने लगा है। शिक्षक संगठनों ने साक्षात्कार आधारित चयन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखित परीक्षा के जरिए पारदर्शी भर्ती की मांग की है। इसलिए अहम है पीएम श्री विद्यालयों में यह भर्ती: पीएम श्री स्कूलों को केंद्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना के तहत आधुनिक संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। ऐसे में योग्य और अनुभवी शिक्षकों की तैनाती से इन स्कूलों की गुणवत्ता व परिणामों में बड़ा सुधार आने की उम्मीद है। विभाग ने इस बार पात्रता के लिए सख्त मापदंड तय किए हैं।

■ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पीएम श्री स्कूलों में पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू की है

अभ्यर्थियों के लिए 10वीं से लेकर स्नातकोत्तर व व्यावसायिक योग्यता (बीएड/बीएसटीसी) तक हर स्तर पर न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य किए गए हैं। प्राचार्य पद के लिए 5 वर्ष का अनुभव जरूरी होगा। पिछले 5 वर्ष में 100 प्रतिशत बोर्ड परीक्षा परिणाम की शर्त भी रखी गई है। इसके अलावा अन्य पदों पर भी संबंधित विषय में अनुभव जरूरी होगा। लगातार बेहतर परिणाम देना भी जरूरी होगा।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद का कहना है कि विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम, महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी या बालिका सैनिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षक इस प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेंगे। इसके अलावा जिन कार्मिकों के खिलाफ विभागीय जांच लंबित है, उनके आवेदन निरस्त कर दिए जाएंगे। जो दंडित हो चुके हैं, उनके आवेदन भी निरस्त कर दिए जाएंगे। जबकि होना यह चाहिए कि शिक्षा विभाग को राज्य के पीएम श्री विद्यालयों की चयन प्रक्रिया में कार्यरत सभी कार्मिकों को शामिल करना चाहिए। पुरानी डिग्रियों के अंकों से किसी शिक्षक की वर्तमान क्षमता का सही आकलन नहीं हो सकता। शिक्षक संघ रेसटा की मांग है कि निष्पक्ष चयन के लिए विभागीय लिखित परीक्षा जरूरी है। केवल साक्षात्कार से पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो सकती।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 4 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, अनुराधा नक्षत्र प्रात: 9:58 तक, परिध योग रात्रि 11:20 तक, वणिज करण सायं 4:13 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–मीन, बुध–मेष, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 9:58 तक है। भद्रा सायं 4:13 से मंगलवार प्रात: 5:25 तक रहेगी। आज मां आनन्दमयी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:29 तक, शुभ 9:07 से 10:45 तक, चर 2:02 से 3:40 तक, लाभ–अमृत 3:40 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 6:57

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मिथुन
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृश्चिक
व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। मानसिक तनाव दूर होगा।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

संक्षिप्त

गांवों में पहुंचा जागरूकता रथ

निवाई/ गुंसी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम रथ अभियान के तहत कृषक, पशुपालकों एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु एलईडी वैन जागरूकता रथ के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। विकास अधिकारी नंदकिशोर शर्मा ने बताया कि एल ईडी वैन बंशीपुरा, करेड़ा बुजुर्ग, हरभावता, लुहारा, गुंसी एवं सजिया सहित गांव में पहुंचकर ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रथ में लगी एलईडी स्क्रीन पर आमजन को 13 सरकारी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रसारित कर लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर कला जत्था के लोक कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के माध्यम से भी ग्रामीण क्षेत्र में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। अभियान के तहत ग्रामीणों की समस्याओं और सुझाव के लिए रखी सुझाव पेटिका में ग्रामीणों ने अपने मांग पत्र एवं सुझाव पत्र डाले। इस अवसर पर कई विभागों के कर्मचारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

पूर्णाहुति के साथ महोत्सव संपन्न

निवाई। गांव नोहटा में गौ संत प्रकाशदास महाराज व साध्वी नाथी बाई के सानिध्य में मां वैष्णो देवी मूर्ति के तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। महोत्सव के संयोजक श्री दशरथसिंह नोहटा ने बताया कि तीन दिवसीय मां वैष्णो देवी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर गौ संत श्री प्रकाशदास महाराज, महामंडलेश्वर संत बालकानंद महाराज, संत कर्मानंद गिरीजी महाराज सहित कई संतों की उपस्थिति में विद्वान पंड़ितों के सानिध्य में कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्रोचारण के साथ प्रधान यज्ञ में आहुतिया देकर पूर्णाहुति की गई। जिससे आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। समापन पर महाआरती करके भोग लगाकर महाप्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर देवेंद्र शर्मा, सुरज्ञान जाट, रामराज जाट, कुमाराम जाट, रामस्वरूप जाट, सुखदेव चौधरी व रामधन जाट सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

संतोष ने जीते दो पदक

सांभरझील। 27 वे नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप के तहत 25-26 मार्च को चंडीगढ़ में आयोजित टेबल टेनिस प्रतियोगिता में संतोष जाट पुत्री सूजाराम जाट निवासी तेजा का बास लने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए उन्होंने महिला टीम में अहम भूमिका निभाते हुए रजत पदक हासिल किया, जबकि महिला युगल में भी कांस्य पदक हासिल किया। लगातार मेहनत ओर अनुशासन का ही परिणाम है कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर यह सफलता हासिल की। इससे पहले 2025 में अहमदाबाद में आयोजित 26 राष्ट्रीय टेबल टेनिस में भी कांस्य पदक हासिल किया था।

संयोजक एवं सह संयोजको की नियुक्ति

दौसा। भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने दौसा जिले में समृद्ध किसान खुशहाल राजस्थान कार्यक्रम के तहत किसान ग्राम विकास रथ यात्रा को सफल बनाने के लिए संयोजक एवं सह संयोजको की नियुक्ति की है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने बताया दौसा जिला संयोजक सियाराम शर्मा एडवोकेट को तथा जय प्रकाश जैमन, अनिल बैनाड़ा, बाबूलाल सैनी, रामराज गुर्जर, चतर सिंह रत्नावत को सह संयोजक नियुक्त किया गया है।

तेज अंधड़ का कहर

लालसोट। उपखंड क्षेत्र के आंतरी इलाके में बीती रात आए तेज अंधड़ ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी। ग्राम पंचायत खटुम्बर के घाटा गांव स्थित अवाना ढाणी में कच्चे मकानों पर लगे टीनशेड तेज हवाओं में उड़ गए और आसपास जा गिरे।इन उड़ते टीनशेड के गिरने से करीब आधा दर्जन पशु घायल हो गए, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।पूर्व सरपंच लादुराम गुर्जर ने बताया कि अचानक आए इस तेज अंधड़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है। टीनशेड उड़ने से पशुओं को चोटें आई हैं, लेकिन घटना के बाद से अब तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है।

चौमूं में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया

चौमूं / कालाडेरा । राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी का रविवार को चौमूं बाईपास पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में हाड़ौता टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने पर आभार जताया गया। आर चंद्रा रिसॉर्ट के सामने आयोजित स्वागत कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने फूलों का गुच्छा भेंट कर उप-मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया, वहीं महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने उन्हें राजस्थानी चुंदड़ी ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार प्रदेश के

कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने फूलों का गुच्छा भेंट कर उप-मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया।

प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है।

उन्होंने कहा कि चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा लगातार चौमूं क्षेत्र की जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। इसके अलावा भी क्षेत्र में गोविन्दगढ

■ **डिप्टी सीएम ने कहा- रामलाल शर्मा के आग्रह पर स्वीकृत किए हाड़ौता टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़**

बधाल फोरलेन सड़क, रामपुरा से जयसिंहपुरा बाईपास सहित लगभग 500 करोड़ की सड़के स्वीकृत की गई है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का हाड़ौता टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जाने पर स्वागत किया गया है और इस बाईपास के निर्माण से आमजन को राहत मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं डिप्टी सीएम दिया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार विकास और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में भाजपा गोविन्दगढ देहात मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, कालाडेरा मण्डल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मण्डल अध्यक्ष शंकर गागोरिया, नगर मण्डल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व नगर मण्डल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, जिला कार्यालय मंत्री प्रकाश हाटवाल, जिला प्रवक्ता अरविन्द यादव, मुकेश चोपड़ा, अर्जुन यादव, सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ताड़ासन, वृक्षासन व वीरभद्रासन योगासनों की जानकारी दी

निवाई। वनस्थली विद्यापीठ में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 100 दिवसीय काउंटडाउन के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय संकाय विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम योग प्रज्ञा तथा कर्मशक्ति का उत्साहपूर्ण आयोजित हुआ। शारीरिक शिक्षिका सुमन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर रिसेट के माध्यम से शरीर को समझने, उससे जुडऩे तथा उसकी सीमाओं का सम्मान करने पर बल दिया गया था। इसी प्रकार रि-बिल्ड विषय पर केंद्रित सत्र आयोजित किया गया। रिबिल्ड का आशय है शरीर को सशक्त बनाना, उसकी कार्यक्षमता में वृद्धि करना तथा योग अभ्यास की गहराई को अगले स्तर तक ले जाना। सत्र में योग प्रशिक्षिका प्रज्ञा केसरवानी द्वारा लोक की तीव्रता को आगे बढ़ाते हुए ताड़ासन, वृक्षासन, वीरभद्रासन आदि योगासनों की जानकारी दी।

रैगर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

टोंक। रैगर समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के तत्वाधान मे रविवार को निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन मुख्यालय स्थित गंगा जमुना मैरिज गार्डन चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक मे आयोजित किया गया। इस सम्मेलन मे 25 जोड़ो का विवाह किया गया। इस दौरान वर-वधु की रथ पर व घोड़ियों पर निकासी गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाये और पुरुष नाचते झूमते निकले। शहरवासियो ने बारात का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। जगह जगह ठंडा पानी, शरबत, आइसक्रीम, स्वागत द्वारा द्वारा निकासी का मान सम्मान किया गया। रैगर समाज समिति व रोटरी क्लब द्वारा आतिशबाज़ी कर वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

सम्मेलन मे मुख्य अतिथि के रूप में निवाई विधायक रामसहाय वर्मा एवं अध्यक्षता में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एसके मोहनपुरिया, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन

निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन मुख्यालय स्थित गंगा जमुना मैरिज गार्डन चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक मे आयोजित किया।

सौंकरिया, कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा, रैगर महासभा जिलाध्यक्ष शंकर लाल हाथीवाल, नगर परिषद उपसभापति बजरंग वर्मा, धर्मेंद्र सालोदिया मौजूद रहे।

इस मौके पर विधायक रामसहाय वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा रैगर समाज शिक्षा और संस्कारों के लिए जाना जाता है, आज सामूहिक विवाह सम्मेलन के जरिए समाज ने एक मिसाल पेश की है। दहेज जैसी कुप्रथा समाज के लिए कलंक है, एक पिता अपनी बेटी को पढ़ा-लिखाकर काबिल तो बना देता है, पर दहेज के कारण उसकी शादी में टूट जाता है। सामूहिक विवाह इस बीमारी का सबसे बड़ा इलाज है, इससे फिजूलखर्ची रुकती है और गरीब परिवार की बेटी का भी सम्मान से घर बसता है। बाद में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर

■ **सामूहिक विवाह इस बीमारी का सबसे बड़ा इलाज है, इससे फिजूलखर्ची रुकती है - रामसहाय वर्मा**

सिंह चौहान, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एसके मोहनपुरिया, कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा, रैगर महासभा जिलाध्यक्ष शंकर लाल हाथीवाल सहित समाज के वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया तथा नवदंपतियों आशीर्वाद प्रदान किया।

समिति संयोजक धर्मेन्द्र सालोदिया ने बताया कि रैगर समाज सामाजिक और राजनैतिक रूप से पिछड़ा हुआ है। आज के परिप्रेक्ष्य मे शादिया बहुत महंगी होती जा रही है। सम्मेलन आयोजन का मुख्य उद्देश्य फिजूलखर्ची रोकना, सामाजिक एकता बढ़ाना और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता करना है और समाज के पैसो का उपयोग शिक्षा पर किया जाये।

रक्तदान शिविर में 61 रक्तवीरों ने रक्तदान किया

अलवर। गांधी चिंतन परिषद द्वारा सेवा संकल्प दिवस के अवसर पर रोटरी चेरिटेबल ब्लड सेंटर में आयोजित सातवें वार्षिक रक्तदान शिविर में 61 रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इस शिविर में 5 महिला रक्तदाताओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार राजेश रवि ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं

■ **सेवा संकल्प पर 61 रक्तवीर बने मिसाल, 5 महिलाओं ने भी आगे आकर दिया रक्त**

का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान को सबसे बड़ा मानव सेवा कार्य बताया। शिविर संयोजक ओमप्रकाश शर्मा व सह-संयोजक रतन राजौरा के अनुसार रक्तदान से पहले सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण रोटरी ब्लड सेंटर के चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.एल. मधुकर द्वारा किया गया, जिसके बाद योग्य पाए गए रक्तदाताओं ने सुरक्षित रूप से रक्तदान किया।

परिषद के संस्थापक संयोजक मक्खन सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्रीष्मकाल में रक्त की कमी को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष यह शिविर आयोजित किया जाता है, ताकि रक्त कोषों में पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे और जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि इस सेवा कार्य की शुरुआत 3 मई 2020 को कोविड-19 महामारी के दौरान पहले लॉकडाउन में की गई थी, जो अब निरंतर परंपरा के रूप में जारी है और इस वर्ष सातवां आयोजन हैं।

शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को सम्मान पत्र प्रदान किए गए और उन्हें मौसमी अनानास रस पिलाकर आभार व्यक्त किया गया। आयोजन को सफल बनाने में परिषद के आदर्श कुमार सक्सेना, राजीव कुमार शर्मा और नगेंद्र कुमार शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

गांधी चिंतन परिषद की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर के शुभारंभ पर उपस्थित अतिथि व आयोजन समिति के सदस्य।

कार्यक्रम के अंत में परिषद संयोजक मक्खन सिंह गुर्जर एवं रोटरी ब्लड सेंटर की टेक्निकल सुपरवाइज़र कुमुद गुप्ता ने स्वयं रक्तदान कर शिविर का समापन किया। इस दौरान राजेश रवि, शोएब खान सहित चिकित्सक डॉ. एम.एल. मधुकर एवं कुमुद गुप्ता का गांधी टोपी एवं सूत माला पहनाकर सम्मान किया गया।

ग्राम रथ अभियान के तहत सरकारी योजनाए आम जनता तक पहुची

टोंक। राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित ग्राम विकास रथ अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में कृषि विभाग के विभिन्न योजनाओं से किसानों को लाभान्वित किया गया है। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर उन्होंने राज्य सरकार की योजना के तहत जैविक खेती करना शुरू किया। जिससे खेती की लागत घटी और उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ी। राज्य सरकार द्वारा दी जा रही तकनीकी जानकारी, प्रशिक्षण और अनुदान का लाभ उठाकर कृषक ने अपनी खेती को आधुनिक और लाभकारी बनाया। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इसी क्रम में टोंक विधानसभा के ग्राम पंचायत छान में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने सहभागिता कर भाजपा डबल इंजन सरकार की दूरदर्शी नीतियों, विकासात्मक कार्यो एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने

■ **अभियान से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल व प्रभावी रूप से पहुंच जाएगी**

और सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरु किया गया है। इस अभियान से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल व प्रभावी रूप से पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना है ताकि कोई पात्र व्यक्ति सरकार की जनहितैषी योजनाओं से वंचित न रह सके। इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, मण्डल अध्यक्ष नन्दलाल जाट, पूर्व प्रधान जगदीश गुर्जर,बलवंत मराठा,देवराज गुर्जर, मण्डल महामंत्री महावीर गुर्जर, बूथ अध्यक्ष बालाबक्श गुर्जर, हीरालाल सैनी,हेमलाल जाट,कजोड़ बैरवा, कालूराम गुर्जर, नन्दलाल जैन, दयाराम, हनुमान सिंह, महावीर सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चौपाल में ग्रामीणों से संवाद कर जानी समस्याएं, मौके पर निस्तारण करवाया

किशनगढ़ बास। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से चल रहा एलईडी मोबाइल ग्राम रथ रविवार को पंचायत समिति किशनगढ़ बास की ग्राम पंचायत मीरका पहुंचा। रथ के पहुंचते ही ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। पूर्व विधायक व भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत यादव, एसडीएम मनीष जाटव और भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल की मौजूदगी में अभियान का आगाज हुआ।

ग्राम रथ में लगी एलईडी स्क्रीन पर कृषि, पशुपालन, युवा, महिला सशक्तिकरण, बिजली, पानी, सड़क जैसी जनहित की योजनाओं के बारे में ऑडियो-वीडियो के माध्यम से विस्तार से बताया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे वे इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं और जीवन स्तर सुधार सकते हैं।

रामहेत यादव ने किसानों के साथ बैठकर योजनाओं को सुना और कहा कि ग्राम रथ अभियान का मकसद अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के नवाचारपूर्ण प्रयासों से क्षेत्र को नई गति मिल रही है और ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त बन रहे हैं।

मीरका में ग्राम रथ, साथ में रामहेत यादव व एसडीएम मनीष जाटव।

अभियान के तहत मीरका में चौपाल का आयोजन किया गया। एसडीएम मनीष जाटव ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाकर पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभान्वित करना है। चौपाल में अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और गांव की समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। कई समस्याओं का मौके पर ही

■ **पूर्व विधायक व भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत यादव, एसडीएम मनीष जाटव और भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल की मौजूदगी में अभियान का आगाज**

समाधान कराया गया।

कार्यक्रम में सरपंच प्रताप यादव ने कहा कि इस तरह के अभियान से ग्रामीणों को योजनाओं की सही जानकारी मिल रही है। मंडल महामंत्री जयसिंह सरदार, श्याम लाल, अरबू खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने ग्राम रथ के जरिए मिली जानकारी को उपयोगी बताया।

हास्य दिवस पर बंदियों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

दौसा। दौसा। विशिष्ट केंद्रीय कारागार श्यालावास में रविवार को विश्व हास्य दिवस के अवसर पर बंदियों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवजीवन सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हास्य योग किया और विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम के दौरान बंदी जितेंद्र, अभय सिंह, अमीलाल, पपलेश, विजय करण, गोकुल सैनी, अभिषेक चौधरी, संदीप पोटलिया, त्रिभुवन, मुकेश आदि ने चुटकुले, हास्य कविताएं, गीत, व्यंग्य और अभिनय के माध्यम से शानदार प्रस्तुतियां दीं। सभागार में ठहाकों की गूंज से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ और सभी ने खुलकर आनंद लिया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक पारस जांगिड ने बंदियों को हास्य के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि हंसने से मानसिक तनाव कम होता है, चिंता दूर होती है और व्यक्ति सकारात्मक सोच की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य और सुधारात्मक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सार-समाचार

गोविन्दगढ़ में विकास कार्य का लोकार्पण

चौमूं / कालाडेरा । चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोविन्दगढ़ स्थित विकास नगर में विधायक कोष से निर्मित सड़क का लोकार्पण डॉ. शिखा मील बराला द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि यह सड़क क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लम्बे समय से चली आ रही जनसमस्या के समाधान के रूप में यह निर्माण कार्य क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक डॉ शिखा मील बराला ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और आमजन की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य किए जा रहे हैं। इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धाँसिल, सरपंच महेन्द्र शर्मा, पं. स. सदस्य गोगराज देवंदा, डॉ. पी.डी. यादव, सुरेश फ़ौजी, कैलाशचंद बुनकर, जगदीश यादव, बहादुर जाट, मंगलचंद देवंदा, छितरमल देवंदा, मंगलचंद ताखर, सीताराम थानेदार, विकास देवंदा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

भगवान गोपाल का पाटोत्सव मनाया

निवाई। राधागोपाल मंदिर में भगवान गोपाल का पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पारीक समाज के अध्यक्ष भागीरथ पारीक ने बताया कि पाटोत्सव पर मंदिर पुजारी पं. बालकिशन शर्मा व पं. जुगल पचरंग्या ने विधि विधान से भगवान गोपाल का पंचगव्य से मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया और आकर्षक झांकी सजाई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ मंदिर के शिखर पर ध्वज स्थापना की। इस दौरान सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ का पठन किया। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया। गायक रमेश सोनी, कमल दरगड, यशराज सोनी, कमल गुप्ता व राहुल सोनी ने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुतियां दी। भगवान के दरबार में भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया। अंत में 151 दीपकों से भगवान की महाआरती की गई। इस दौरान पुरुषोत्तम पारीक, नवल पारीक, शिवदयाल पुरोहित, नाथूलाल लाछड, मदनमोहन स्वामी, रमाकांत पारीक, कैलाश तिवाड़ी, सत्यदेव व्यास व मनीष केसोट सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

स्नातक स्तरीय नीट परीक्षा जिले में 16 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित

भरतपुर । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित स्नातक स्तरीय नीट परीक्षा जिले में 16 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई जिसमें 4076 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र आवंटित किए गए। परीक्षा के नोडल अधिकारी एडीएम प्रशासन घनश्याम शर्मा ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी परीक्षा द्वारा 4076 परीक्षार्थियों के लिए 16 परीक्षा केन्द्र बनाए गये थे। सभी केन्द्रों पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के मापदण्डों के अनुसार जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया, परीक्षा दोपहर 2 बजे से सांय 5 बजे के दौरान सभी केन्द्रों पर शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। जिला कलक्टर कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द ने राजकीय मल्टीपरपज स्कूल एवं महाराजा बदनसिंह राउमा विद्यालय के परीक्षा केन्द्र का जायजा लेकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव ने राजकीय पोलिटेक्निक कॉलेज के परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अवैध शराब निर्माण के खिलाफ विशेष अभियान में व्यापक कार्यवाही

भरतपुर । आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान की पालना में राजीव शर्मा अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, जोन भरतपुर एवं उपायुक्त भरतपुर तथा जिला आबकारी अधिकारी भरतपुर के निर्देशन में आबकारी जिला भरतपुर-डीग में अवैध शराब निर्माण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। अभियान के तहत रूपसिंह चौहान, पीओ डीग (अतिरिक्त चार्ज सीकरी व डीग) ने ईपीएफ जाप्ता के साथ संयुक्त रेड गश्त करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों सीकरी, कुरकैन, अलघानी एवं डमोडकी में दबिश दी। इस दौरान कुरकैन क्षेत्र में लगभग 800 लीटर वॉश एवं 2 अवैध भट्टियों को नष्ट किया गया। साथ ही सरकारी भूमि पर निर्मित अवैध भट्टियों तथा हथकढ़ शराब निर्माण में प्रयुक्त उपकरणों को भी ध्वस्त किया गया। इसी क्रम में रूप सिंह शेखावत, प्रहराधिकारी भरतपुर द्वारा इकरन, हथैनी, पीपला एवं बराखुर क्षेत्रों में गश्त करते हुए एक साधारण श्रेणी का अभियोग दर्ज किया गया। अभियुक्ता सपना पत्नी रघुवर जाट के कब्जे से 30 निप्स देशी शराब बरामद कर राजस्थान आबकारी अधिनियम 19/54 के तहत कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त आबकारी थाना बयाना द्वारा खार का नगला एवं पहाड़पुर क्षेत्र की नट बस्ती में रेड गश्त करते हुए पीपा भट्टियों एवं प्लास्टिक जरीकेनों में रखे लगभग 500 लीटर वॉश को नष्ट किया गया। आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

पावटा कस्बे के वार्डों में टूटी सड़कों के नवीनीकरण से आमजन को राहत

पावटा। विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड द्वारा जनता से किए वादों को पूरा करते हुए कस्बे के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से जर्जर और टूटी पड़ी सड़कों के नवीनीकरण कार्य शुरू होने से आमजन को बड़ी राहत मिली है। वर्षों से बदहाल सड़कों के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, वहीं बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते थे। नगरपालिका द्वारा अब वार्डों में प्राथमिकता के आधार पर सड़कों का नवीनीकरण कराया जा रहा है। जगह-जगह सड़क निर्माण और मरम्मत कार्य तेजी से जारी है, जिससे स्थानीय निवासियों में खुशी का माहौल है। नई सड़कों के निर्माण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि धूल और गंदगी से भी राहत मिलेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद इस दिशा में ठोस कदम उठाया गया है। पहले टूटी सड़कों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था, लेकिन अब स्थिति में सुधार नजर आने लगा है। नगरपालिका अधिकारियों के अनुसार, शेष वार्डों में भी चरणबद्ध तरीके से सड़कों के नवीनीकरण का कार्य पूरा किया जाएगा। प्रशासन का दावा है कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। कुल मिलाकर, सड़कों के नवीनीकरण से पावटा कस्बे में विकास की रफ्तार तेज होती दिख रही है और लोगों को राहत मिलने लगी है। वही कस्बेवासियों ने वार्डों में सड़कों के नवीनीकरण को लेकर विधायक कुलदीप धनकड का आभार व्यक्त किया है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

दौसा। जिला एवं पुलिस प्रशासन की कडी सुरक्षा के बीच रविवार को मुख्यालय के 12 परीक्षा केन्द्रों पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इधर त्रि-स्तरीय जांच के बाद की परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश दिया गया। उधर परीक्षार्थियों की भारी भीड़ के चलते शहर की यातायात व्यवस्था चौपट हो गई। उल्लेखनीय है कि जिला एवं पुलिस प्रशासन की कडी सुरक्षा के बीच रविवार को जिला मुख्यालय पर 4 हजार 185 परीक्षार्थियों के लिए 12 परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। परीक्षार्थियो को त्रि-स्तरीय जांच के बाद की परीक्षा केन्द्रों पर प्रवेश दिया गया। हर परीक्षार्थी की बायोमैट्रिक सत्यापन के साथ मेटल डिटेक्टर से जांच की गई, कई अभ्यर्थियों के कपड़ों में लगे मेटल के बटन तक कटवाए गए, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता रोकी जा सके। परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित ड्रेस कोड निर्धारित की गई, इसके बावजूद अनेक परीक्षार्थी मेटल तथा पूरी आस्तिन की शर्ट पहनकर आ गये, जिन्हे सुरक्षाकर्मियों ने खुलवा दिये। छात्रों के लिए बिना मेटल बटन वाले पेंट या ट्राउजर, जबकि छात्राओं के लिए सलवार-कुर्ता, लेगिंग, पेंट या ट्राउजर, टी-शर्ट या कुर्ती पहनना अनिवार्य किया गया था।

Margaret Thatcher Becomes Britain's First Woman Prime Minister

On May 4, 1979, Margaret Thatcher made history by becoming the first woman to serve as Prime Minister of the United Kingdom. Leading the Conservative Party to victory, Thatcher entered office during a period of economic turmoil, high inflation, and widespread labour unrest. Known as the "Iron Lady," she introduced bold economic reforms focused on privatisation, deregulation, and reducing the power of trade unions. Her leadership reshaped Britain's political and economic landscape and left a lasting global impact. Thatcher's rise marked a milestone for women in politics, demonstrating that leadership at the highest level could transcend long-standing gender barriers.

The Fabric That No One Knows How To Make Anymore

While traditionally, these premium fabrics were used to make saris and jamas, tunic-like garments worn by men, in the UK, they transformed the style of the aristocracy, extinguishing the highly structured dresses of the Georgian era. Five-foot horizontal waistlines that could barely fit through doorways were out, and delicate, straight-up-and-down 'chemise gowns' were in. Not only were these endowed with a racy gauzy quality, they were in the style of what was previously considered underwear. In one popular satirical print by Isaac Cruikshank, a clique of women appear together in long, brightly coloured muslin dresses, through which you can clearly see their bottoms, nipples and pubic hair. Underneath reads the description, "Parisian Ladies in their Winter Dress for 1800."

#MUSLIN

19th century satirical printmakers enjoyed highlighting the perils of muslin dresses, such as the risk of appearing nude in strong sunlight, wind or rain.

Dhaka muslin came in thread counts up to 1,200, but the highest achieved in recent years is 300.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

In late 18th-century Europe, a new fashion led to an international scandal. In fact, an entire social class was accused of appearing in public naked.

The culprit was Dhaka muslin, a precious fabric imported from the city of the same name in what is now Bangladesh, then in Bengal. It was not like the muslin of today. Made via an elaborate, 16-step process with a rare cotton that only grew along the banks of the holy Meghna river, the cloth was considered one of the great treasures of the age. It had a truly global patronage, stretching back thousands of years, deemed worthy of clothing statues of goddesses in ancient Greece, countless emperors from distant lands, and generations of local Mughal royalty.

There were many different types, but the finest were honoured with evocative names conjured up by imperial poets, such as 'baft-hawa,' literally 'woven air.' These high-end muslins were said to be as light and soft as the wind. According to one traveler, they were so fluid you could pull a bolt, a length of 300ft, or 91m, through the centre of a ring. Another wrote that you could fit a piece of 60ft, or 18m, into a pocket snuff box.

Dhaka muslin was also more than a little transparent.

While traditionally, these premium fabrics were used to make saris and jamas, tunic-like garments worn by men, in the UK, they transformed the style of the aristocracy, extinguishing the highly structured dresses of the Georgian era. Five-foot horizontal waistlines that could barely fit through doorways were out, and delicate, straight-up-and-down 'chemise gowns' were in. Not only were these endowed with a racy gauzy quality, they were in the style of what was previously considered underwear.

In one popular satirical print by Isaac Cruikshank, a clique of women appear together in long, brightly coloured muslin dresses, through which you can clearly see their bottoms, nipples and pubic hair. Underneath reads the description, "Parisian Ladies in their Winter Dress for 1800."

Meanwhile, in an equally misogynistic comedic excerpt from an English women's monthly magazine, a tailor helps a female client to achieve the latest fashion. "Madame, 'tis done in a moment," he assures her, then instructs her to remove her petticoat, then her pockets, then her corset and finally her sleeves… "'Tis an easy matter, you see," he explains. "To be dressed in the fashion, you have only to undress."

Still, Dhaka muslin was a hit, with those who could afford it. It was the most expensive fabric of the era, with a retinue of dedicated fans that included the French queen Marie Antoinette, the French empress Joséphine Bonaparte and Jane Austen. But as quickly as this wonder-cloth struck Enlightenment Europe, it vanished.

By the early 20th century, Dhaka muslin had disappeared from every corner of the globe, with the only surviving examples stashed safely in valuable private collections and museums. The convoluted technique for making it was forgotten, and the only type of cotton that could be used, Gossypium arboreum var. neglecta, locally known as Phuti karpas, abruptly went extinct. How did this happen? And could it be reversed?

A fickle fibre

Dhaka muslin began with plants grown along the banks of the Meghna river, one of three which form the immense Ganges Delta, the largest in the world. Every spring, their maple-like leaves pushed up through the grey, silty soil, and made their journey towards straggly adulthood. Once fully grown, they produced a single daffodil, yellow flower twice a year, which gave way to a snowy floret of cotton fibres.

These were no ordinary fibres. Unlike the long, slender strands produced by its Central American cousin Gossypium hirsutum, which makes up 90% of the world's cotton today, Phuti karpas produced threads that are stumpy and easily frayed. This might sound like a flaw, but it depends what you're planning to do with them.

Indeed, the short fibres of the vanished shrub were useless for making cheap cotton cloth using industrial machinery. They were fickle to work with, and they'd snap easily if you tried to twist them into yarn this way. Instead, the local people tamed the rogue threads with a series of ingenious techniques developed over millennia.

The full process involved 16 steps, each of which was so specialist that it was carried out by a different village around Dhaka, which was then part of Bengal, some in what is now Bangladesh, some in what is now the Indian state of West Bengal. It was a true community effort, involving the young and old, men and women.

First, the balls of cotton were cleaned with the tiny, spine-like teeth on the jawbone of the boal catfish, a cannibalistic native of lakes and rivers in the region. Next came the spinning. The short cotton fibres required high levels of humidity to stretch them, so, this stage was performed on boats, by skilled groups of young women in the early morning and late afternoon, the most humid times of day. Older people generally couldn't spin the yarn because they simply couldn't see the threads.

"You'd get tiny, tiny little joins between the cotton fibres, where they were linked together," says Sonia Ashmore, a design historian who authored a book about muslin in 2012. "It lent the surface a kind of roughness, which gives a very nice feel." Finally, there was the weaving. This part could take months to complete, as classic jamdani designs, mostly geometric shapes depicting flowers, were integrated directly into the cloth, using the same technique that was used to create the famous royal tapestries from medieval Europe. The result was a minutely detailed artwork rendered in thousands of silvery, silky strands.

The team at Bengal Muslin enlisted the help of local villagers during the search for the lost plant.

An Asian wonder

The region's Western customers found it hard to believe that Dhaka muslin could possibly have been made by human hands, there were rumours that it was woven by mermaids, fairies and even ghosts. Some said that it was done underwater. "The lightness of it, the softness of it - it was like nothing we have today," says Ruby Ghaznavi, vice president of the Bangladesh National Craft Council.

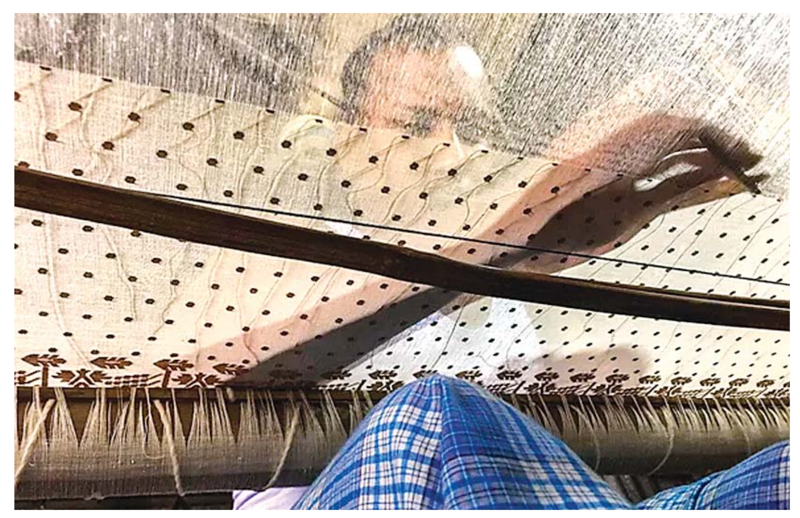

Many of the skills needed to make Dhaka muslin have been lost, so matching the quality of the original fabric is a challenge.

The same weaving process continues in the region to this day, using lower-quality muslin from ordinary cotton threads instead of Phuti karpas. In 2013, the traditional art of jamdani weaving was protected by Unesco as a form of intangible cultural heritage. But the real feat was the thread counts that could be achieved.

Higher thread counts are seen as desirable because they make materials softer, and tend to wear better over time, the more strands there are to begin with, the more there will remain to hold the fabric together when some begin to fray.

Saiful Islam, who runs a photo agency and leads a project to resurrect the fabric, says most versions made today have thread counts between 40 and 80, meaning they contain roughly that number of criss-crossing horizontal and vertical threads per square inch of fabric. Dhaka muslin, on the other hand, had thread counts in the range of 800-1200, an order of magnitude above any other cotton fabric that exists today.

Though Dhaka muslin vanished more than a century ago, there are still intact saris, tunics, scarves and dresses in museums today. Occasionally, one will resurface at a high-end auction house such as Christie's and Bonhams, and sell for thousands of pounds.

"The trade was built up and destroyed by the British East India Company," says Ashmore.

Long before Dhaka muslin was draped over aristocratic women in Europe, it was sold across the globe. It was popular with the Ancient Greeks and Romans, and muslin from 'India' is mentioned in the book *The Periplus of the Erythraean Sea*, authored by an anonymous Egyptian merchant around 2,000 years ago.

The Roman author Petronius may have been the first person on record to raise an eyebrow over its transparency, writing: "Thy bride might as well clothe herself with a garment of the wind as stand forth publicly naked under her clouds of muslin." Over the coming centuries, the fabric is praised in the works of the renowned 14th-century Berber-Moroccan explorer Ibn Battuta and the prolific 15th-century Chinese voyager Ma Huan, as well as many others.

But the Mughal era was arguably the fabric's heyday. The South Asian empire was founded in 1526 by a warrior chieftain from what is now Uzbekistan, and by the 18th century, it ruled across the entire Indian subcontinent. During this period, muslin was traded extensively with merchants from Persia (modern-day Iran), Iraq, Turkey and the Middle East. The cloth was thoroughly endorsed by Mughal emperors and their wives, who were rarely painted wearing anything else. They went so far as to bring the best weavers under their patronage, employing them directly and banning them from selling the very finest cloth to others. According to popular legend, its transparency led to yet more trouble when the emperor Aurangzeb scolded his daughter for appearing in public naked, when she was, in fact, ensconced in seven layers of it.

Resurrected phuti karpas cotton plants look identical to the kind used to grow Dhaka muslin hundreds of years ago.

It was all going so well, then, the British turned up. By 1793, the British East India Company had conquered the Mughal empire, and less than a century later, the region was under the control of the British Raj.

Dhaka muslin was first showcased in the UK at The Great Exhibition of the Works of Industry of All Nations in 1851. This spectacular event was the brainchild of Queen Victoria's husband Prince Albert, intended to showcase the wonders of the British Empire to their subjects. Some 100,000 objects from the farthest corners of the globe were gathered together in a glittering glass hall, Crystal Palace, which was 1,851ft (564m) long and 128ft (39m) high.

At the time, a yard of Dhaka muslin fetched prices ranging from £50-400, according to Islam, equivalent to roughly £7,000-56,000 today. Even the best silk was up to 26 times less expensive.

But while Victorian Londoners were fawning over the fabric, those who produced it were being pushed into debt and financial ruin. As the book *Goods from the East, 1600-1800* explains, the East India Company first started meddling with the delicate process of manufacturing Dhaka muslin in the late 18th century.

First, the company replaced the region's usual customers with those from the British Empire. "They really put a stranglehold on its production and came to control the whole trade," says Ashmore. Then, they came down hard on the industry, pressurising the weavers to produce higher volumes of the fabric at lower prices.

"You needed such a special skill to convert it (Phuti karpas) into cloth," says Islam. "It's a very arduous, expensive process - and at the end of the day, after all that you'd only get about eight grammes of fine muslin for one kilogramme of cotton."

As weavers struggled to keep up with these demands, they fell into debt, explains Ashmore. They were paid upfront for the cloth, which could take up to a year to make. But if the fabric was not considered to be up to the required standard, they would have to pay it all back. "They could never really keep up with these debt repayments," she says.

The final blow came from competition. Colonial enterprises such as the East India Company had been engaged in documenting the industries they relied on for years, and muslin was no exception. Every step of the process of making the fabric was recorded in meticulous detail.

As the European thirst for luxury fabrics increased, there was an incentive to make cheaper versions closer to home. In the county of Lancashire in northwest England, the textile baron Samuel Oldknow combined the British Empire's insider knowledge with state-of-the-art technology, the spinning wheel, to supply Londoners with vast quantities. By 1784, he had 1,000 weavers working for him.

Though the British-made muslin didn't come close to Dhaka's original, it was made with ordinary cotton, and woven at significantly lower thread counts, the combination of decades of mistreatment and a sudden decline in the need for imported textiles killed it off for good. As war, poverty, and earthquakes struck the region, some weavers switched to making lower-quality fabrics, while others became full-time farmers instead. In the end, the whole enterprise collapsed.

"I think it's important to remember that it was really a family occupation, we often talk about the weavers and how fantastic they were, but behind their work was the women, doing the spinning," says Hameeda Hossain, a human rights activist who has written a book about the muslin industry in Bengal. "So, the industry involved a lot of people."

As the generations passed, the knowledge of how to make Dhaka muslin was forgotten. And with no one to spin its silky threads, the phuti karpas plant, which had always been hard to tame, no one had been able to grow it away from the Meghna river, retreated back into wild obscurity. The legend of the loom was no more.

A second chance

Islam was born in Bangladesh and moved to London about 20 years ago. He first became aware of Dhaka muslin in 2013, when the company he works for, Drik, was approached about adapting a British exhibition on the material for a Bangladeshi audience. They felt that it was lacking in detail, so, they conducted their own research.

Over the next year, Islam and colleagues met people from the local craft industry, explored the region where it had been produced, and looked for tangible examples of Dhaka muslin at museums in Europe. "The V&A has a superb collection with hundreds of pieces of it," he says. "And if you go to the English Heritage Trust, they've got 2,000 pieces. And yet, Bangladesh didn't have any."

The team eventually curated several exhibitions on the subject, commissioned a film and published a book, authored by Islam. At some point, they started to think that maybe, just maybe, it might be possible to bring the legendary fabric back. Together, they founded Bengal Muslin, a collaborative enterprise aimed at doing just that.

Dhaka muslin was a favourite of Joséphine Bonaparte, the first wife of Napoleon, who owned several dresses inspired by the classical era.

The first task was to find a suitable plant. Though there are no phuti karpas seeds in any collection today, they found a neat booklet of its dried, preserved leaves at the Royal Botanic Gardens, Kew, from the 19th century. From this, it was possible to sequence its DNA.

Armed with their target's genetic secrets, the team went back to Bangladesh. They looked at historical maps of the Meghna river and compared them to modern satellite images to see how its course had changed over the last 200 years, and find the best spots for potential candidates. Then, they hired a boat and scoured its immense breadth, it's 12 km (7 miles) wide in places, for wild plants that resembled old drawings.

Any promising options were sequenced and compared to the original. Eventually, they found a 70% match, a dishevelled shrub which may have had phuti karpas ancestors.

To grow it, they initially settled on a plot of land on a small island in the middle of the Meghna, in Kapasia, 30 km (19 miles) north of Dhaka. "It was a very ideal spot. The land is fertile because it was formed through the accumulation of river sediment," says Islam. It was there that in 2015, they planted some test seeds. Soon, there were orderly rows of phuti karpas among the dry earth, the first to be cultivated for more than a century.

The team harvested their first batch of cotton the same year. Though they didn't yet have enough of the resurrected plants to make 100% authentic Dhaka muslin, they collaborated with Indian spinners to combine ordinary and phuti karpas cotton into a hybrid thread. Next, it was time for the weaving, and this proved to be trickier than expected.

Because there are still weavers in Bangladesh making jamdani muslin, albeit coarser versions at lower thread counts. Initially, Islam hoped to simply upgrade their skills and teach them how to produce a higher-quality product that's closer to the old fabric.

"But none of them wanted to work on this, as a matter of fact," says Islam. When he told them that he wanted to make 300-thread count saris, "they all said that this is crazy."

"They said: 'Thank you very much for telling us that story and heritage, but no thanks'," he says. Out of the 25 people he approached, one eventually agreed.

Most weavers in the region are poor, and work in simple huts. So, Al Amin, now their master weaver, agreed to have temperature controls and humidifiers added to his workshop, to create the specific conditions needed for making this tricky fabric. Meanwhile, some of the 50 or so tools required were no longer available, so, the team made their own. One example is the shana, a piece of bamboo cut to have thousands of artificial teeth that can keep the thread in place while it's worked.

Spinning phuti karpas cotton is notoriously tricky – if you get it wrong, the thread will snap.

Six gruelling months, many more improvisations and plenty of snapped threads later, Amin had made a 300 thread count sari, nowhere near the original Dhaka muslin standard, but significantly higher than any weaver had achieved for generations. "He had the dogged patience that was needed to work with us," says Islam. "We contributed 40% of the effort, but the rest came from him."

Fast-forward to 2021 and the team have made several saris from their hybrid muslin, which have already been exhibited all over the world. Some have been sold for thousands of pounds, and Islam feels the reception they received proves the fabric has a future. "In this day and age of mass production, it's always interesting to have something special. And the brand is still powerful," he says.

Today, the team has plants growing continuously, though they were forced to abandon the old farm plot due to flooding issues. Now, they're growing the resurrected phuti karpas on a nearby riverbank, which has the added benefit of being accessible without a boat. Islam hopes that one day, they'll be able to make a pure Dhaka muslin sari at an even higher thread count.

As it happens, so does the Bangladeshi government, who has given the project their backing. "It's a matter of national prestige," says Islam, who is also keen to upgrade the country's image. "It's important that our identity is not poor, with a lot of garment industries, but also the source of the finest textile that ever existed," he says.

Who knows, perhaps, soon a new generation will be wearing this ancient fabric, and grappling with its somewhat risqué transparency.

rajeshsharma1049@gmail.com

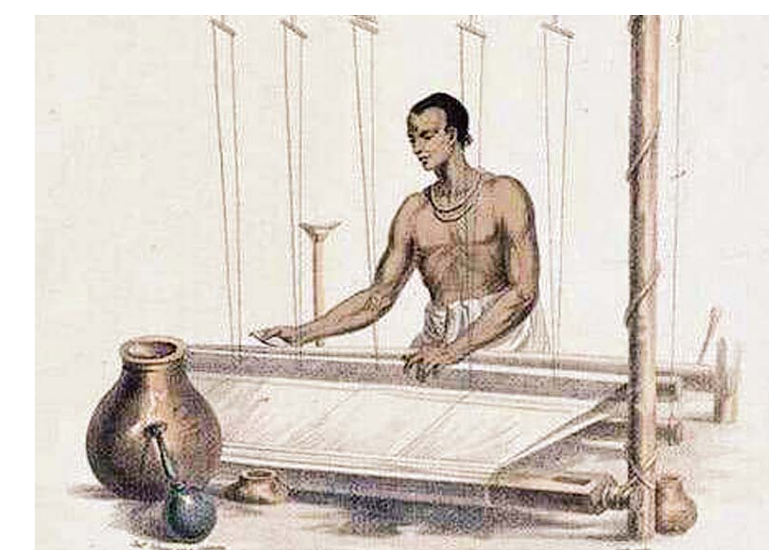

A cloth so fine that yards of it could smoothly flow through a ring!

THE WALL

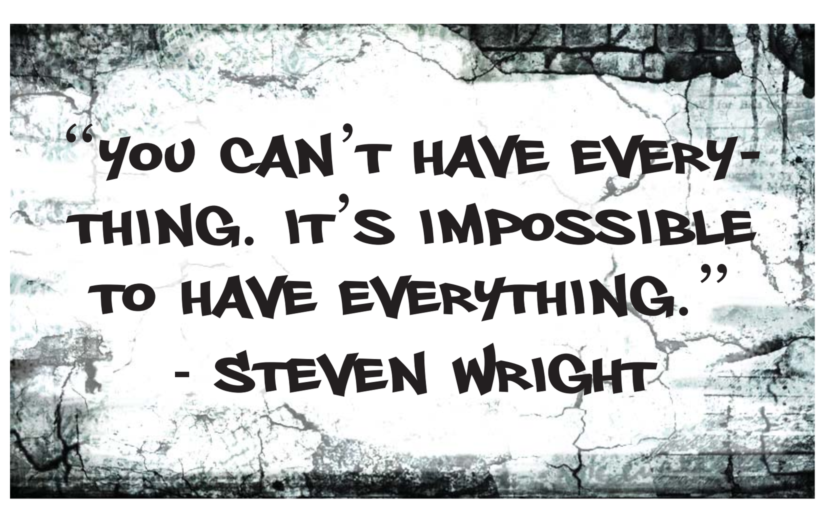

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

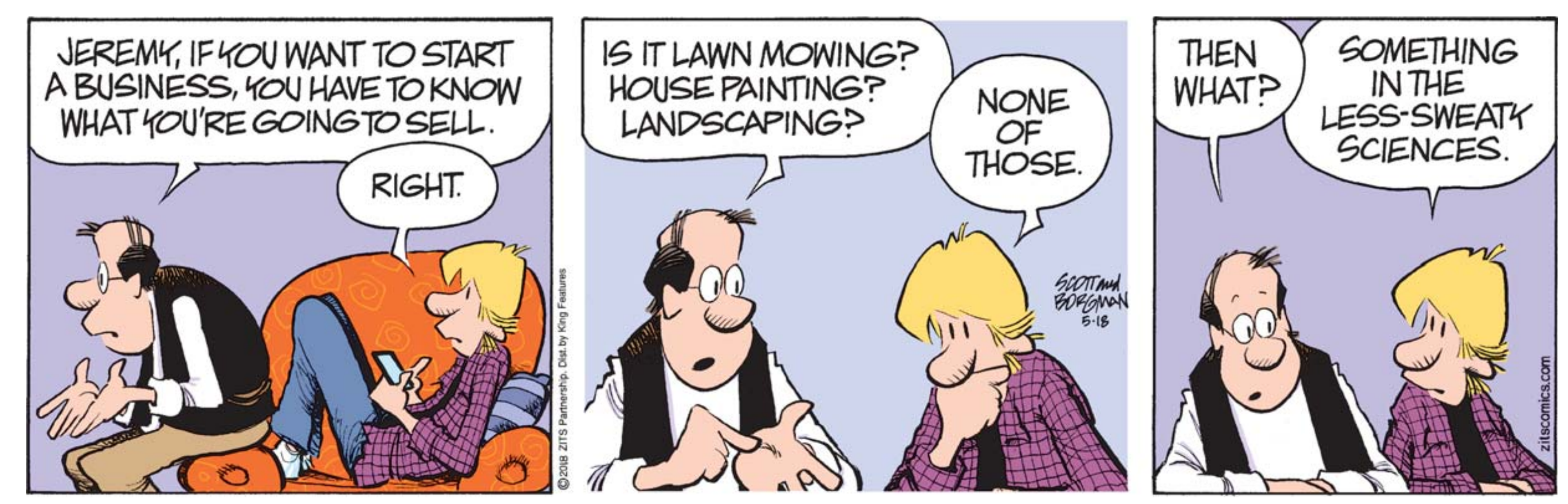

कोटा में अवैध संबंध के चलते प्रेमी के साथ मिलकर की थी पति की हत्या

मृतक की पत्नी, प्रेमी व उसके साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने मृतक की पत्नी उसके प्रेमी व एक अन्य साथी को गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि अवैध संबंध व पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी महिला ने अपने प्रेमी व उसके एक साथी के साथ मिलकर पति की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

- **मामले में सामने आया कि आरोपियों ने मिलकर पति की गला दबाकर हत्या की और वारदात के बाद आरोपियों ने मृतक को पलंग पर लिटाकर सामान्य स्थिति दर्शाने का प्रयास किया**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 1 मई को आरकेपुरम् थाना इलाके के आंवली रोजड़ी क्षेत्र में एक रिटायर्ड फौजी की घर में संदिग्ध अवस्था में मृत मिलने की सूचना मिली। सूचना पर आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और मौके पर टीमों को बुलाकर साक्ष्य जुटाये गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले का खुलासा करने के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम् थानधिकारी सिद्वार्थ श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किये। शहर एसपी ने बताया कि टीम द्वारा किये गये अनुसंधान में सामने आया कि मृतक व उसकी पत्नी के बीच आये दिन विवाद होते रहते थे एवं उसकी पत्नी के कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क थे। मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को पकड़ने में जिला पुलिस की विशेष टीम में तैनात कांस्टेबल तंवर सिंह की विशेष भूमिका रही। मामले में टीम ने तकनीकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए मृतक की पत्नी दिपिका शर्मा, मुख्य आरोपी देवेश शर्मा एवं उसके साथी विष्णु सिंह राठौड़ को गिरफ्तार किया गया है। मामले में मुख्य आरोपी देवेश शर्मा को विशेष टीम ने हिडौंन सिटी से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ के दौरान मामले में सामने आया कि आरोपी महिला का उसके मृतक पति के बीच पारिवारिक विवाद बना रहता था, जिसके चलते आरोपी महिला की नजदीकी देवेश शर्मा से हो गई। मामले में सामने आया कि आरोपियों ने मिलकर मृतक की गला दबाकर हत्या की और वारदात के बाद आरोपियों ने मृतक को पलंग पर लिटाकर सामान्य स्थिति दर्शाने का प्रयास किया और स्वयं मौके से फरार हो गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले में आवंली रोजड़ी निवासी दिपिका शर्मा (36), खेड़ली फाटक के सुभाष कॉलोनी निवासी देवेश शर्मा (31) एवं उसके साथी खेड़ली फाटक निवासी विष्णु सिंह राठौड़ (55) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियो से अनुसंधान जारी हैं।

जोधपुर में नीट परीक्षा के दौरान सख्ती से रूबरू हुए परीक्षार्थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में नीट परीक्षा-2026 के दौरान इस बार सुरक्षा और नियमों को लेकर सख्ती देखने को मिली। परीक्षा केंद्रों पर एंट्री से पहले अभ्यर्थियों से दुपट्टा, कलावा तक उतरवाया गया, वहीं पेन और पानी की बोतल भी बाहर रखवाई गई। कड़ी जांच प्रक्रिया के चलते छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ा, जबकि बाहर अभिभावक तीन घंटे तक पेड़ों की छाया में इंतजार करते नजर आए।

जोधपुर में नीट एग्जाम के लिए 46 परीक्षा केंद्रों पर करीब 15 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक एक पारी में आयोजित की गई। इसके लिए परीक्षा केंद्रों पर एंट्री सुबह 11 बजे से ही शुरू कर दी गई थी। कैंडिडेट्स को दोपहर 1.30 बजे तक एंट्री दी गई, इसके बाद एग्जाम सेंटर के गेट बंद कर दिए गए।

- **परीक्षा केंद्रों पर एंट्री से पहले अभ्यर्थियों से दुपट्टा, कलावा तक उतरवाया**
- **कड़ी जांच प्रक्रिया के चलते छात्रों को असुविधा का सामना करना पड़ा**
- **अभिभावक तीन घंटे तक पेड़ों की छाया में इंतजार करते नजर आए**

शास्त्री नगर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विशिष्ट पूर्व में कड़ी जांच पड़ताल के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। इस दौरान कलावा पहनकर पहुंचे अभ्यर्थी परिजनों से कलावा खुलवाकर एंट्री की। परीक्षा केंद्र पर कई स्तर की जांच पड़ताल के बाद परीक्षार्थी को प्रवेश दिया गया।

श्री रामस्वरूप गणेश देवी चिल्का राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल शास्त्री नगर में भी स्टूडेंट जांच के लिए टीम मुस्तैद नजर आई। एंट्री से पहले स्टूडेंट के अच्छे तरीके से ड्यूटी में लगे कार्मिकों ने जांच की। यहां स्टूडेंट से दुपट्टा उतरवाकर एंट्री दी गई। वहीं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज पेन, पानी की बोतल जैसी चीज स्टूडेंट से बाहर रखवाई गई। एग्जाम सेंटर पर स्टूडेंट के साथ-साथ बड़ी संख्या में उनके अभिभावक भी पहुंचे, जो आसपास पेड़ की छांव में बैठकर एग्जाम खत्म होने का इंतजार करते नज़र आए।

कोटा में मादक पदार्थ सहित नाबालिग निरूद्ध

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ 229 ग्राम गांजा सहित नाबालिग बालक को विधिसंघर्षरत निरूद्ध किया है।

जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी पर रोकथाम के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन गरूड् व्यूह चलाया जा रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि इलाके में गश्त के दौरान पत्थर का स्टॉक घोड़ा बस्ती में एक नाबालिग बालक पर संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से अवैध मादक पदार्थ 229 ग्राम गांजा बरामद हुआ। अवैध मादक पदार्थ बरामद होने पर एनडीपीएस एक्ट एवं 78 जे.जे. एक्ट में मामला दर्ज कर नाबालिग बालक को विधि संघर्षरत निरूद्ध किया, मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

जोधपुर में युवक के साथ हुई मारपीट के बाद लोगों का विरोध जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में एक युवक मनीष के साथ हुई मारपीट के बाद से ही लोगों में आक्रोश है। आक्रोशित लोगों ने थाने में पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने मारपीट के मामले में अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने, पुलिस से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई करने की मांग की। स्थानीय लोगों ने कमिश्नर के नहीं आने तक थाने के अंदर ही धरना देना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने थाने के अंदर ही हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया।

- **लोगों ने थाने में पहुंचकर प्रदर्शन किया और आरोपियों को गिरफ्तार करने, पुलिस से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई करने की मांग की**
- **जोधपुर के खांडा फ़लसा थाने के अंदर लोगों ने प्रदर्शन कर हनुमान चालीसा का पाठ किया**

रविवार को धरने के दौरान एडीसीपी वीरेंद्र सिंह और एसीपी मंगलेश ने थाने में पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश की। उन्होंने आक्रोशित लोगों को आश्वासन देते हुए लोगों को शांत करवाया, तब जाकर प्रदर्शनकारियों ने धरना खत्म किया। इस दौरान पास के थानों का जाब्ता भी मौके पर बुलाया गया। जानकारी के अनुसार जोधपुर शहर के आखलिया चौराहे पर थाने के पास बुधवार देर रात को युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। जोधपुर निवासी प्रोटीन हाउस के मालिक मनीष जोशी पुत्र ओमप्रकाश जोशी 29 अप्रैल की रात बाइक से जा रहे थे। इसी बीच आखलिया चौराहे पर एक कार से बाइक की टक्कर हो गई। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई थी। टक्कर मारने के बाद कार सवार सिवांची गेट की तरफ निकल गया था। बाइक सवार युवक मनीष उसका पीछाकर सिवांची गेट पहुंचा था। सिवांची गेट स्थित खांडा फलसा थाने के बाहर हनुमान मंदिर के पास दोनों पक्षों में फिर से झगड़ा हो गया था, जहां बाइक सवार मनीष को खांडा फलसा थाने के ठीक बाहर लाठी-डंडों से पीटा गया। इस घटना के बाद लोगों ने पुलिस के सामने विरोध जताया था। मामले में लापरवाही बरतने पर खांडा फलसा थानाधिकारी बलवंत राम को लाइन हाजिर किया गया। लोगों ने आरोप लगाया कि तब अधिकारी शराब के नशे में थे। प्रदर्शन में शामिल हुए लोगों ने पुलिस से इस मामले में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही गवाहों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाने, घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

शराब से भरी कार पकड़ी, चालक गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन स्वच्छता के तहत चौरासी थाना पुलिस ने शराब से भरी एक कार पकड़ी है। पुलिस ने इस मामले में एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है।

चौरासी थानाधिकारी भंवर सिंह राठौड़ ने बताया कि स्टेट हाईवे-54 पर टेम्बा गांव के पास पुलिस टीम ने गुजरात की ओर जा रही एक कार को देखा। पुलिस को देखकर ड्राइवर कार को खेतों में छोड़कर भागने की कोशिश करने लगा। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने टेम्बा गांव के खेतों में घेराबंदी कर कार को पकड़ा। कार की तलाशी लेने पर उसकी डिक्की से 5 कार्टन और 6 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया। साथ ही ड्राइवर गुजरात निवासी सुलए मछार को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बूंदी : रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता कई सुंदर व दुर्लभ प्रजातियों के पशु-पक्षियों का भी घर है। जंगल भ्रमण के दौरान कालदां के निकट भूकी के नाले में खूबसूरत पक्षी पीलक एक गुर्जन के पेड़ पर भोजन तलाशता नजर आया। उत्तरी भारत में अक्सर यह पक्षी गर्मियों के दिनों में घने हरे-भरे जंगलों, ऊँचे पेड़ों की छांव और शांत जल स्त्रोतों पर अपनी सुरीली आवाज व चटक पीले रंग से आकर्षक लगता है। पीलक या गोल्डन ओरियोल नाम से पहचाने जाने वाले इस पक्षी का बसेरा गांव शहर की चकाचौंध से दूर घने जंगल में प्राकृतिक जलस्त्रोतों के आसपास होता है। इसकी सुनहरी चमक व मधुर आवाज प्रकृति के हर रंग को और भी जीवंत बना देती है।

अनूपगढ़ में बाइक सवार युवकों पर कार सवारों का हमला

अनूपगढ़, (निसं)। वेयर हाउस रोड स्थित वार्ड नंबर 12 में देर रात कार सवार हमलावरों ने दो बाइक पर सवार तीन युवकों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस घटना में तीनों युवक घायल हो गए, जिनमें से दो को गंभीर हालत में श्रीगंगानगर के हायर सेंटर रेफर किया गया है।

- **कार सवारों ने बाइक को टक्कर मारी, तीन घायल**

जानकारी के अनुसार, दो युवक एक बाइक पर जा रहे थे, तभी पीछे से आई एक तेज रफ्तार अल्टो कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद हमलावरों ने दो युवकों पर कार चढ़ा दी। इसके बाद कार में सवार युवकों ने बाहर निकलकर तलवार, लाठी और डंडों से हमला शुरू कर दिया। दूसरी बाइक पर सवार उनके साथी ने जब दोनों युवकों को बचाने का प्रयास किया, तो हमलावरों ने उस पर भी हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद हमलावर अपनी कार लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को राजकीय जिला अस्पताल अनूपगढ़ पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर एएसआई सलीम पठान मौके पर पहुंचे और बाइक को जब्त कर लिया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल प्रवीण चुचरा, हरिओम और भंवरलाल से घटना की जानकारी ली। घायल हरिओम पुत्र शिवरतन शर्मा निवासी प्रेमनगर अनूपगढ़ ने पुलिस को पर्चा बयान दिया है। उन्होंने गुरविन्द्र सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी रिद्धि सिद्धि कॉलोनी, शमशेर सिंह उर्फ शेरा पुत्र सुरत सिंह निवासी 5 के अनूपगढ़, गुरजीत सिंह सहित कुल पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

हरिओम ने बताया कि वो प्रवीण चुचरा के साथ मोटरसाइकिल पर और भंवरलाल दूसरी बाइक पर गणेश मंदिर की ओर जा रहे थे। वेयरहाउस मोड़ के पास अल्टो कार ने टक्कर मारी, जिसके बाद आरोपियों ने हमला किया। घायल ने हमलावरों से पुरानी रंजिश होने की बात कही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई सलीम पठान को सौंप दी है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

हमले में युवक घायल, एक गिरफ्तार, दो बाल अपचारी डिटेन

उदयपुर, (कासं)। शहर के धानमण्डी थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ चाकू से हमला कर युवक को घायल करने का मामला दर्ज किया। पुलिस ने एक हमलावर को गिरफ्तार किया एवं विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारी डिटेन किये।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित किशनदास पुत्र सत्यनारायण वैरागी निवासी कापड़ियों को खेड़ा बड़ी सादड़ी हॉल खेमपुरा प्रतापनगर ने आरोपी शैलेश मंसूरी व साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 1 मई रात में विनोददास, विनय सालवी, हर्ष, बलराज उर्फ बलवंत, हितेष बावरी भोपालवाड़ी जगदीश नमकीन के पास खड़े थे।

इसी दौरान तीन लडके आए जिनमें एक का नाम शेलेश मंसूरी था। जिसके हाथ में चाकू था जिसने चाकू से विनोद के पीठ, सिर पर हमला कर दिया तथा उसके साथियों ने बेल्ट से हमला किया। इस दौरान आरोपी इंस्टाग्राम पर हर्ष की आईडी पर मैसेज करने की बात को लेकर हमला कर एतराज कर रहे थे। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई कैलाश चन्द्र कर रहे है। इस मामले में प्रकरण दर्जहोने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझ,पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में धामनण्डी थानाधिकरी भंवरलाल के नेतृत्व में एएसआई कैलाशचंद्र मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार परअंकुश सिंह पुत्र विजयसिंह निवासी जलचक्की के पास कांकरोली थाना कांकरोली राजसमंद हाल सीमेंट गली धोली बावड़ी धानमंडी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया। जबकि इस मामले में विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया हैं।

वहीं उदयपुर शहर के सविना थाना पुलिस ने व्यापारी के साथ मारपीट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी गजवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने सविना चौराहे के पास व्यापारी के साथ मारपीट करने के मामले में आरोपी साजिब बलोज पुत्र बयान खान निवासी चित्रकूट नगर सविना, मो. फैजद शेख पुत्र मो. गुड्डू शेख निवासी यूआईटी कॉलोनी बड़ी मस्जिद के पास सवीना को गिरफ्तार किया। इसी तरह जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान गठित दल ने बाईक साईड करने की बात पर व्यापारी व उसके पुत्र पर जानलेवा हमला करने के मामले में पीपीलीया भाउवा ऋषभदेव निवासी दिलीप पुत्र प्रकाश, श्रीपाल पुत्र प्रकाश, दरीफला कानुवाड़ा ऋषभदेव निवासी जयंति पुत्र चेतन, सुंदर पुत्र कैलाश, महेश पुत्र शंकर, जगदीश पुत्र मंगला, राहुल पुत्र नारायण निवासी बिलखाई कानुवाड़ा ऋषभदेव को गिरफ्तार किया।

दिया कुमारी ने शहीद की मूर्ति का अनावरण किया

सीकर, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सीकर जिले के खंडेला ब्लॉक के समर्थपुरा गांव के कारगिल शहीद विजेंद्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में क्षेत्र की वीरांगनाओं का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इससे पूर्व सुभाष मील के नेतृत्व में युवाओं ने तिरंगा रैली निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, खंडेला विधायक सुभाष मील, धोद विधायक गोवर्धन वर्मा, पूर्व सांसद सीकर स्वामी सुमेधानंद सरस्वती सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया और कहा कि शहीदों का सम्मान देवताओं के समान किया जाना चाहिए। इसके पश्चात उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जमवाय माता मंदिर पहुंचकर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया।

उदयपुर में दो मकानों से जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में स्थित मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र सायरा थाना क्षेत्र के उमरोद गांव में स्थित मकान से जेवरात व नकदी चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रोशलाल गर्ग पुत्र माधवलाल गर्ग निवासी डाकन कोटडा पार्श्वनाथ कॉलोनी ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मेरे पिता की तबीयत खराब होने पर 29 अप्रैल को खारवा गां गया था। जहां से 1 मई को लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो चांदी की पायल, कड़े, सिक्के तथा 1 लाख रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हैड कांस्टेबल मदनसिंह कर रहे है।

इसी तरह सायरा थाना क्षैत्र उमरोद गांव निवासी पुनाराम पुत्र डालूराम गमेती ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

उसने बताया कि 2 मई रात में मैं परसादी में गया था एवं पत्नी अजकीबाई निचे मकान में सो रही थी। रात में पिछवाड़े से आए चोर मकान के प्रथम मंजिल पर बने कमरे का ताला तोड़कर चांदी की पायल, कंदोरा तथा करीब 70 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। दूसरे दिन सवेरे उपर जाने पर कमरे का ताला टूटा हुआ होकर सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो जेवरात व नकदी गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

युवक का शव मिला : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षैत्र चांदपोल स्थित पिछोला झील में युवक को शव पानी में होने की सूचना मिली। इस पर हैड कांस्टेबल भरत ने मौके पर पहुंचकर सिविल डिफेंस की टीम की मदद से मृतक को बाहर निकाल एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है और भूरी पेंट पहने है। जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव करीब चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है।

अधेड़ व्यक्ति का शव मिला, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

आरोप लगाया कि अधेड़ की हत्या कर शव को पानी में डाला गया है

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। थाना क्षेत्र के रघुनाथपुरा गांव में एक अधेड़ व्यक्ति का शव पानी की खेळ में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रघुनाथपुरा निवासी 45 वर्षीय सुनील पुत्र रामेश्वर रेप्सवाल के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही गुढ़ागौड़जी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को गुढ़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों के अनुसार सुनिल शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिवार और ग्रामीणों ने उनकी तलाश की। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अगली सुबह गांव के लालचंद मेघवाल श्मशान भूमि स्थित पेड़ों को पानी देने पहुंचा। जहां उन्होंने खेळ में एक शव पड़ा देखा। सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को खेळ से बाहर निकलवाया।

अधेड़ का शव मिलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मामले में मृतक के भतीजे उम्मेद सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का कहना है कि जिस खेळ में शव मिला, उसमें पानी बहुत कम था। जिससे डूबने से मौत होना संदिग्ध प्रतीत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुनिल की हत्या कर शव को पानी में डाला गया है, ताकि घटना को दुर्घटना का रूप दिया जा सके। मौके पर मृतक की चप्पल पानी में मिली। जबकि शव आंशिक रूप से ही पानी में था, जिससे संदेह और गहरा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जाएगा और पानी का सैंपल भी जांच के लिए लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है और मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

वन्यजीव गणना में सज्जनगढ़ और अमरखजी में दिखा लैपर्ड

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में एक मई से शुरू हुई वन्यजीव गणना शनिवार शाम समाप्त हो गई। अब जंगलों और अभयारण्यों में गणना में शामिल टीमें डेटा को कंपाइल कर रिपोर्ट तैयार करेंगी। इस बार भीषण गर्मी के चलते समय बदलते हुए 1 मई शाम 5 बजे से 2 मई शाम 5 बजे तक लगातार 24 घंटे गणना की गई।

उदयपुर शहर के सज्जनगढ़, जिले के जयसमंद और फुलवारी की नाल अभयारण्य सहित विभिन्न वन मंडलों में वनकर्मी मचानों पर तैनात रहकर गणना का कार्य पूरा कर चुके हैं। इस गणना में वन विभाग की टीमों के साथ वन्यजीव प्रेमी भी शामिल हुए। गर्मी के कारण जानवर पानी के कुंडों पर ज्यादा पहुंचते हैं इसलिए वॉटरहोल पद्धति से गिनती की गई। सज्जनगढ़, जयसमंद और फुलवारी की नाल में ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। गणना के दौरान अमरखजी लेपर्ड रिजर्व और सज्जनगढ़ अभयारण्य में लैपर्ड की गतिविधियां देखी गई। उदयपुर में पिछली गणना में लैपर्ड की संख्या 130 दर्ज हुई थी, जिसमें तीनों सेंचुरी में 54 और वन मंडल उदयपुर व उत्तर क्षेत्र में 76 लैपर्ड पाए गए थे।

सीकर : ट्रेलर चोरी के चार आरोपी गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। सीकर में कलवा गांव से ट्रेलर चोरी के मामले में नेछवा पुलिस ने 4 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि बदमाशों ने ट्रेलर की पहचान चेसिस नंबर काटकर छिपाई थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिसमें वाहन चोरी के कुछ मामलों में खुलासे की संभावना है।

जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि ट्रेलर चोरी का 24 घंटे के भीतर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कलवा गांव से चोरी हुए ट्रेलर को मय ट्रॉली के बरामद कर लिया है। शातिर चोरों ने वाहन की पहचान छिपाने के लिए पहचान मिटा दी थी और चेसिस नंबर तक काट दिया था।

- **गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया है**

नेछवा थानाधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि 28 अप्रैल को सूत्तोद गांव निवासी मदनलाल जाट ने नेछवा थाने में उपस्थित होकर ट्रेलर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित मदन ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसने कलवा गांव में 28 अप्रैल को ट्रेलर खड़ा किया था, जिसे अज्ञात चोर चुराकर ले गए और अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर आगे बेच दिया। पुलिस ने घटनास्थल से जाने वाले रास्तों के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरु की। पुलिस टीम ने लगातार आरोपियों का पीछा करते हुए घटना के अगले ही दिन 29 अप्रैल को चारों आरोपियों बनवारी लाल रूहेला (37), वीरेंद्र जाट (29), ताराचंद (31) जाट और सुरेंद्र जाट (50) को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया है। पुलिस ने चोरी किया गया ट्रेलर और उसके साथ ट्रॉली बरामद कर ली। शातिर चोरों ने पुलिस से बचने के लिए ट्रेलर का चेसिस नंबर काट दिया था, लेकिन पुलिस ने वह कटी हुई चेसिस नंबर प्लेट भी बरामद कर ली है।

बिजली लाइन के शॉर्ट सर्किट से आग लगी

बज्जू, (निसं)। बज्जू स्थित मुख्य नहर की आरडी 931 पर दाहिनी ओर की वन पट्टी में बिजली लाइन के शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। घटना में हजारों पेड़ जलकर राख हो गए। सूचना मिलते ही वन विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रधान बिश्नोई और ग्रामीण सुनील डूडी और नरसीराम खीचड़ ने बताया कि वन पट्टी से गुजर रही बिजली लाइन के तार हवा के कारण सफेदे के बड़े पेड़ों से टकरा गए। इससे तेज शॉर्ट-सर्किट हुआ और पेड़ों में आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग जल्द ही 2-3 बीघा क्षेत्र में फैल गई, जिससे सफेदे, कीकर और खेजड़ी के हजारों पेड़ जलकर नष्ट हो गए। सूचना पर एसडीएम बज्जू सांवरमाल रैगर के निर्देश पर नायब तहसीलदार नितिन पुरोहित और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

टोंक में गश्त पर निकले पुलिस कॉन्स्टेबल का खून से सना शव सड़क किनारे मिला

बेटे का शव देख पूर्व पार्षद पिता ने आरोप लगाया कि बजरी माफिया ने मेरे बेटे की हत्या की है

- अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने पुलिस हैड क्वार्टर के पत्र के बाद एक करोड़ रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी पर सहमति बनने की बात बताई
- बताया जा रहा है कि मृतक सिपाही भागचन्द (26) पुत्र कालू सैनी बनेठा थाना की ककोड़ चौकी पर कार्यरत था

टोंक, (निसं)। जिले के उनियारा इलाके के बनेठा थाना क्षेत्र में रुपवास मोड़ पर रविवार को गश्त पर निकले पुलिस कॉन्स्टेबल भागचन्द (26) पुत्र कालू सैनी का शव लहूलुहान हालत में मिलने के बाद क्षैत्र में सनसनी फैल गई। कॉन्स्टेबल के चेहरे, गर्दन और सीने पर चोट के निशान पाये गये तथा शव के पास में ही उनकी बाइक भी पड़ी मिली थी। मौके पर पंहुचे ग्रामीणों ने शव को देखकर बनेठा थाना पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि मृतक सिपाही बनेठा थाना की ककोड़ चौकी कार्यरत था।

घटना के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, एएसपी रतनलाल भार्गव और टोंक डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे तथा बाद में पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। बेटे का शव देख पूर्व पार्षद पिता होश खो बैठे तथा उन्होंने आरोप लगाया कि बजरी माफिया ने मेरे बेटे की हत्या की है। बाद में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सआदत अस्पताल टोंक ले जाया गया, जहां परिजनों ने इमरजेंसी वार्ड के बाहर 2 घंटे तक शव को रखकर प्रदर्शन किया तथा प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखी। इसके बाद अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने पुलिस हैड क्वार्टर के पत्र के बाद एक करोड़ रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी पर सहमति बनने की बात बताई। सहमति बनने पर परिजन शव उठाने पर राजी हुए, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया।

बनेठा थाना प्रभारी ने बताया कि कॉन्स्टेबल भागचंद शनिवार देर रात्रि को गश्त पर बाइक लेकर गए थे। जिसकी सूचना पुलिस को रविवार सुबह ग्रामीणों ने दूरभाष पर देकर बताई कि पुलिसकर्मी भागचन्द का शव रोड पर पड़ा है, जहां उनके सीने, चेहरे और गर्दन पर धारदार हथियार से चोट के निशान पाये गये हैं। मामले की गम्भीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही खुलासा करेंगे।

घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता भी मौके पर पहुंचे। मेहता ने कहा कि पूर्व पार्षद कालू सैनी ने फोन कर कहा कि उनके बेटे भागचंद सैनी का मर्डर हो गया है। मेहता ने कहा कि जिले में पुलिस ही सुरक्षित नहीं है तो आम आदमी का क्या होगा। अधिकारियों से बात हुई तो प्रथमदृष्टया बजरी माफियाओं का कनेक्शन इस मामले से जुड़ रहा है।

चंदवाजी : अवैध हथियारों का जखीरा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

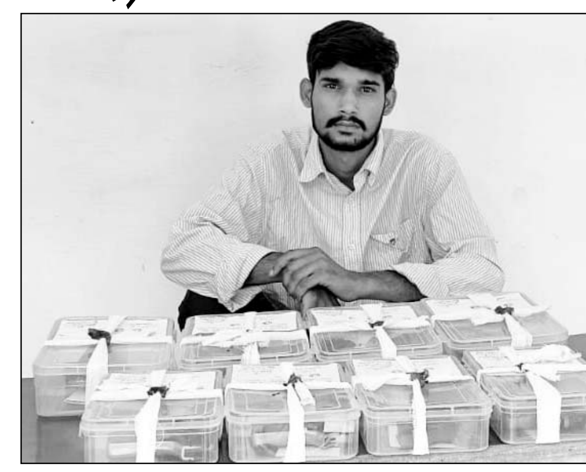

चंदवाजी थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ आरोपी को पकड़ा।

- 4 स्वचालित पिस्टल मय 5 मैग्जीन व 4 देशी कट्टे सहित 16 जिन्दा कारतूस जब्त

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। चंदवाजी थाना पुलिस ने बड़ी करवाई करते हुए अवैध हथियार परिवहन करते एक आरोपी को गिरफ्तार कर उससे कब्जे से 4 स्वचालित पिस्टल मय 5 मैग्जीन व 4 देशी कट्टे सहित 16 जिन्दा कारतूस जब्त किए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी बाइक भी जप्त कर ली है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज, जयपुर द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान अवैध हथियारों के विरूद्ध कार्यवाही व गंभीर अपराधों की रोकथाम हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विश्नोई के सुपरविजन में थानाधिकारी थाना चन्दवाजी नितिन चौधरी आईपीएस (प्रोबेशनर) के नेतृत्व में रोहिताश बराला कांस्टेबल की विश्वसनीय एवं सटीक सूचना पर अवैध हथियार परिवहन करते आरोपी साहिल मीणा निवासी कंचनपुर थाना श्रीमाधोपुर जिला सीकर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 स्वचालित पिस्टल मय 5 मैग्जीन 4 देशी कट्टे व 16 जिन्दा कारतूस जब्त कर अवैध हथियार परिवहन करने में प्रयुक्त मोटरसाईकिल को भी जब्त किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण ने बताया कि चंदवाजी थाना कांस्टेबल रोहिताश बराला ने सूचना दी कि चंदवाजी में टीएसी पुलिया के नीचे एक व्यक्ति काले रंग की स्पलेंडर मोटरसाईकिल लेकर बैग में हथियार भरकर किसी को अवैध हथियारों की डिलेवरी देने का इन्तजार कर रहा है, सूचना पर जयप्रकाश उप निरीक्षक मय जाब्ता के थाने से रवाना होकर टीएसी पुलिया के नीचे पहुंचे तो पुलिया के नीचे पुलिया पिलर के पास एक काले रंग की स्पलेंडर प्लस मोटरसाईकिल पर एक व्यक्ति अपने पीछे बैग लटकाये खड़ा था जो पुलिस जाब्ता को देख मोटरसाईकिल को स्टार्ट करने लगा जिसको पुलिस जाब्ता की मदद से रोका और नाम पता पूछा तो अपना नाम साहिल मीणा पुत्र कृष्ण कुमार मीणा निवासी वार्ड नं.11 कंचनपुर पुलिस थाना श्रीमाधोपुर जिला सीकर हाल मकान नम्बर 33 शंकर विहार कॉलोनी पवनपुरी बैनाड रोड झोटवाड़ा होना बताया। बैग को खोलकर चैक किया तो बैग की विभिन्न परतों में देशी कट्टे व विभिन्न प्रकार की स्वचालित पिस्टल मय मैग्जीन व कारतूस व परिवहन में प्रयुक्त बाइक को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

भीण्डर में 47 किलो डोडा-चूरा से भरी कार पकड़ी, एक गिरफ्तार

भीण्डर पुलिस ने कार जब्त कर अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया।

भीण्डर, (निसं)। उदयपुर रेंज में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत भीण्डर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार देर रात गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार का पीछा कर 47 किलो 80 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा जब्त किया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मुकेशचन्द्र ने बताया कि दो मई की रात पुलिस टीम थाना सर्कल में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान हींता से कीर की चौकी की ओर जा रही एक अल्टो कार पुलिस वाहन को देखते ही अचानक तेज रफ्तार में भागने लगी। संदेह होने पर पुलिस टीम ने तुरंत पीछा शुरू किया। आरोपी चालक ने बचने के लिए रास्ता बदलते हुए टोल नाके से पहले ही कार को डोडियों का खेड़ा मार्ग की तरफ मोड़ दिया, लेकिन पुलिस पहले से सतर्क थी। टोल पर पहले से लगी नाकाबंदी और टीम की रणनीतिक घेराबंदी के चलते आखिरकार कार को रोक लिया गया।

पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो पिछली सीट पर रखे तीन काले प्लास्टिक के कट्टों में भारी मात्रा में डोडा-चूरा मिला। डोडा-चूरा का तौल करने पर कुल वजन 47 किलो 80 ग्राम निकला। कार चालक की पहचान पवन सालवी (20) पिता मदनलाल सालवी निवासी ढूंढिया, थाना वल्लभनगर के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच खेरोदा थानाधिकारी सुरेश विश्नोई को सौंपी गई है।

महिला से जेवर लूट के दो आरोपियों को पकड़ा

- सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 24 घंटे में दबोचा

हनुमानगढ़, (निसं)। पुलिस ने सतीपुरा क्षेत्र में एक महिला से आभूषण लूट की वारदात का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में 2 आरोपियों अभय कुमार उर्फ डेविड (20) और राहुल कुमार (20) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी वार्ड 20, प्रेम नगर के निवासी हैं।

यह वारदात शुक्रवार को हुई थी, जब सतीपुरा निवासी एक महिला दूध लेने जा रही थी। उसी दौरान बाइक सवार 2 नकाबपोश बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन और चांदी की अंगूठी छीन ली। आरोपियों ने महिला पर धारदार हथियार से भी वार किया और मौके से फरार हो गए थे। शनिवार 2 मई को पीड़िता ने हनुमानगढ़ जंक्शन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने अभय कुमार उर्फ डेविड और राहुल कुमार को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, आरोपियों की सीसीटीवी फुटेज पुलिस को शुरुआती जांच में ही मिल गई थी, जिसने उन्हें आरोपियों तक पहुंचने में मदद की।

बार कौंसिल चुनावों के लिये मतदान आज

जोधपुर, (कासं)। बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के वर्ष 2026 के चुनावों के अन्तर्गत जयपुर, जोधपुर एवं रायसिंहनगर में चार मई को मतदान होंगे। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने हेतु कौंसिल प्रशासन द्वारा सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेशानुसार, पुनर्मतदान दिवस पर 4 मई को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक प्रदेश के किसी भी विधि विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय के छात्रों को जयपुर उच्च न्यायालय परिसर, जयपुर सिविल कोर्ट परिसर, जोधपुर जिला न्यायालय परिसर एवं रायसिंहनगर न्यायालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। उल्लैखनीय है कि 22 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान अनेक उम्मीदवारों द्वारा शिकायत प्राप्त हुई थी कि विधि के छात्र न्यायालय परिसर में चुनाव प्रचार में संलिप्त पाए गए, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया बाधित हुई।

महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म, मामला दर्ज

- मामले में एक नाबालिग बालक निरूद्ध, अन्य आरोपी की तलाश जारी

कोटा, (निसं)। महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म और विरोध करने पर महिला की गर्दन पर शराब की बोतल से वार कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। महिला ने प्रकरण शहर के थाने में दर्ज करवाया है। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए मामले में एक नाबालिग बालक को निरूद्ध किया है। मामले में अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस उप अधीक्षक द्वितीय डॉ. पूनम चौहान ने बताया कि मामला 28 अप्रैल का है, 30 वर्षीय महिला अपने बॉयफ्रेंड मुकुल उर्फ धर्मेश से मिलने के लिए कोटा पहुंची थी, किसी काम में व्यस्त होने के कारण मुकुल ने अपने दो दोस्तों को महिला को लेने के लिये भेजा। दोनों दोस्तों में से एक नाबालिग और दूसरा बालिग था। यह दोनों महिला को लेकर एक अन्य व्यक्ति के रूम पर गए। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि रूम पर आरोपियों ने संबंध बनाने की कोशिश की, जिसका महिला ने विरोध किया। इस पर उन्होंने शराब की बोतल तोड़कर महिला की गर्दन पर वार कर दिया और महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मामले का खुलासा उस समय हुआ जब महिला को लेकर यह लोग वापस नयापुरा छोड़ने आ रहे थे। इस दौरान इनमें वापस झगड़ा हुआ और महिला के शोर मचाने एवं हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पहले महिला को उपचार के लिये अस्पताल ले गई और बाद में महिला की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए नाबालिग को निरूद्ध किया है अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

उदयपुर में तालाब में डूबने से युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। बड़गांव थाना क्षेत्र स्थित बड़ी तालाब में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान प्रकाश गमेती (36) पुत्र किशनलाल गमेती निवासी 57, शबरी कॉलोनी, आयड़ थाना भूपालपुरा के रूप में हुई है। घटना 2 मई की सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक प्रकाश गमेती बड़ी तालाब में नहाने गए थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया गया। मृतक के भाई यशवंत गमेती की सूचना पर रिपोर्ट दर्ज की। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक प्रकाशनाथ कर रहे हैं।

लूणकरणसर के भाड़ेरा गांव में सोलर प्लांट में चोरी की वारदात नाकाम

- ग्रामीणों ने मौके से चार संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया
- आरोपियों के पास से प्लास्टिक के कट्टों में भरी हुई केबल बरामद हुई, कुछ युवक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे

लूणकरणसर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के भाड़ेरा गांव में एक सोलर प्लांट में चोरी का प्रयास ग्रामीणों की सतर्कता से विफल हो गया। ग्रामीणों ने मौके से चार संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह घटना बीती रात करीब दो बजे की है। सोलर प्लांट के आसपास कुछ युवक संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए देखे गए। प्लांट के पास स्थित ढाणी में रहने वाले संदीप भादू ने उनकी गतिविधियों पर संदेह होने पर तत्काल गांव के अन्य लोगों को सूचित किया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और उन्होंने प्लांट को चारों ओर से घेर लिया। ग्रामीणों की अचानक हुई इस कार्रवाई से चोर संभल नहीं पाए। ग्रामीणों ने चार युवकों को पकड़ लिया, जबकि उनके कुछ साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे।

पकड़े गए आरोपियों के पास से प्लास्टिक के कट्टों में भरी हुई केबल बरामद हुई है। यह केबल सोलर प्लांट से चोरी की गई बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से अन्य संदिग्ध सामान भी जब्त किया है। ग्रामीणों की सूचना पर लूणकरणसर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी है।

सीकर जिले से दो युवतियां लापता, मामले दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में दो युवतियों के लापता होने का मामला सामने आया है। एक युवती कॉलेज जाने के लिए निकली थी जो वापस नहीं लौटी। वहीं महिला अपने बच्चों को छोड़कर चली गई। पुलिस अब दोनों की तलाश कर रही है।

21 साल की युवती के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ती है। 30 अप्रैल को वह सुबह 10 बजे के करीब घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी। कॉलेज टाइम पूरा होने के बाद भी वह घर पर नहीं लौटी। जब उसके मोबाइल पर कॉल किया गया तो मोबाइल भी स्विच ऑफ था। पता चला कि युवती कॉलेज भी नहीं पहुंची। 29 साल की महिला के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह सीकर के ग्रामीण एरिया में रहते हैं। जहां से उनकी पत्नी 29 अप्रैल की शाम को बच्चों को छोड़कर कहीं पर चली गई। काफी देर तक पत्नी के नहीं आने पर परिवार ने आस पड़ोस और रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन युवती का कुछ पता नहीं चल पाया।

हनुमानगढ़ में खेजड़ी और शीशम की लकड़ी से भरे सात वाहन जब्त

वन विभाग के अनुसार, जब्त की गई लकड़ियों का वजन लगभग 200 क्विंटल है

- वन विभाग ने सभी वाहनों को जब्त कर रावतसर वन रेंज कार्यालय में खड़ा करवाया, पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निसं)। रावतसर क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध खेजड़ी कटाई और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान भारी मात्रा में लकड़ी और सात वाहनों को जब्त किया गया। इस कार्रवाई से अवैध लकड़ी तस्करों में हड़कंप मच गया है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी सर्वजीत सिंह ने बताया कि डीएफओ सुरेश आबूसरिया के निर्देश पर पिछले कुछ समय से खेजड़ी की अवैध कटाई की शिकायतें लगातार मिल रही थी। इन शिकायतों के बाद विभाग ने विशेष निगरानी शुरू की। बीती रात एक योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सहायक वनपाल विनोद बिश्नोई को अपनी टीम के साथ झेदासर-न्यौलखी मार्ग पर तैनात किया गया। टीम ने बरमसर, धांधूसर और झेदासर की ओर से आ रहे वाहनों की सघन जांच की। जांच के दौरान छह पिकअप और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका गया। तलाशी लेने पर इनमें भारी मात्रा में अवैध खेजड़ी और शीशम की लकड़ी भरी हुई मिली। वन विभाग ने तत्काल सभी वाहनों को जब्त कर रावतसर वन रेंज कार्यालय में खड़ा करवा दिया।

विभाग के अनुसार, जब्त की गई लकड़ी का वजन लगभग 200 क्विंटल है। इसे क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि अवैध कटाई से पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है और खेजड़ी जैसे महत्वपूर्ण पेड़ों का संरक्षण आवश्यक है। विभाग अब लकड़ी के स्रोत और इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की भी गहनता से जांच कर रहा है।

फलोदी, बीकानेर, चूरू सट्टा बाजार के रुझानों से बंगाल चुनाव चर्चा का विषय बने

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में इस बार मामूली वोट प्रतिशत का अंतर भी सत्ता का समीकरण बदल सकता है

- फलोदी सट्टा बाजार के अनुसार भाजपा को 148 से 152 सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है
- जबकि तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी को 133 से 137 के बीच सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है

पोकरण, (निसं)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर देशभर में राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर हैं। इसी बीच राजस्थान के फलोदी, बीकानेर और चूरू सट्टा बाजारों के ताजा रुझानों ने चुनावी माहौल को और अधिक गर्म कर दिया है। चुनावी पूर्वानुमानों और राजनीतिक आकलनों के लिए प्रसिद्ध ये बाजार क्रिकेट, चुनाव, बरसात सहित कई विषयों पर अपने अनुमान और दांव के लिए जाने जाते हैं। इस बार बंगाल चुनाव को लेकर भी सट्टा बाजारों में लगातार बदलते संकेत राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

फलोदी सट्टा बाजार के अनुसार पश्चिम बंगाल में इस बार मुकाबला बेहद कांटे का माना जा रहा है। ताजा भावों के मुताबिक भाजपा को 148 से 152 सीटें मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी को 133 से 137 सीटों के बीच सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है। 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में भाजपा को हल्की बढ़त मिलती दिखाई दे रही है, लेकिन सट्टा बाजार में दोनों दलों के भाव लगभग बराबरी पर बने हुए हैं, जिससे सरकार गठन को लेकर सस्पेंस बरकरार है। राजस्थान का फलोदी सट्टा बाजार लंबे समय से चुनावी भविष्यवाणियों के लिए देशभर में चर्चित रहा है। लोकसभा से लेकर विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों तक यहां के भावों पर राजनीतिक दलों और विश्लेषकों की विशेष नजर रहती है। माना जाता है कि यहां के सट्टा रुझान जमीनी माहौल और मतदाताओं की बदलती मानसिकता का संकेत देते हैं। बीकानेर और चूरू के सट्टा बाजारों में भी बंगाल चुनाव को लेकर भारी हलचल देखी जा रही है।

बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार भारी मतदान प्रतिशत, महिला वोट बैंक, ग्रामीण क्षेत्रों की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों ने मुकाबले को पूरी तरह रोमांचक बना दिया है। कई चरणों के मतदान के बाद बाजार के भाव लगातार बदल रहे हैं, जिससे सरकार गठन को लेकर सस्पेंस और गहरा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल में इस बार मामूली वोट प्रतिशत का अंतर भी सत्ता का समीकरण बदल सकता है। फलोदी बाजार में दांव तेजी से बदलने का मतलब यही माना जा रहा है कि अंतिम समय तक किसी एक दल की स्पष्ट जीत तय नहीं मानी जा रही। वहीं सट्टा बाजार से अलग राजनीतिक चाणक्य को का अलग अलग रूझान मे भाजपा समर्थक अपनी सरकार बनने के दावे कर रहे हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस समर्थक भी ममता बनर्जी की वापसी को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं।

पाटन : ग्रीन एक्सप्रेस-वे को लेकर किसानों में आक्रोश

किसानों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी स्थिति में वे अपनी जमीन अधिग्रहण के लिए नहीं देंगे

- 181 किलोमीटर लंबे कोटपुतली-किशनगढ़ प्रस्तावित मार्ग के विरोध में किसान महापंचायत के पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों में संपर्क कर किसानों की राय जानी

पाटन, (निसं)। कोटपुतली-किशनगढ़ प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे को लेकर क्षेत्र के किसानों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। 181 किलोमीटर लंबे इस प्रस्तावित मार्ग के विरोध में किसान महापंचायत के पदाधिकारियों ने विभिन्न गांवों में संपर्क कर किसानों की राय जानी, जिसमें सभी किसानों ने एकजुट होकर अपनी जमीन देने से साफ इनकार कर दिया।

किसान महापंचायत राजस्थान प्रदेश संगठन महामंत्री गोवर्धन सिंह तेतरवाल, जिला अध्यक्ष बलदेव यादव नीमकाथाना और तहसील अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में ग्राम पंचायत छाजा की नांगल, फतेहपुरा, रामसिंहपुरा, बोपिया, हरिपुरा, हसामपुर, खुर्दिया सहित कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान किसानों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी स्थिति में वे अपनी जमीन अधिग्रहण के लिए नहीं देंगे।

किसानों का कहना है कि प्रस्तावित ग्रीन एक्सप्रेस-वे के समानांतर पहले से ही फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है, ऐसे में नई परियोजना के लिए उनकी कृषि भूमि का अधिग्रहण पूरी तरह अनुचित है। किसानों ने इसे उनके आजीविका पर सीधा हमला बताया। इसी मुद्दे को लेकर 4 मई को हसामपुर स्थित अटल सेवा केन्द्र में एसडीएम द्वारा पीड़ित किसानों के साथ जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। किसान महापंचायत के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक किसानों से इस जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी बात मजबूती से रखने की अपील की है।

तेज अंधड़ से विद्युत तंत्र को नुकसान पहुंचा

विद्युत आपूर्ति सुचारू करने में देर रात तक जुटे रहे जयपुर डिस्कॉम के कार्मिक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम तेज अंधड़ के कारण कई जगहों पर पेड़ टूटकर गिर गए। मुख्य रास्तों पर होर्डिंग, बैनर, साइनेज़ भी उडकर बिखर गए। यहां तक कि तेज अंधड़ के कारण बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर भी धराशायी हो गए। जिन्हें सुधारने के लिए रविवार देर शाम तक जयपुर डिस्कॉम की टीम जुटी रही। हालांकि मुख्य सड़कों और पार्कों में टूटकर गिरे पेड़ों को हटाने में जेडीए और नगर निगम की टीम सुस्त दिखी।

जयपुर विद्युत वितरण निगम के विभिन्न सर्किलों में कई जगहों पर पेड़, हॉर्डिंग्स टूट कर विद्युत तारों एवं कंडक्टर पर जा गिरे, जिससे विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई।

- 11 केवी और 33 केवी के 435 फीडरों में से 408 फीडरों में सप्लाई बहाल
- कॉलसेंटर पर दर्ज हुई 2245 शिकायतें, इनमें से 2171 का समाधान किया

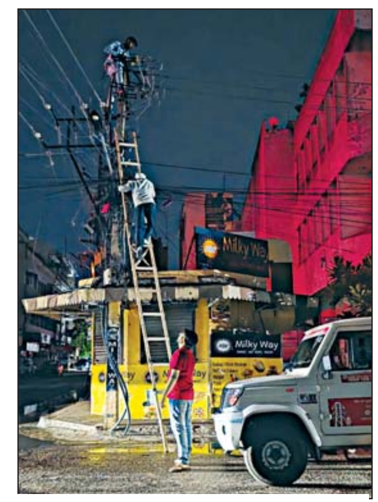

राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम आए तेज अंधड़ के कारण मुख्य सड़कों, पार्कों और विद्युत लाइनों पर पेड़ टूटकर गिर गए। अंधड़ के कारण प्रभावित हुई विद्युत सप्लाई को सुचारू करने के लिए जयपुर डिस्कॉम की टीम रविवार देर शाम तक जुटी रही।

तूफान के तुरंत बाद निदेशक (तकनीकी) आरके शर्मा जयपुर डिस्कॉम के राममंदिर स्थित केन्द्रीकृत कॉल सेंटर पहुंचे और वहां उपभोक्ताओं की नो करेंट संबंधी समस्याओं के तत्काल निराकरण की मॉनीटरिंग में जुट गए। डिस्कॉम्स चेयरमैन आरती डोगरा भी रात करीब 11.30 बजे कॉल सेंटर पहुंच गई और देर रात करीब 1 बजे तक कॉल सेंटर से ही सभी अभियंताओं एवं फील्ड में विद्युत आपूर्ति को बहाल करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का जायजा लिया। जयपुर के चारों सर्किलों में अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के प्रयासों में जुटे रहे। तूफान से अधिक प्रभावित जयपुर जिला सर्किल के चौमू, जोबनेर, दूदू, हाथोज, हरमाडा, जमवारामगढ क्षेत्र तथा जयपुर शहर के वैशालीनगर, मुरलीपुरा, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जगतपुरा, सीकर रोड स्थित अधिकतर कॉलोनियों में रात्रि को ही सप्लाई सुचारू कर दी गई थी।

तूफान से जयपुर जिला उत्तर एवं जयपुर जिला दक्षिण सर्किल में 333 वितरण ट्रांसफार्मरों तथा 1552 विद्युत खंभों को नुकसान पहुंचा, जिनमें से 239 ट्रांसफार्मरों तथा 1295 पोल को रविवार दोपहर तक दुरूस्त कर लिया गया था। इसी तरह 11 केवी के 423 फीडरों तथा 33 केवी के 12 फीडरों से विद्युत आपूर्ति में व्यवधान आया, जिनमें से 11 केवी के 396 फीडरों तथा 33 केवी के प्रभावित सभी 12 फीडरों में आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

तूफान का जयपुर जोन के जयपुर जिला दक्षिण एवं उत्तर सर्किल सहित दौसा, टोंक एवं कोटपूतली सर्किल में भी असर रहा। जयपुर जोन में कुल 433 वितरण ट्रांसफॉर्मरों को क्षित पहुंची। रविवार दोपहर तक इनमें से 305 ट्रांसफॉर्मरों को सुचारू कर दिया गया था। जोन में 2351 विद्युत पोल क्षतितग्रस्त हुए। इनमें से 1711 विद्युत पोल दुरूस्त कर दिए गए थे। वहीं 11 केवी के 640 फीडर में से 583 फीडरों तथा 33 केवी के प्रभावित सभी 35 फीडरों में विद्युत आपूर्ति को यथावत कर दिया गया है। जयपुर, भरतपुर एवं कोटा जोन में इस अंधड़ के कारण 2784 गांव, कस्बों एवं शहरों में विद्युत आपूर्ति पर असर पड़ा, जिनमें से 2506 में आपूर्ति बहाल कर दी गई है। शेष में भी आपूर्ति सुचारू करने के लिए टीम जुटी हुई हैं।

केन्द्रीकृत कॉल सेंटर पर शनिवार को विद्युत आपूर्ति में व्यवधान से संबंधित जयपुर शहर एवं जयपुर जिला सर्किल के उपभोक्ताओं की कुल 2245 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 2171 का समाधान कर दिया गया। कुल 74 शिकायतें अभी लंबित हैं।

तूफान की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

बिजली का तार टूट कर बाइक पर गिरने से लगी थी आग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में शनिवार देर शाम अचानक से मौसम परिवर्तन और तेज आंधी -तूफान में जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में बिजली का तार टूटकर बाइक सवार युवक पर गिर गया और बाइक में आग लग गई। आग में बाइक सवार युवक जिंदा जल गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर भिजवाया। रविवार सुबह गुस्साए परिजनों मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की। वहीं पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। मामला दर्ज होने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- परिजनों ने एसएमएस मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

थानाधिकारी मुकेश मीना ने बताया ने बताया कि खोह -नागोरियान निवासी यूनुस शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे जयसिंहपुरा खोर में अपने परिचित से मिलने जा रहा था। इसी दौरान आई आंधी-तूफान के कारण हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर रोड पर गिर गया। इसकी चपेट में आने से बाइक सहित यूनुस जमीन पर गिर गया। देखते ही देखते बाइक में आग लगने के साथ यूनुस भी करंट की चपेट में आते हुए जलने लगा। पुलिस ने जैसे-तैसे बिजली लाइन बंद करवाकर यूनुस को हॉस्पिटल पहुंचाया। डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद रविवार को मृतक के परिजन सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर पहुंचे और मुर्दाघर के बाहर विरोध प्रदर्शन करने लगे। इसी के साथ उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। हादसे के वक्त स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को फोन कर मामले की सूचना दी। लेकिन बिजली विभाग ने लाइट बंद नहीं की। अगर समय रहते लाइट बंद हो जाती तो यूनुस की जान बच जाती। इसी के साथ मृतक के परिजनों ने आर्थिक सहायता की मांग की। पुलिस ने बिजली विभाग के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

फिल्मी अंदाज़ में पलटी लग्जरी कार, चालक गंभीर घायल

रविवार दोपहर अजमेर-दिल्ली हाईवे पर हुआ हादसा

जयपुर । दौलतपुरा क्षेत्र में रविवार दोपहर अजमेर-दिल्ली हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। लकी होटल के पास तेज रफ्तार से जा रही एक लग्जरी कार अचानक अनियंत्रित होकर फिल्मी अंदाज़ में कई बार पलट गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की गति काफी तेज थी। अचानक संतुलन बिगड़ने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और कार उछलते हुए कई बार पलटती चली गई। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए दहशत और जाम की स्थिति बन गई। इस दुर्घटना में झोटवाड़ा निवासी 55 वर्षीय राजकुमार शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि वे दिल्ली से निजी कार्य निपटाकर जयपुर लौट रहे थे। लकी होटल के पास पहुंचते ही उनकी कार अनियंत्रित हो गई और हादसा हो गया।

सूचना मिलने पर दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल को कार से बाहर निकाला और हाईवे एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत में सुधार है और उपचार जारी है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे पुलिस ने तत्परता से सामान्य करवा दिया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है, हालांकि अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस हाईवे पर तेज रफ्तार के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वाहन चालक सावधानी नहीं बरत रहे। यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत को उजागर करती है।

जयपुर में कडी सुरक्षा के बीच 106 केन्द्रों पर हुई नीट परीक्षा

राजधानी में कुल 36508 ने भाग लिया, 851 परीक्षार्थी अनुपस्थित

जयपुर के परीक्षा केन्द्रों पर नीट परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को गहन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

जयपुर । नीट (यूजी) 2026 परीक्षा के सिटी कोऑर्डिनेटर महिपाल सिंह ने बताया कि रविवार को जयपुर शहर में नीट (यूजी) 2026 की परीक्षा सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। यह परीक्षा कलेक्टर संदेश नायक के निर्देशन व निगरानी में हुई।

शहर के कुल 106 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित इस महत्वपूर्ण परीक्षा में कुल 36,508 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जबकि 851 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल 97.72 प्रतिशत् परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई, जो परीक्षा के सुचारु संचालन को दर्शाती है। परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएँ की गईं। जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्वयं चयनित परीक्षा केन्द्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नरेन्द्र कुमार वर्मा, पुलिस नोडल अधिकारी आलोक शर्मा सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। परीक्षा संचालन के लिए 40 ड्यूटी मजिस्ट्रेट, 6 सिटी कोऑर्डिनेटर तथा बड़ी संख्या में पुलिस एवं प्रशासनिक कार्मिकों की तैनाती की गई थी, जिन्होंने मिलकर परीक्षा को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी के विरुद्ध नकल (अनुचित साधनों के प्रयोग) का कोई मामला सामने नहीं आया। सभी केन्द्रों पर परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई।

एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाला पकड़ा

जयपुर। सुभाष चौक थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी इस्ताक खान पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी ने पूछताछ में जयपुर सहित राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में 100 से अधिक वारदातें करना कबूल किया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि जयपुर शहर में चलाये जा रहे एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत वांछित अपराधियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक और सहायक पुलिस आयुक्त (माणक चौक) पीयूष कविया के सुपरविजन में थानाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी इस्ताक खान (30) निवासी सोहना (हरियाणा) को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार के अनुसार आरोपी के खिलाफ सुभाष चौक थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज था। आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड पर है, जिससे गिरोह के अन्य सदस्यों और अन्य वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है । जांच में सामने आया है कि यह गिरोह एटीएम बूथ पर मदद के बहाने लोगों के कार्ड बदल लेता था और फिर उनके खातों से पैसे पार कर देता था। आरोपित इस्ताक खान एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में कई मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक ग्यारसी लाल, हेड कांस्टेबल दुलीचन्द (तकनीकी सहायक), कांस्टेबल अनिल कुमार और श्रीराम शामिल थे।

विधानसभा परिसर में लहलाएंगे औषधीय और नक्षत्रों से संबंधित पौधे

जयपुर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी की एक और पहल से विधान सभा परिसर में नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका का अभिनव सृजन किया जा रहा है। यह वाटिकाएं भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, प्राचीन ज्योतिषीय जान, आयुर्वेद चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का सजीव उदाहरण बनेगी। इन वाटिकाओ का उद्घाटन डॉ. देवनानी 5 राज्यों के स्पीकर्स के साथ 5 मई को प्रातः 10 बजे करेंगे। राजस्थान विधान सभा में इस नवाचार के मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष सर्व नरेन्द्र सिंह तोमर, सतीश महाना, कुलदीप सिंह पठानिया, सूरमा पाढी और मिगमा नाबू साक्षी बनेंगे। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहेंगे।

- 5 मई को 5 राज्यों के स्पीकर्स के साथ देवनानी करेंगे दोनों वाटिकाओं का उद्घाटन

डॉ. देवनानी ने बताया कि नक्षत्र वाटिका की अवधारणा भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है। ज्योतिष में प्रत्येक नक्षत्र का संबंध एक विशिष्ट वृक्ष से माना गया है। इसके लिए विधान सभा के दक्षिण भाग में दोनों पार्किंग के मध्य पांच हजार वर्ग मीटर अर्ध चन्द्राकार उद्यान विकसित किया गया है। इस वाटिका में 27 नक्षत्रों अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगसिर, आर्दा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल. पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती से संबंधित प्रमुख वृक्षों क्रमशः कुचला, आंवला, गूलर, जामून, खैर, शीशम, बांस, पीपल, नागकेसर, बरगद/बट, पलाश, पाकड, रीठा/चमेली, बेल, अर्जुन, कटारी, मौलश्री, चीड/संभल, साल, जलवेतर/अशोक, कटहल, शमी/आक, मदार/शमी, कदंब, आम, नीम, महुआ का रोपण किया जा रहा है। इन पौधों का नौ ग्रहों, बारह राशियों और त्रिदेव ब्रह्मा. विष्णु एवं शिव से भी संबंध है।

डॉ. देवनानी ने बताया कि विधान सभा परिसर में आठ सौ पचास वर्ग मीटर में हर्बल वाटिका भी विशेष रूप से विकसित की गई है। इसके लिए विधान सभा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में 8 13 फीट की सुव्यवस्थित 38 क्यारियों 38 क्यारियों में 38 प्रजातियों के पौधे लगाये जा रहे है। प्रत्येक क्यारी में एक प्रजाति के 20 से 25 पौधों का रोपण किया जा रहा है। औषधीय पौधों में रोजमेरी, लौंग, समुद्र बेल, अजवाइन, बैजंती, पेपर-मिन्ट, पचोली, इंसुलिन, मेहंदी, पत्थर चट्टा, ओडोमास, केशवर्धनी, अश्वगंधा, सिट्रोनेला, कालमेघ, अग्रिमन्थ, हटजोड, ऐलोविरा (ग्वारपाटा), लेमनग्रास, वेटिवर ग्रास (खस), वेखंड (स्वीट फ्लैग), तुलसी, इलायची, पिपली, कपूर, गुज, दन्ती, मरवा, अक्कड काडा, स्टीविया, अजावृक्ष, सतावरी, रतनजोत. निरगुडी, रेड अडुसा (लाल वासा), सर्पगंधा, पान या नागरबेल और ब्रहमी शामिल है, जो आयुर्वेदिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मादा बाघ चमेली ने शावक को दिया जन्म

जयपुर । राजधानी के नाहरगढ़ जैविक उद्यान (बायोलॉजिकल पार्क) से वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी आई है। यहाँ महाराष्ट्र से लाई गई मादा बाघ चमेली ने रविवार को एक शावक को जन्म दिया है। नए मेहमान के आगमन के साथ ही उद्यान प्रशासन ने सुरक्षा और मॉनिटरिंग के कड़े इंतजाम किए हैं।

उपवन संरक्षक (वन्यजीव) चिड़ियाघर ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि नर बाघ गुलाब और मादा बाघ चमेली को 6 अगस्त 2024 को गोरेवाड़ा महाराष्ट्र से नाहरगढ़ जैविक उद्यान लाया गया था। इसके बाद जनवरी माह के प्रथम पखवाड़े में दोनों के बीच मैटिंग हुई थी। रविवार को चमेली ने अपने पहले शावक को जन्म दिया। जिससे पार्क में बाघों का कुनबा बढ़ गया है। शर्मा ने बताया कि शावक और मादा बाघ दोनों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पदस्थापित वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद कुमार माथुर द्वारा उनकी सतत निगरानी की जा रही है। वहीं क्षेत्रीय वन अधिकारी शुभम शर्मा ने सुरक्षा और देखभाल के लिए विशेष टीम तैनात की है। मादा बाघ चमेली और उसके शावक की 24 घंटे मॉनिटरिंग के लिए तीन कार्मिकों की ड्यूटी राउंड द क्लॉक (दिन-रात) लगाई गई है। ताकि किसी भी स्थिति में तत्काल सहायता सुनिश्चित की जा सके।

सार-समाचार

ट्रेलर और ट्रक में जोरदार भिड़ंत

जयपुर । करणी विहार थाना इलाके में स्थित एक्सप्रेस हाईवे पर गलत तरीके से ओवरटेक करते समय तेज रफ्तार ट्रेलर और ट्रक में जोरदार भिड़ंत हो गई और दोनो वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया की रैलिंग तोड़ते उसे से टकरा कर नीचे गिरने से बच गए। इस हादसे में ट्रक में लदे केमिकल के ड्रम सड़क पर गिर गए और उनमें रखा केमिकल सड़क पर बिखर गया। जिसके बाद एक्सप्रेस हाईवे पर लंबा जाम लग गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनो क्षितगस्त वाहनों को रोड से साईड में करवा कर यातायात सुचारु किया। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम करीब सवा 5 बजे थाना इलाके में स्थित जयपुर एक्सप्रेस-वे हाईवे पर गलत तरीके से ओवरटेक करते वक्त तेज रफ्तार ट्रक और ट्रेलर में जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसके बाद दोनो वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया की रैलिंग में जा घुसे और पुलिया से नीचे गिरने से बच गए। गनीमत रहीं दोनो वाहन पुलिया से नीचे नहीं गिरे। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे के बाद ट्रक में लदे केमिकल के ड्रम सड़क पर बिखर गए और केमिकल रोड़ पर आ गया। पुलिस ने दमकल विभाग की एक गाड़ी की मदद से सड़क पर बिखरे केमिकल से साफ कराया। इस हादसे में ड्राइवर और कंडेक्टर बाल-बाल बच गए।

डॉ. सत्यनाराण सिंह की पुस्तक का विमोचन

जयपुर । पूर्व आईएएस स्व. डॉ. सत्यनारायण सिंह द्वारा लिखे गए 800 लेखों में से 37 चयनित लेखों के संकलन के तौर पर बनी पुस्तक "आधुनिक भारत के निर्माता नेहरू, इंदिरा और राजीव" पुस्तक का विमोचन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने निवास पर किया। उन्होंने स्व. सत्यनारायण सिंह के व्यक्तित्व प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहे। उनके प्रशासनिक सेवा काल में गरीब एवं असाहय लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी हीलो हुज्जत के मिलता था। इस अवसर पर प्रकाशन समिति के सदस्य और डॉ. सत्यनारायण सिंह के पुत्र डॉ. रिपुन्जय सिंह, उनकी पुत्र वधु डॉ. पुनीता सिंह, साहित्यकार फारूख आफरीदी, सनी सेविस्टीयन, अनिल सिंह, सत्येन चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री गोविन्द मेघवाल, राधेश्याम उपाध्याय, विजेन्द्र मिश्रा तथा सह सम्पादक हेमन्त शर्मा आदि उपस्थित थे।

सुधांशु महाराज के जन्मदिन पर उल्लास पर्व

जयपुर । विश्व जागृति मिशन (विजामि) के संस्थापक और देश के जाने-माने आध्यात्मिक संत धर्माचार्य श्री सुधांशु जी महाराज का 71वां जन्मदिन गुलाबी नगरी में जयपुर मंडल के श्रद्धालुओं द्वारा उल्लास पर्व के रूप में मनाया गया। आदर्श नगर में बीस दुकान स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित उल्लास पर्व के सिलसिले में विशेष हवन और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। आचार्य मोहन लाल शास्त्री और आचार्य विष्णु कुमार शर्मा के सानिध्य में आयोजित विशेष यज्ञ में जयपुर मंडल के प्रधान मदनलाल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों दिनेश गुप्ता, द्वारका प्रसाद मुटरेजा, मदनलाल शर्मा आदि मौजूद रह।

राजस्थान में आज भी तेज आंधी और बारिश की संभावना

जयपुर । प्रदेश में एक नए मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 4 मई को बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं 50 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार देर रात आए अंधड़ और बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आमजन को गर्मी से राहत मिली है। रविवार को प्रदेश के छह शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया, जबकि 13 शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के पार रहा। फलौदी सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 और न्यूनतम 31.2 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के विभिन्न भागों में मेघगर्जन, आंधी और हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। वर्तमान में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच है, जो सामान्य के आसपास है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने ओड समाज को दी बड़ी सौगात

जयपुर में छात्रावास और रामदेवरा में धर्मशाला के लिए भूमि आवंटन की घोषणा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित ओड समाज संवाद कार्यक्रम में ओड समाज को बड़ी सौगात देते हुए जयपुर में छात्रावास तथा रामदेवरा में धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओड समाज का इतिहास श्रम, संस्कृति और स्वाभिमान का प्रतीक रहा है तथा राष्ट्र निर्माण में इस समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उनके निवास पर ओड समाज के लोगों ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओड समाज ने राजस्थान की जल संरक्षण परंपरा को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किलों, महलों और जल संरचनाओं के निर्माण में समाज की दक्षता ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा कि समाज के पूर्वजों ने जल संसाधनों के संरक्षण और उपयोग की अद्भुत परंपरा विकसित की, जो आज भी प्रेरणास्त्रोत है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पाक विस्थापित ओड समाज के लोगों की हरसंभव सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि राज्य सरकार उनके सामाजिक और शैक्षिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं पर किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा ग्रामीण और श्रमिक वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों का सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण सरकार की श्रम नीति का आधार है। मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, श्रम योगी मानधन योजना, ई-श्रम पोर्टल और श्रम-सेतु मोबाइल ऐप जैसी योजनाओं के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, श्रमिक कल्याण योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये के भुगतान, घुमंतू एवं अर्द्धघुमंतू समुदायों के लिए पट्टों के वितरण तथा शिक्षा सुविधाओं के विस्तार जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रत्येक जिले में घुमंतू एवं श्रमिक वर्ग के बच्चों की शिक्षा के लिए 'स्कूल ऑन व्हील्स' स्थापित किए जाएंगे। साथ ही पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, श्रमिक परिवारों को सामाजिक सहायता और बेटियों की शिक्षा व विवाह के लिए विशेष योजनाओं को भी सुदृढ़ किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ओड समाज के युवाओं से आधुनिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने, महिलाओं और बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आ ान किया। इस अवसर पर ओड महासभा के अध्यक्ष प्रेम ओड सहित बडी संख्या में समाज के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम सामाजिक उत्थान, श्रमिक सम्मान और सामुदायिक विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण बना।

गैस सिलेंडर में आग, पुलिसकर्मी ने बुझाई

जयपुर । गलता गेट थाना इलाके में स्थित बासबदनपुरा के शिवा कॉलोनी में शनिवार देर रात अचानक से गैस सिलेंडर में आग लग गई। जिसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। शोर-शराब की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे । जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंच पुलिस के एक पुलिसकर्मी ने अपनी सूझबुझ दिखाते हुए आग की लपटों से घिरे सिलेंडर को मकान से बाहर निकाला और आग पर काबू पाया। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि थाना इलाके में स्थित शिवा कॉलोनी में शनिवार देर रात करीब 10 बजे एक मकान में गैस सिलेंडर में आग लग गई।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम ANJNA JAIN से बदलकर ANJANA JAIN (अंजना जैन) पत्नी देवेंद्र कुमार जैन रख लिया है भविष्य में मुझे ANJANA JAIN (अंजना जैन) के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासी-401, कृष्ण कृपा-1, सुभाष नगर, जयपुर 302016

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उन्होंने स्पिनरों के सामने विकेट के पीछे पूर्व भारतीय कप्तान की तरह विकेटकीपिंग करते हुए "किसी और" को नहीं देखा है।

- आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, महेन्द्र सिंह धोनी की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विनेश फोगाट

सीनियर महिला पहलवान विनेश फोगाट ने रविवार को चेतावनी दी कि गोंडा में आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान उनके या उनकी टीम के सदस्यों के साथ कुछ भी अप्रिय घटना होने पर भारत सरकार जिम्मेदार होगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रतियोगिता में "पक्षपातपूर्ण फैसलों" की आशंका भी जताई। विनेश ने लगभग 18 महीनों के बाद वापसी करने से पहले एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि बृज भूषण शरण सिंह से जुड़े स्थल पर होने वाली प्रतियोगिता के परिणामों पर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख के करीबी व्यक्ति प्रभाव डाल सकते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... मार्च 2026 तक, भारत आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में 119 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर है। भारत विश्व कप के फाइनल में चार बार पहुंचा है और दो बार खिताब जीता है।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात ने पंजाब को 4 विकेट से हराया

साई सुदर्शन की फिफ्टी, होल्डर को चार विकेट

अहमदाबाद, 3 मई। गुजरात टाइटंस ने रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 163 रन बनाए। इसके जवाब में गुजरात टाइटंस ने आखिरी ओवर तक चले मुकाबले में एक गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया।

गुजरात ने 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 167 रन बनाकर मैच जीता। गुजरात की आईपीएल 2026 में 10 मैचों में छठवीं जीत है, जबकि पंजाब ने दूसरा मुकाबला गंवाया। आईपीएल 2026 के 46वें मुकाबले में पहले बैटिंग करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिए। प्रियांश आर्या दो और कूपर कोनली बिना खाता खोले आउट हुए। मोहम्मद सिराज पहले ओवर में हैट्रिक से चूक गए। छठे ओवर में प्रभसिमरन सिंह 14 गेंद में 15 रन बनाकर आउट हुए। नेहल वढेरा भी खाता नहीं खोल सके। कप्तान श्रेयस अय्यर 21 गेंद में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सूर्यांश शेडगे ने 29 गेंद में 57 रन की पारी खेली। इस दौरान सूर्यांश ने तीन चौके और पांच छक्के मारे। मार्कस स्टायनिस ने 31 गेंद में 40 रन का योगदान दिया। जेवियर का खाता नहीं खुला।

साई सुदर्शन ने फिफ्टी लगाई, बटलर के साथ साझेदारी की

बटलर के साथ साझेदारी की रन चेज में गुजरात ने 16 रन के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल (5 रन) का विकेट गंवा दिया था। उन्हें अर्शदीप सिंह ने कैच कराया। यहां से साई सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जोस बटलर के साथ मिलकर स्कोर 69 रन तक पहुंचाया। फिर निशांत सिंधु के साथ मिलकर टीम को 100 पार पहुंचा दिया। जब सुदर्शन आउट हुए तब तक टीम 124 के स्कोर तक पहुंच चुकी थी। बाकी का काम वॉशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया ने पूरा कर दिया।

जेसन होल्डर ने 4 विकेट झटके

शेडगे की फिफ्टी बेकार पहले बैटिंग करते हुए पंजाब ने टीम ने 47 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से सूर्यांश शेडगे ने मार्कस स्टोयनिस के साथ 44 बॉल पर 79 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 100 पार पहुंचाया। शेडगे ने 29 बॉल पर 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि स्टोयनिस 40 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात की ओर से जेसन होल्डर ने 4 विकेट झटके।

रामकृष्ण घोष आईपीएल से हुए बाहर

नई दिल्ली, 3 मई। चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के बाद बड़ा झटका लगा है। चेन्नई के स्टार ऑलराउंडर रामकृष्ण घोष चोट के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं। उन्हें ये चोट मुंबई इंडियंस के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान लगी। चेन्नई ने बताया है कि उन्हें दाएं पैर में फ्रैक्चर है। रामकृष्णा ने शनिवार को ही आईपीएल डेब्यू किया था और उसी मैच में चोट लगने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

थॉमस कप के सेमीफाइनल में हार के बाद भारत को कांस्य पदक

नई दिल्ली, 3 मई। भारतीय बैडमिंटन टीम को थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस के विरूद्ध 3-0 से हार मिली। भारत को कास्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम के प्रदर्शन पर भारतीय बैडमिंटन संघ ने कहा कि भले ही पदक का रंग वह न हो जिसकी हमने उम्मीद की थी, लेकिन विश्व मंच पर कांस्य पदक हासिल करना भारतीय बैडमिंटन के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारतीय बैडमिंटन संघ ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भले ही नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा।

कोलकाता ने आईपीएल के 9 मैचों में दर्ज की तीसरी जीत, हैदराबाद को 7 विकेट से हराया

हैदराबाद, 3 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रविवार को खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 45वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को सात विकेट से हरा दिया। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआरएच पूरे ओवर भी नहीं खेल पाई और 19 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में केकेआर ने 18.2 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कोलकाता के सात अंक हो गए हैं। टीम 9 मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में 8वें नंबर पर है। हैदराबाद की 10 मैचों में यह चौथी हार है। टीम 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर को कप्तान अजिंक्य रहाणे और इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे फिन एलेन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन बटोरे। फिन ने चौथे ओवर में दो चौके और दो छक्के जड़ते हुए पारी को तेजी से आगे बढ़ाया। हालांकि, इसी ओवर की आखिरी गेंद पर फिन एक और बड़े शॉट के प्रयास में कैच दे बैठे। फिन ने 13 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 29 रन बनाए। इसके बाद रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के बीच शानदार साझेदारी हुई। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी निभाई और टीम को जीत के करीब ले गए। रहाणे 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। रहाणे ने अपनी पारी में 36 गेंदों का सामना किया और चार चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाए। कप्तान का विकेट गिरने के कुछ देर बाद रघुवंशी भी पवेलियन लौट गए। उन्होंने 47 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। अंत में रिंकू सिंह और कैमरून ग्रीन ने टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। रिंकू ने नाबाद 22 रन और ग्रीन ने नाबाद 3 रन बनाए।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से कप्तान पैट कमिंस, शिवांग कुमार और साकिब हुसैन ने एक-एक विकेट लिया। मुकाबले में हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। टीम को सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। अभिषेक ने 10 गेंदों में 15 रन बनाए। उनका विकेट गिरने के बाद हेड और ईशान किशन ने पारी को तेजी से आगे बढ़ाया। इस दौरान हेड ने 22 गेंदों पर अपनी अर्धशतक भी पूरा किया।

हैदराबाद का दूसरा विकेट 105 रन के कुल स्कोर पर गिरा। हेड 28 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। ट्रेविस का विकेट गिरने के बाद हैदराबाद की पारी धीमी हो गई। टीम एक के बाद एक विकेट गिरने से आगे 60 रन ही जोड़ पाई। टीम पूरे ओवर भी नहीं खेल पाई और 19 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई। हेड के अलावा किशन ने 29 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन की पारी खेली। इनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लिए। सुनील नरेन और कार्तिक त्यागी को दो-दो विकेट मिले, जबकि वैभव अरोड़ा, कैमरून ग्रीन और अनुकूल रॉय को एक-एक सफलता मिली।

ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध हमने अच्छा खेला, लेकिन अब हमारा ध्यान जापान पर : पामेला कोंटी

नई दिल्ली, 3 मई। फुटबॉल टूर्नामेंट एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में 21 साल बाद वापसी करने वाली भारतीय टीम को अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम का फोकस अगले मैच पर है, जिसे टीम जीतकर वापसी करना चाहती है। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमने अच्छा खेला, लेकिन अब हमारा ध्यान जापान के खिलाफ मैच पर है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से बात करते हुए मुख्य कोच पामेला कोंटी ने माना कि मुकाबला कठिन था और ऑस्ट्रेलिया शारीरिक रूप से मजबूत टीम है। उन्होंने कहा कि टीम ने रक्षात्मक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। ज्यादा गोल न खाना महत्वपूर्ण था और अंत में जो गोल हुआ, वो हमारी अपनी गलतियों के कारण हुआ। हमें इसी क्षेत्र में काफी सुधार करने की जरूरत है। परिणाम के बावजूद उन्होंने रक्षात्मक दृष्टि से कुछ विशिष्ट सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसमें कई सकारात्मक पहलू हैं। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया ज्यादा गोल नहीं कर पाई। हमने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया। सभी खिलाड़ियों ने जबरदस्त जोश और प्रतिबद्धता दिखाई। अब हमारा ध्यान जापान पर केंद्रित है। कोच ने कहा कि मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। हमने शानदार मैच खेला। ऑस्ट्रेलिया एक बहुत मजबूत टीम है। अब हमें जापान का सामना करना है, जो शायद और भी कठिन होगा। हमें खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति का भी ध्यान रखना होगा क्योंकि यह आसान नहीं होगा। मिडफील्डर थंदामोनी बास्के ने भी इस भावना को दोहराया। उन्होंने कहा कि यह हमारा पहला मैच था। मुझे लगता है कि हमने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हम और भी बेहतर कर सकते थे। वे ज्यादा शॉट नहीं लगा पाए और जो एक गोल आखिर में उन्होंने किया वह भी हमारी गलती से हुआ। अभी हमारे पास मैच बाकी हैं, इसलिए हम और कड़ी मेहनत करेंगे और जीतने की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम ने शनिवार को चीन के सूजौ स्थित सूजौ ताइहु फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर पिच 8 में खेले गए ग्रुप बी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-2 से हार के साथ एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 अभियान की शुरुआत की। भारत अब पांच मई को चार बार की चैंपियन जापान से भिड़ेगा, जिसके बाद आठ मई को उसका सामना लेबनान से होगा।

एचआरएच को हराने के बाद गदगद हो गए केकेआर के कप्तान

हमारे पास कमाल की टीम है : रहाणे

हैदराबाद, 3 मई। सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से करारी शिकस्त देने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे काफी खुश नजर आए। उन्होंने इस मैच के जीतने के बाद पिच को बल्लेबाजी के अनुकूल बताया लेकिन अपनी गेंदबाजी की जमकर तारीफ की। रहाणे ने कहा कि हमारे स्पिनर्स ने इतनी दमदार गेंदबाजी की कि विपक्षी यूनिट को बहुत अधिक रन नहीं बनाने दिए। रहाणे ने इस जीत का क्रेडिट गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो और टिम साउदी को भी दिया।

190 से 200 का टारगेट चुनौतीपूर्ण होता - पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में कप्तान रहाणे ने कहा "बहुत अच्छा मैच था। जिस तरह से हमने गेंदबाज़ी में वापसी की, वो कमाल था। लग रहा था कि वो 190-200 रन बना लेंगे। विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था। 190-200 रन का पीछा करना चुनौतीपूर्ण होता। लेकिन हमारी गेंदबाजी, खासकर स्पिनरों को श्रेय जाता है। उन्होंने लगातार विकेट लिए। ये छोटे-छोटे पल बहुत मायने रखते हैं, जीत से बहुत खुश हूं।" उन्होंने कहा "पिछले 5-6 मैचों में हमारी गेंदबाजी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हमारे गेंदबाजी कोच - ब्रावो और साउथी को भी श्रेय जाता है।"

अभ्यास सत्रों में मेहनत करने, योजना बनाने का परिणाम - अंजिक्य रहाणे ने बताया कि कैसे उनकी टीम ने शुरुआती हारे के बाद खुद को रिकवर किया। उन्होंने कहा "अभ्यास सत्रों के दौरान बहुत बातचीत हुई, बहुत योजना बनाई, अलग-अलग विरोधी टीमों के खिलाफ खेला, अलग-अलग मैदानों पर खेला। सब कुछ योजना बनाने और उसे अमल में लाने के बारे में है। कभी-कभी रन लुटाएंगे, लेकिन जब तक आपका दिमाग शांत है, वही महत्वपूर्ण है। ब्रेक से पहले यह जीत बहुत महत्वपूर्ण थी। 2-3 अभ्यास सत्र हुए। सब कुछ मानसिक रूप से तरोताजा रहने के बारे में है।" रहाणे ने आगे कहा "हमें उन क्षेत्रों की पहचान करनी होगी जिनमें सुधार किया जा सकता है। सहायक स्टाफ ने बहुत अच्छा काम किया है। भले ही हम पहले 5 मैच हार गए, लेकिन माहौल बहुत शांत था। फिलहाल हमारे पास जो टीम है, वो वाकई कमाल की है।

कार्तिक में हर परिस्थिति में ढलने की है काबिलियत : गायकवाड़

नई दिल्ली, 3 मई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि वह न सिर्फ बड़े शॉट लगा सकता है, बल्कि समझदारी से खेलते हुए हर परिस्थिति में खुद को ढाल सकता है। नंबर चार पर उसकी मौजूदगी टीम को बेहतर संतुलन देती है, जहां वह तेज गेंदबाजों और स्पिन दोनों के खिलाफ प्रभावी भूमिका निभा सकता है। इंडियन प्रीमियर लीग के 44वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके की जीत में 20 वर्षीय कार्तिक शर्मा की भी अहम भूमिका रही, जिन्होंने 4 चौके और तीन छक्के की मदद से 40 बॉल पर नाबाद 54 रन बनाए।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मैच के बाद कहा, हमने शुरुआत अच्छी की, लेकिन फिर कुछ ओवर में उन्होंने लय पकड़ी। उसके बाद हमने वापसी की। पावरप्ले के बाद हमने मैच को बहुत अच्छे से कंट्रोल में कर लिया। बस शुरुआती कुछ ओवरों को निकालने की बात थी और फिर यह पक्का करना था कि टॉप तीन बल्लेबाजों में से कोई एक आखिर तक टिका रहे और काम पूरा करे। बहुत अच्छा लग रहा है, एक मजबूत टीम के खिलाफ इतनी बड़ी जीत मिली है। कार्तिक की पारी को लेकर गायकवाड़ ने कहा कि यह उसके और हमारे लिए भी आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। मुझे लगता है वह छक्के लगाने वाला बल्लेबाज है, लेकिन उसके पास दूसरा खेल भी है, जहां वह चुनकर गेंदों को खेलता है। हमने पिछले मैच से सोचा कि नंबर चार पर बल्लेबाजी करने से हमें वह संतुलन मिल सकता है, जहां वह तेज गेंदबाजों को अच्छी तरह से खेल सकता है।

66वें केंद्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर के लिए आवेदन आमंत्रित

माउंट आबू, बांसवाड़ा व जयपुर में आयोजित होंगे शिविर

जयपुर, 3 मई। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 66वें केंद्रीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर (2026-27) की घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष यह प्रशिक्षण शिविर माउंट आबू (सिरोही), जयपुर और बांसवाड़ा में आयोजित किए जाएंगे। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की सचिव नीतू बारूपाल ने बताया कि प्रदेश के प्रतिभावान बालक-बालिका खिलाड़ी इन शिविरों के लिए 15 मई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। मुख्य शिविर का आयोजन माउंट आबू में आयोजित होगा, जिसमें हैंडबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयपुर में फुटबॉल, क्रिकेट, जिम्नास्टिक, जूडो, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, भारोत्तोलन, खो-खो और साइकिलिंग के लिए बालक-बालिकाओं के लिए शिविर का आयोजन होगा। नीतू बारुपाल ने बताया कि बांसवाड़ा (जनजाति शिविर) में विशेष रूप से जनजाति क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए आयोजित इस शिविर में वॉलीबॉल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, कबड्डी, हॉकी, बास्केटबॉल, खो-खो, फुटबॉल और हैंडबॉल खेलों को शामिल किया गया हैं। उन्होंने बताया कि इच्छुक खिलाड़ी परिषद की आधिकारिक वेबसाइट www.rssc.in से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्रों को संबंधित खेल अधिकारियों या प्रशिक्षकों के माध्यम से मुख्यालय भेजना अनिवार्य है। बारुपाल ने बताया कि प्रत्येक खेल में कम से कम 20 फॉर्म आवश्यक रूप से भरवाए जाएं। साथ ही शिविरों के सफल संचालन के लिए वित्तीय सलाहकार श्रीमती कमलप्रीत कौर को भोजन, आवास, टेंट और खेल सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रशिक्षण शिविर माह जून 2026 में आयोजित होंगे, जिससे खिलाड़ियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में अपनी खेल तकनीक सुधारने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

काल्विन शील्ड प्रतियोगिता हेतु जिले की टीम का चयन ट्रायल कल

दौसा, 3 मई। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित कॉलविन शील्ड सीनियर प्रतियोगिता 11 मई से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल 5 मई को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर सुबह 8 बजे ली जाएगी ट्रायल के लिए आने वाले खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र डिजिटल बोनाफाइड प्रमाण पत्र डिजिटल अपना और अपने माता-पिता के आधार कार्ड और पिछले तीन वर्ष की मार्कशीट ओरिजिनल लाना अनिवार्य है इसके अलावा सभी खिलाड़ियों की आधार अपडेट भी चेक की जाएगी सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के मैच कराए जाएंगे इसके अलावा पिछले 2 वर्षों का खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी देखा जाएगा उसके बाद ही टीम का चयन किया जाएगा। अभी तक पिछले दो तीन साल का रिकॉर्ड अनुसार दौसा की टीम में तीन चार खिलाड़ियों को छोड़कर बाक़ी टीम के खिलाड़ी एवरैज भी नहीं है इसके लिए डीसीए की टीम बैठकर आगे कोई निर्णय लेगी।

भीलवाड़ा जिला तैराकी संघ के चुनाव

कार्तिकेय व्यास अध्यक्ष, गौतम सिंह सचिव और नमन कोषाध्यक्ष बने

जयपुर, 3 मई। भीलवाड़ा जिला तैराकी संघ के रविवार को संपन्न चुनावों में कार्तिकेय व्यास को अध्यक्ष और महाव्रत गौतम सिंह चौहान को सचिव चुना गया है। चुनाव अधिकारी रामपाल बिड़ला की देखरेख में जिला संघ की कार्यकारिणी के सभी पदों पर आगामी चार वर्ष के लिए निर्विरोध निर्वाचन हुआ। चुनाव प्रक्रिया के दौरान राजस्थान तैराकी संघ की ओर से विनोद सनाढ्य, जिला ओलंपिक संघ की ओर से लाजपत आचार्य और जिला क्रीडा परिषद की ओर से हेमेन्द्र सिंह राणावत पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। जिला संघ की नई कार्यकारिणी में कार्तिकेय व्यास अध्यक्ष, महाव्रत गौतम सिंह चौहान सचिव और नमन ओझा कोषाध्यक्ष के पद पर चुने गए। नरेश बूलिया को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जितेन्द्र सर्वा, गोपाल कृष्ण सुल्तानिया और कुणाल ओझा को उपाध्यक्ष, गोपाल सोनी, राकेश वर्मा, सत्यनारायण टेलर और वेदप्रकाश सुथार को सह सचिव के पद पर चुना गया है।

के.एम. रूंगटा ट्रॉफी

मानेंद्र व आदित्य के शतकों से मजबूत स्थिति में मान क्लब

जयपुर, 3 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी में आज खेले गए तीन दिवसीय मैच के पहले दिन टीम सी (मान क्लब) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट पर 337 रन बनाए। टीम सी (मान क्लब) पहली पारी - 67 ओवर 4 विकेट पर 337 रन । आदित्य शर्मा 26 रन, मानेंद्र सिंह 132 रन (171 गेंद, 17 चौके व 1 छक्के), हर्ष पारवानी 15 रन, आदित्य झाला 127 रन नाबाद (155 गेंद, 19 चौके व 3 छक्के) व अमन सिंह शेखावत 10 रन नाबाद। टीम बी के लिए हर्ष कुमार मीणा ने 62 पर 2, यश त्रिपाठी व दिव्यांश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

राजस्थान तैराकी संघ की एजीएम, कलैंडर की घोषणा जयपुर में होगी सीनियर स्टेट चैम्पियनशिप, जूनियर की मेजबानी राजसमंद को

जयपुर, 3 मई। राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता इस साल जयपुर में आयोजित की जाएगी, जबकि जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी राजसमन्द जिले को सौंपी गई है। भीलवाड़ा में रविवार को राज्य तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास की अध्यक्षता में संपन्न राज्य संघ की साधारण सभा की बैठक में यह निर्णय लिए गए। इसके साथ ही प्रदेश में नव गठित जिलों में नई इकाइयों के गठन के लिए एक कमेटी गठित करने का भी निर्णय लिया गया। एजीएम के बाद मीडिया से बातचीत में अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि सीनियर स्टेट चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए जयपुर जिले का प्रस्ताव आया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया गया। सीनियर स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन 29 मई से जयपुर में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जूनियर स्टेट चैंपियनशिप की मेजबानी राजसमन्द को सौंपी गई है। यह प्रतियोगिता उदयपुर में संभवत: 15 जुलाई से आयोजित की जाएगी। आयोजन में राज्य संघ देगा मदद व्यास ने बताया कि एजीएम में यह भी तय किया गया कि स्टेट चैंपियनशिप के आयोजन में राज्य संघ की ओर से मेजबान जिला संघ को पूरी मदद की जाएगी। चैंपियनशिप के दौरान प्रतिभागी खिलाड़ियों के आवास खर्च के साथ ही पदक, स्टेशनरी और तकनीकी अधिकारियों के यात्रा और आवास का खर्च भी राज्य संघ द्वारा वहन किया जाएगा। जिला संघ पर अब सिर्फ प्रतियोगिता के वेन्यू, वहां की जाने वाली व्यवस्था और भोजन का खर्च रहेगा। नये जिलों के लिए कमेटी गठित अनिल व्यास ने बताया कि प्रदेश के नवगठित जिलों में से चार जिलों से जिला इकाई के गठन का प्रस्ताव एजीएम में आया। इस पर निर्णय के लिए विनोद सनाढ्य की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है।

नरेन आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

हैदराबाद, 3 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार स्पिनर सुनील नरेन इंडियन प्रीमियर लीग में 200 विकेट लेने वाले तीसरे एवं पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में हासिल की। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में 37 वर्षीय सुनील नरेन ने चार ओवर के अपने स्पेल में 31 रन देकर 2 विकेट चटकाए। उन्होंने एसआरएच के बल्लेबाज ईशान किशन और साहिल अरोड़ा को आउट किया। साहिल का विकेट उनके लिए यादगार रहा। इसी विकेट के साथ नरेन ने आईपीएल में अपने 200 विकेट पूरे किए।

राजस्थान रॉयल्स के मालिक बने मित्तल-पूनावाला, आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा और महंगा सौदा

जयपुर, 3 मई। आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मालिकाना हक में बड़ा बदलाव हुआ है। दुनिया के दिग्गज स्टील कारोबारी लक्ष्मी निवास मित्तल और आदित्य मित्तल ने इस टीम को खरीद लिया है। इस बड़ी डील में सीरम इंस्टीट्यूट के अदार पूनावाला भी उनके पार्टनर के तौर पर शामिल हैं।

आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी डील

इस सौदे की कुल वैल्यू करीब 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,660 करोड़) आंकी जा रही है, जो इसे आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे निवेशों में से एक बनाता है। डील फाइनल होने के बाद मित्तल परिवार के पास राजस्थान रॉयल्स की 75 हिस्सेदारी होगी। वहीं, अदार पूनावाला के पास 18 और मनोज बडाले व अन्य निवेशकों के पास बाकी 7 हिस्सेदारी रहेगी।

सितंबर 2026 तक पूरी होगी प्रक्रिया

हालांकि मित्तल परिवार और पूनावाला के साथ यह सौदा तय हो चुका है, लेकिन इसे अभी बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल जैसी संस्थाओं से मंजूरी मिलना बाकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि सभी कानूनी और नियामक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद सितंबर 2026 तक यह डील पूरी तरह संपन्न हो जाएगी।

ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बनी राजस्थान रॉयल्स

यह सौदा केवल भारतीय आईपीएल टीम तक सीमित नहीं है। राजस्थान रॉयल्स अब एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बन चुकी है, इसलिए इस डील में दक्षिण अफ्रीका की पार्ल रॉयल्स और कैरेबियन लीग की बारबाडोस रॉयल्स की ओनरशिप भी शामिल है। टीम के पुराने प्रमोटर मनोज बडाले नए मैनेजमेंट के साथ जुड़े रहेंगे ताकि टीम के संचालन में पुराना अनुभव काम आ सके।

पुराने समझौते का क्या हुआ?

इससे पहले अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके ग्रुप ने 1.63 बिलियन डॉलर की रिकॉर्ड बोली लगाकर फ्रेंचाइजी खरीदने की कोशिश की थी। उन्हें एक्सक्लूसिविटी भी मिल गई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से वह सौदा सिरे नहीं चढ़ सका। अब मित्तल परिवार के बोर्ड में शामिल होने से राजस्थान रॉयल्स को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बाँसवाड़ा, उदयपुर, सिरोही में चंदन वन विकसित किये जायेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वन विभाग की बैठक में तीनों जिलों के चयनित स्थानों पर दस-दस हजार चंदन के पौधे लगाने के निर्देश दिये

जयपुर, 3 मई। राज्य सरकार द्वारा बांसवाड़ा के झांतलिया, उदयपुर के बांकी एवं सिरोही के जनापुर में चंदन वन विकसित किए जाएंगे। इनमें से प्रत्येक चंदन वन में 10 हजार से अधिक चंदन के पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में इन चंदन वनों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का चयन करने तथा इनकी सुरक्षा के लिए चयनित स्थानों पर फेंसिंग के कार्य एवं सिंचाई के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बांसवाड़ा, उदयपुर एवं सिरोही में चंदन वनों की स्थापना से राजस्थान की वन-धन संपदा और अधिक समृद्ध होगी। साथ ही, भविष्य में अन्य जिलों में भी चंदन वन विकसित करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को चंदन वन पौधारोपण कार्य में मानसून से पूर्व गड्ढ` खुदाई, फेंसिंग कार्य सहित, अन्य सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी करने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर वन विभाग की बैठक ली।

के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के लिए राज्य सरकार किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाएगी। ऐसे में वन विभाग फलदार पौधों के वितरण की भी योजना बनाए। उन्होंने पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग एवं अरावली क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "एक पेड़ मां के नाम" अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने वर्ष 2024 में 7 करोड़ से अधिक एवं वर्ष 2025 में 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं।

इसी कड़ी में इस वर्ष के लिए निर्धारित 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि के लिये राज्य सरकार उन्हें फलदार पौधे उपलब्ध करायेगी। उन्होंने पहाड़ी तथा वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग के निर्देश दिये।**

को अभियान के रूप में लें और सभी विभागों एवं जिलों के लिए पौधारोपण के लक्ष्य निर्धारित करते हुए समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को जोड़ते हुए, इस अभियान को लेकर आमजन को भी जागरूक करें, ताकि इस अभियान में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

निशांत कुमार ने चंपारण से सद्भाव यात्रा शुरु की

पटना, 03 मई। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय से अपनी सद्भाव यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान पार्टी के दिग्गज नेता और कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनसंपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना और विभिन्न समुदायों के लोगों से जुड़ना है।

उन्होंने कहा, "हमने इसे सद्भाव यात्रा का नाम दिया है, जिसका अर्थ

- **उन्होंन कहा कि यात्रा का उद्देश्य कार्यकर्ताओं से मिलना, उनके विचार सुनना और संगठन को नई ऊर्जा देना है।**

है- अमीर, गरीब, दलित, अति-पिछड़ा और अल्पसंख्यक समेत समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना।

गांधी जी ने अपना पहला सत्याग्रह चंपारण की धरती से शुरू किया था और मेरे पिता ने भी अपनी सभी प्रमुख यात्राएं वहीं से शुरू कीं। मैं भी वहीं से अपनी यात्रा शुरू कर रहा हूं।" उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा का मकसद कार्यकर्ताओं से मिलना, उनके विचारों को सुनना और संगठन को नई ऊर्जा देना है।

आज बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर संभाग में तेज आँधी-बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, कई जगह 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती है

जयपुर, 03 मई। प्रदेश में एक नए मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 4 मई को बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं 50 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार देर रात आए अंधड़ और बारिश के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आमजन को गर्मी से राहत मिली है। रविवार को प्रदेश के छह शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया, जबकि 13 शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के पार रहा। फलौदी सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.8 और न्यूनतम 31.2 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के विभिन्न भागों में मेघ गर्जन, आंधी और हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। वर्तमान में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच है, जो सामान्य के आसपास है। उन्होंने

- **मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार, अगले एक सप्ताह राज्य के कुछ हिस्सों में 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाओं के साथ आँधी-बारिश की संभावना है। जयपुर में रविवार को आंशिक बादल छाए रहे। अधिकतम तापमान 38.3 तथा न्यूनतम 22 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।**

बताया कि आगामी एक सप्ताह तक राज्य के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाओं के साथ आंधी-बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 4 मई को इन गतिविधियों में और तेजी आ सकती है। इसके चलते अधिकतम तापमान 44 डिग्री से नीचे रहने और हीटवेव से राहत मिलने की संभावना है।

इस बीच जयपुर में शनिवार रात तेज अंधड़ के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ने, टीन शेड, होर्डिंग और बिजली के पोल गिरने की घटनाएं सामने आईं। रविवार को भी शहर में आंशिक बादल छाए रहे और मध्यम गति से हवाएं चलीं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 38.3 और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि 5.2 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को जयपुर में तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई है।

भारत व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नेपाल सरकार पहले भी भारत सरकार से इस क्षेत्र में सड़क निर्माण या विस्तार, सीमा व्यापार और तीर्थयात्रा जैसी गतिविधियां न करने का लगातार आग्रह करती रही है।

नेपाल इससे पहले भी कई बार इस क्षेत्र से जुड़े अपने दावे और संवेदनशीलता के बारे में भारत और चीन दोनों को स्मरण करा चुका है।

गिरती लोकप्रियता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंटीग्रेटेड बैटल कमांड सिस्टम और संबंधित उपकरणों की भी मंजूरी दी गई। संभावित बिक्री के मुख्य ठेकेदार नॉर्थ्रॉप ग्रुमैन कॉर्प, आरटीएक्स कॉर्प और लॉकहीड मार्टिन कॉर्प होंगे।

रॉयटर्स ने बताया, अमेरिकी विदेश सचिव मार्क रुबियो ने इन सभी हथियार पैकेजों की मंजूरी का औचित्य यह कहकर दिया कि एक आपातकालीन स्थिति है जो इन हथियारों की तत्काल बिक्री की मांग करती है।"

संभावित हथियार बिक्री आमतौर पर कांग्रेस की समीक्षा अवधि के अधीन होती है और हथियारों की मात्रा और मूल्य विक्रेता और उपभोक्ता के बीच बातचीत के बाद तय होते हैं। हालांकि, विदेश विभाग के बयान में कहा गया कि यह त्वरित हस्तांतरण "अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों में है।"

अमेरिका और इज़रायल ने 28 फरवरी को ईरान में सैन्य हमले शुरू किए, जिसके बाद तेहरान ने यूएई, कतर और कुवैत सहित मध्यपूर्वी पड़ोसियों पर प्रतिशोधी हमले किए।

जहां एक ओर वॉशिंगटन अपने मिडिल ईस्ट सहयोगियों का समर्थन जारी रख रहा है, वहीं नाटो के साथ इसका मतभेद बढ़ता जा रहा है। जब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करने का निर्णय लिया, यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति और जर्मनी के नेता फ्रिडरिक मर्ज़ के बीच विवाद के बाद आया। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने कहा कि यह कदम अपेक्षित था, क्योंकि मर्ज़ ने मध्यपूर्व में अमेरिकी रणनीति पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा, "हम यूरोपियों को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी अधिक लेनी होगी।"

ईरान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहमान बिन जसीम अल-थानी ने ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची से बातचीत की है। यह तब है कि जब इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद दोनों देशों पर दबाव बढ़ाने के लिए कतर के नेचुरल गैस प्लांट और हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाया है।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि गैलेक्सआई का मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। तकनीकी रूप से यह मिशन बेहद खास है। कंपनी के अनुसार, मिशन दृष्टि दुनिया का पहला ऐसा उपग्रह है, जिसमें इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और सिंथेटिक अपर्चर रडार सेंसर एक साथ काम करेंगे। यह आधुनिक तकनीक किसी भी मौसम, बादलों के बीच और रात के अंधेरे में भी धरती की स्पष्ट तस्वीरें लेने में सक्षम है। गैलेक्जआई के सीईओ सुयश सिंह ने बताया कि दृष्टि का मतलब है हर परिस्थिति में देख पाना। यह सैटेलाइट मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार को एक साथ इस्तेमाल करता है, जो दुनिया में पहली बार किया गया है।

भाजपा के झंडे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वाहन पास की सड़क से गुजर रहा था और जांच के बाद उसे जाने दिया गया, क्योंकि उसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

तिरुपति मंदिर ने 70 लाख किलो घी गुणवत्ता जाँच के बिना खरीदा

जाँच आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा परीक्षणों की अनदेखी की व प्रयोगशाला रिपोर्टों को दबाया

नई दिल्ली, 03 मई। आंध्र प्रदेश सरकार के गठित एकल सदस्यीय आयोग ने स्पष्ट किया है कि मंदिर प्रशासन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम् बनाने के लिए 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के ही खरीदा है।

आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह संवैधानिक विफलता आपूर्तिकर्ताओं को मिलावटी घी प्रदान करने की अनुमति देती है, क्योंकि मंदिर प्रशासन टीटीडी के अधिकारियों ने सुरक्षा परीक्षणों की अनदेखी की और प्रयोगशाला रिपोर्टों को दबाया, जो वसायुक्त वनस्पति की पुष्टि करती थीं।

मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू ने

- **रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी अधिकारियों ने अनिवार्य सिटोस्ट्रेरोल परीक्षण जुलाई 2022 से प्रभावी करने के निर्णय को पलट दिया तथा खरीद समिति के सभी सदस्यों की स्वीकृति के बिना निविदा मानदंडों को कमज़ोर किया।**

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में मिलावटी घी की आपूर्ति की जांच के लिए सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था।

कुमार ने रिपोर्ट में कहा, टीटीडी अधिकारियों ने प्रारंभ में अनिवार्य एफएसएसएआइ (सिटोस्ट्रेरोल) परीक्षण (एक जुलाई, 2022 से प्रभावी) को शामिल करने की योजना बनाई थी, बाद में इस निर्णय को पलट दिया और आपूर्तिकर्ताओं को छूट दी।

खरीद समिति के सदस्यों ने पूर्ण समिति या संयोजक की स्वीकृति के बिना निविदा मानदंडों को कमजोर किया, उलटे नीलामी के बाद मूल्य में कमी की अनुमति दी और बिना जांच के असामान्य रूप से कम बोली स्वीकार की।

अगस्त, 2019 में पेश किए पात्रता मानदंडों को बिना उचित मूल्यांकन के कमजोर किया गया, जिससे अनुपालन नहीं करने वाली कंपनियों, जैसे-भोले बाबा आर्गेनिक डेयरी मिल्क प्रा. लि. को आपूर्ति की अनुमति मिली, जबकि उनके पास सत्यापित उत्पादन क्षमता नहीं थी।

3 अगस्त, 2022 को केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआइ) द्वारा किए गए प्रयोगशाला परीक्षण ने मिलावटी वनस्पति तेलों की पुष्टि की, जो सिटोसटेरोल की मौजूदगी से पता चली।

लेकिन इन निष्कर्षों को दबाया गया और कंपनियों को निविदा शर्तों के तहत काली सूची में नहीं डाला गया।

होर्मुज़ से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि वहां मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटे में किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई घटना नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय दूतावास और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोग मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे भारतीय नाविक सुरक्षित रहें और जहाजों का काम ठीक से चलता रहे। इसके अलावा, डीजी शिपिंग का कंट्रोल रूम रोज हालात पर नजर रख रहा है। अब तक हजारों फोन कॉल और ईमेल का जवाब दिया जा चुका है। पिछले 24 घंटों में भी कई लोगों ने मदद के लिए संपर्क किया।

ईरान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति और भू-राजनीतिक वास्तविकताओं से निपटने के लिये विकसित किया है। भारत के लिए, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा विदेश नीति की आधारशिला रही है।

होर्मुज़ पर ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका असर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, खासकर तेल और गैस आपूर्ति पर पड़ सकता है।
दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में गिने जाने वाले इस जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का परिवहन होता है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के किसी भी कदम को लेकर पहले ही चिंता जताई जा चुकी है। कई देशों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर एकतरफा प्रतिबंध वैश्विक समुद्री कानूनों के खिलाफ हो सकता है।

अग्रिम जमानत मिलने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी दमनकारी सरकार के खिलाफ संघर्ष करता है, तब संविधान ही उसकी रक्षा करता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा से जुड़े मानहानि मामले में पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी है।

दिल्ली में चार मंजिला भवन में आग से 9 की मौत

नई दिल्ली, 03 मई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार में आज तड़के चार-मंजिला रिहायशी इमारत में आग लग गई। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दो लोग मामूली रूप से झुलस गए हैं। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग की टीमों सहित अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचीं। दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं।

मणिपुर : बम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की। यह घटना अब भी स्थानीय लोगों के बीच डर और आक्रोश का कारण बनी हुई है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

इज़रायल ने दक्षिण लेबनान पर 50 हवाई हमले किये, 41 मारे गए

अल जजीरा के अनुसार, पूरे दक्षिण लेबनान पर ड्रोन उड़ रहे हैं, बमबारी से चिहीन शहर में भारी तबाही

बेरूत, 03 मई। इज़रायल ने 16 अप्रैल से लागू सैन्य विराम के बीच लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं। अकेले दक्षिणी लेबनान में पिछले 24 घंटों में इज़रायल ने 50 हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 41 लोग मारे गए। इज़रायली हमलों में अब तक अब तक 2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इस समय समूचे लेबनान में इज़रायली ड्रोन मंडरा रहे हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इज़रायली सैन्य गतिविधियां और तेज हो गई हैं। इज़रायल ने शनिवार शाम से दक्षिणी लेबनान के अधिकांश इलाकों में बमबारी की है। रविवार सुबह कई शहरों में जबरदस्त धमाके हुए हैं। स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। इस समय दक्षिणी लेबनान के ऊपर ड्रोन उड़ रहे हैं। बमबारी में चिहीन शहर में भारी तबाही हुई है। अल-तुफ्फाह जिले के अर-रयहान शहर में जोरदार विस्फोट हुआ है। बिगड़े हालात के बीच दक्षिणी लेबनान के लोग बाल-बच्चों के साथ पलायन कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे से समूचा दक्षिणी लेबनान बमबारी का सामना कर रहा है।

- **इज़रायल लेबनान में हिज़बुल्लाह की मौजूदगी को अपने अस्तित्व के लिये खतरा मानता है और उसे निशस्त्र करना चाहता है। वह दक्षिण लेबनान में हिज़बुल्लाह पर लगातार हमले कर रहा है।**

लेबनान और इज़रायल के मध्य संघर्ष का पुराना इतिहास है। दरअसल 1948 में लेबनान ने अन्य अरब देशों के साथ मिलकर इज़रायल के गठन का विरोध किया था। तब से अब तक दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक शांति समझौता नहीं हो पाया है।1970 के दशक में फिलिस्तीन मुक्ति संगठन ने दक्षिणी लेबनान को अपना आधार बनाया और इज़रायल पर हमले शुरू किए। इसके जवाब में इज़रायल ने 1978 में ऑपरेशन लिटानी शुरू कर दक्षिणी लेबनान पर हमला किया।

साल 1982 में पहला लेबनान युद्ध शुरू हुआ। इज़रायल ने फिलिस्तीन मुक्ति संगठन को पूरी तरह खदेड़ने के लिए लेबनान पर बड़ा आक्रमण किया। इज़रायल की सेना बेरूत तक पहुंच गई। इसी दौरान इज़रायली के विरोध में ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह का उदय हुआ। 2000 में इज़रायल ने दक्षिणी लेबनान के अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से अपनी सेना वापस बुला ली, लेकिन शेबा फार्म्स जैसे विवादित इलाकों को लेकर तनाव बना रहा।

साल 2006 में हिजबुल्लाह ने दो इज़रायली सैनिकों का अपहरण कर लिया। इस घटना के बाद 34 दिनों तक भीषण युद्ध चला। यह युद्ध संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1701 के बाद युद्धविराम के साथ समाप्त हुआ। अक्टूबर 2023 में हिजबुल्लाह ने हमास के समर्थन में उत्तरी इज़रायल पर रॉकेट हमले शुरू किए। इसके जवाब में इज़रायल ने लेबनान में हवाई हमले और सीमित जमीनी अभियान तेज कर दिए।

साल 2024 के अंत में इज़रायल ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए। इस साल पिछले महीने अप्रैल में अमेरिकी मध्यस्थता के बाद इज़रायल और लेबनान के बीच संक्षिप्त युद्ध विराम लागू हुआ। इज़रायल लेबनान में हिजबुल्लाह की मौजूदगी को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है और उसे निशस्त्र करना चाहता है। वह दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमला कर रहा है।

सचिन पायलट ने आसीन्द में भगवान देवनारायण महायज्ञ में आहुतियाँ दीं

उन्होंने कहा कि हर जनप्रतिनिधि को जनभावनाओं को सुनकर उसके आधार पर काम करना चाहिए

भीलवाड़ा, 3 मई (कासं)। कांग्रेस महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को श्री बैकुंठ धाम बरनाघर आसीन्द में आयोजित भगवान देवनारायण के 51 कुंडीय विष्णु महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत की। पायलट ने यज्ञ में आहुतियां देकर देश-प्रदेश की खुशहाली की मंगलकामना की। इस दौरान सवाई भोज पीठ के महंत सुरेश दास, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, सचिव धीरज गुर्जर, पूर्व मंत्री रामलाल जाट समेत, हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र में हम सब लोग आए और इस प्राचीन प्रसिद्ध धरती पर, यहाँ की भूमि पर अपना शीश झुकाकर आशीर्वाद मांग सके, प्रार्थना कर सके। आप सब लोगों से मुलाकात कर सकें। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक मंच नहीं है, लेकिन दो-चार मन की बातें हैं। हम सब जनप्रतिनिधि हैं, कोई विधायक है, सांसद है, पूर्व विधायक है। सब राजनीति में हैं, हम अपना-अपना काम करते है। जो व्यक्ति राजनीतिक कार्यकर्ता है, उसे जनता के बीच में रहना है। देश और प्रदेश में अलग-अलग सोच है, अलग-अलग विचारधारा है और हर कार्यकर्ता चुनता है कि मुझे किस विचारधारा से जुड़ना है। अंतिम निर्णय जनता करती है-किसको जिताना है, हराना है, राज देना है, ये जनता का काम है।

पायलट ने कहा कि, जो जनप्रतिनिधि हैं, वो चाहे जीतें या हारें, सत्ता में हों या विपक्ष में हों, उन्हें हमेशा ईमानदारी के साथ जनता के बीच में रहकर, जन-भावनाओं को सुनकर उसके आधार पर काम करना चाहिए। जनता जिनको विधायक-सांसद चुनती है, उन्हें भी पूरे क्षेत्र के 100 प्रतिशत

कांग्रेस महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को श्री बैकुंठ धाम बरनाघर आसीन्द में आयोजित भगवान देवनारायण के 51 कुंडीय विष्णु महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शिरकत की।

वोट नहीं मिलते। परंतु जो व्यक्ति चुनाव जीतता है, जो दल जीतता है, वो शासन-सरकार चलाता है। उसको सबका होना पड़ता है, मन से यह बात निकालनी पड़ेगी कि उसने ने मुझे वोट दिया या नहीं दिया।

कांग्रेस महासचिव ने कहा राजस्थान में लोग पिछले दो-ढाई साल

- **श्री बैकुंठ धाम बरनाघर आसीन्द में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया कि "जब-जब गरीब व किसान पर संकट आयेगा, देश-प्रदेश में अत्याचार, अन्याय होगा, मैं और मेरे सभी साथी आपके साथ खड़े रहेंगे।"**

से भुगत रहे है, लेकिन अब जो भी हो, दो-ढाई साल और भुगतना पड़ेगा और जब समय आएगा, तब सही जनता के लिए सब सही होगा। इस प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर में जो लोगों की आस्था है, उसको नमन करने के लिए मैं अकेला नहीं, हम सब साथी मेवाड़ से, जयपुर से, सब लोग यहाँ पर आए। मंदिर के साथ-साथ जो हमारी जनार्दन है, जनता, उसके दर्शन आज हमको मिले, इसलिए अपना सौभाग्य मानता हूँ। पायलट ने क्षेत्रवासियों से कहा, आप लोगों ने जिस मजबूती के साथ अपना आशीर्वाद दिया, अपना सहयोग दिया और हमेशा, समय अच्छा हो या बुरा हो, आप लोगों ने हमेशा दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया, उनके प्रति मैं शीश झुकाता हूँ। मैं इस बात का आश्वासन देता हूँ- जब हमारे गरीब और किसान पर संकट आएगा, जब-जब देश-प्रदेश में अत्याचार, अन्याय होगा, मैं और हमारे सब साथी आपके साथ खड़े रहेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908